10 हार्दिक पांड्या....



12 सारा अर्जुन...



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, शुक्रवार, 06 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -134 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

अंतरराष्ट्रीय धोरोमगाढ़ महासम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, लोगों में उत्साह

आदिवासियों के अधिकारों का हनन नहीं होने देंगे : हेमंत सोरेन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

पीरटांड़। गिरिडीह के मधुबन में मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा की ओर से आयोजित दो दिवसीय मरांग बुरु धर्मगढ़ महासम्मेलन का समापन गुरुवार को हुआ. मधुबन मेला मैदान में आयोजित समापन समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. उन्होंने आदिवासी भाषा में हजारों की संख्या में जुटे संथाल समाज के लोगों को संबोधित किया. मुख्यमंत्री ने समाज, धर्म, परिवार और सांस्कृतिक पहचान की मजबूती के साथ आदिवासी समाज के अधिकारों और भविष्य की चुनौतियों पर अपनी बात रखी. मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों का संरक्षण सरकार की जिम्मेदारी है. कानून और संविधान के दायरे में जो भी अधिकार प्राप्त हैं, उनका हनन नहीं होने दिया जाएगा.

पारंपरिक आदिवासी नृत्य और मांदर की थाप के साथ सीएम का स्वागत

मुख्यमंत्री का काफिला गुरुवार दोपहर करीब 1:50 बजे मधुबन थाना के समीप स्थित मेला मैदान पहुंचा. यहां पारंपरिक आदिवासी नृत्य और मांदर की थाप के साथ उनका स्वागत किया गया. इसके बाद उन्होंने झारखंड के वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. मंच पर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने महासम्मेलन में शामिल लोगों का अभिवादन किया. आयोजन समिति ने उन्हें दिशोम मांझीथान का चित्र भेंट कर अंगवस्त्र से सम्मानित किया. इस अवसर पर गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन और घाटशिला विधायक सोमेश सोरेन का भी स्वागत किया गया.



दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के कार्यों को किया याद

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के कार्यों की भी सराहना की. उन्होंने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू शुरूआती दौर से ही झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े रहे. उन्होंने पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ संगठन और जनता के लिए काम किया. वह दो बार विधायक चुने गये और मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया. मुख्यमंत्री ने उनके योगदान को याद करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की. कार्यक्रम के अंत में महावीर मुर्मू ने धन्यवाद ज्ञापन किया. मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा की ओर से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मरांग बुरु के संरक्षण सहित अन्य मुद्दे शामिल थे.

दिशोम मांझीथान में सुबह से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

महासम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को दिशोम मांझीथान में सुबह से धार्मिक अनुष्ठानों का दौर जारी रहा. देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाज से पूजा-अर्चना कर अपने आराध्य मरांग बुरु का आशीर्वाद लिया. नायके बाबा की उपस्थिति में विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराये गये. मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भी श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा.

बुधवार रात ही मधुबन पहुंच गयी थीं कल्पना सोरेन

गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन बुधवार की रात ही मधुबन पहुंच गयी थीं. उन्होंने महासम्मेलन में हिस्सा लिया और गिरिडीह में रात्रि विश्राम किया. गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पहुंचने से पहले ही वह मधुबन पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुईं. इस दौरान ओडिशा की सांस्कृतिक टीम ने बीच-बीच में पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसका लोगों ने आनंद लिया. दो दिवसीय धर्मगढ़ महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा की ओर से पिछले दो महीने से तैयारी की जा रही थी. देश के विभिन्न राज्यों से आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं के पहुंचने को लेकर व्यापक व्यवस्था की गयी थी. जिला प्रशासन भी मुख्यमंत्री के आगमन और महासम्मेलन की सफलता को लेकर कई दिनों से तैयारियों में जुटा था.

शिक्षा और सामाजिक एकजुटता से मजबूत होगा आदिवासी समाज : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में समाज के विकास, शिक्षा, सामाजिक एकजुटता और संवैधानिक अधिकारों पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं. वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा का है. ऐसे में यदि समाज समय के साथ खुद को तैयार नहीं करेगा और शिक्षा के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ेगा, तो आनेवाले दिनों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक, शिक्षित और संगठित होने की जरूरत है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति के साथ जुड़कर जीवन जीता है. इसकी अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपराएं, धार्मिक मान्यताएं और सामाजिक व्यवस्था है. अलग-अलग क्षेत्रों में आदिवासी समाज के लिए अलग-अलग कानून और व्यवस्थाएं लागू हैं. समाज को अपनी पहचान और परंपराओं को सुरक्षित रखते हुए विकास की दिशा में आगे बढ़ना होगा. उन्होंने कहा कि महासम्मेलन में सामाजिक और धार्मिक विषयों पर गंभीरता से चर्चा हुई है. समाज को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में जो भी महत्वपूर्ण विषय सामने आये हैं, सरकार उनका समर्थन करती है. उन्होंने दोहराया कि कानून और संविधान के दायरे में आदिवासियों को मिले अधिकारों का हनन नहीं होने दिया जाएगा.

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



अनुज कुमार सिंह
लापुंग संवाददाता, रांची।

पत्रकारिता सिर्फ आपके किरदार को नहीं निखरती है वह आपकी नियत को भी निकलती है। एक सच्चा पत्रकार अपने आसपास होते किसी भी प्रकार के अन्याय को बर्दाश्त नहीं कर सकता है। और उसके खिलाफ आवाज उठाना एक सच्चे पत्रकार की पहचान होती है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : 1,38,150
चांदी (प्रति किलो) : 2,26,450
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- 79,310.01
निफ्टी :- 24,535.50

मौसम

अधिकतम तापमान : 25
न्यूनतम तापमान : 16

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- 05:57
संध्या :- 17:08

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1763 को ब्रिटिश सेना ने मीरकासिम को हराकर पटना पर कब्जा किया।

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने कोयला कारोबारी एलबी सिंह और कुंभनाथ सिंह को फिर नोटिस भेजा

रांची। प्रवर्तन निदेशालय ने कोयला घोटाले की जांच के दौरान धनबाद के चर्चित व्यापारी एलबी सिंह और कुंभनाथ सिंह को फिर नोटिस भेजा है. दोनों भाइयों को 6 नवंबर को दिन के 11 बजे तक ईडी के रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया गया है. ईडी कोयला घोटाले के दूसरे चरण की छापामारी के बाद एलबी सिंह और कुंभनाथ सिंह से पहले दौर की पूछताछ कर चुकी है. पहले दौर में हुई पूछताछ के दौरान इन दोनों भाइयों ने ईडी द्वारा मांगे गये आवश्यक दस्तावेज नहीं दिये थे. दोनों ने आवश्यक दस्तावेज सौंपने के लिए समय मांगा था. ईडी ने उन्हें आवश्यक दस्तावेज देने के लिए एक सप्ताह का समय दिया था. लेकिन निर्धारित समय पर दोनों ने दस्तावेज नहीं दिये. इसके बाद ईडी ने कई बार आवश्यक दस्तावेज सौंपने के लिए निर्देश और समय दिया. लेकिन दोनों में से किसी भाई ने दस्तावेज नहीं सौंपे.

राजस्थान में पटाखों के गोदाम में जोरदार धमाका, दो लोगों की मौत

नागौर। राजस्थान के नागौर में गुरुवार को पटाखों के एक गोदाम में जोरदार धमाका हो गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मृतकों के शरीर के कुछ हिस्से आसपास के घरों तक जा गिरे। धमाके से नजदीक के कई मकानों को भी नुकसान पहुंचने की खबर है। घटना नागौर पुलिस थाना क्षेत्र के बड़ली गांव की है। बताया गया कि धमाके के समय गोदाम में तीन लोग मौजूद थे। इनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा व्यक्ति घायल हो गया। घायल को नागौर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

यूको बैंक में दिनदहाड़े डकैती, अपराधियों ने लूटे करोड़ों के जेवरात एवं नगदी, जांच में जुटी गिरिडीह पुलिस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

गिरिडीह। जिले के धनवार में बैंक डकैती की घटना हुई हैं. यहां यूको बैंक में डाका डाला गया हैं. अपराधियों द्वारा बैंक में जमा जेवरात के साथ-साथ नगद राशि पर हाथ साफ किया गया है. घटना गुरूवार दोपहर की है. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी ली.

डकैती के लिए पहुंचे 6 बदमाश

वहीं घटना को लेकर बताया गया है कि बाइक पर सवार लगभग 6 बदमाश यूको बैंक पहुंचे. उन्होंने हथियार के बल पर बैंक कर्मियों और ग्राहकों को बंधक बना लिया. इसके बाद बैंक में जमा राशि के अलावा दो ग्राहकों से भी नगद की लूट की घटना को अंजाम दिया गया है. इसके साथ ही बैंक में रखे जेवरात भी लूटे लिए गए हैं. घटना की जानकारी पर थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे है और छानबीन शुरू कर दी गई है. मामले की सूचना एसपी डॉ. बिमल कुमार को दे दी गई है. वहीं खोरी महुआ एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार को त्वरित एक्शन लेने को कहा गया है.

फुटेज से लेकर हर बिंदू की हो रही हैं जांच



घटना की जानकारी मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों द्वारा मामले की विस्तृत जानकारी ली गई है. बैंक कर्मियों और अधिकारियों से पूछताछ जारी है. वही वारदात के दौरान जो ग्राहक बैंक में मौजूद थे, उनसे भी पूछताछ हो रही है, जबकि एसपी डॉ बिमल कुमार के निर्देश पर सघन जांच अभियान भी चलाया जा रहा हैं. सभी थाना को अलर्ट करते हुए वाहनों की जांच की जा रही है. जबकि जिस रूट की ओर अपराधी भागे थे, उस इलाके में पुलिस की अलग- अलग टीमों को भेजा गया है. खोरी महुआ के एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार ने डकैती की पुष्टि की हैं. उन्होंने कहा कि पुलिस अपराधियों की धरपकड़ में जुटी हैं.

हादसा देखने निकले लोगों के लिए काल बनकर आया 18 चक्का ट्रक, एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

कर्रा। खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र में कर्रा-तोरपा मुख्य सड़क पर गुरुवार की रात भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गयी. तोरपा की ओर से आ रहा तेज रफ्तार अनियंत्रित 18 चक्का ट्रक (जेएच 02 एजे 1377) सड़क पर मौजूद लोगों को रौंदते हुए पुलिया तोड़कर गड्ढे में जा गिरा. हादसा रात करीब 9.30 बजे जोने-लुदरू मोड़ के पास हुआ. मृतकों में 11 माह का बच्चा सौरभ नायक भी शामिल है. हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. घटना के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया.

मृतकों में 11 माह का बच्चा और 19 वर्षीय युवती भी

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान जयंती देवी, मानहु देवी, गोलू, तूती कुमारी, अंजलि कुमारी (19), पाको देवी (65) और 11 माह के सौरभ नायक के रूप में हुई है. सौरभ के पिता का नाम अजीत नायक है. अंजलि कुमारी के पति भी अजीत नायक बताये गये हैं. बताया गया कि किसी दुर्घटना की आवाज सुनकर जोने-लुदरू मोड़ के पास स्थित कॉलोनी के लोग घटनास्थल देखने के लिए सड़क पर निकले थे. इसी दौरान तोरपा की ओर से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क पर मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया. लोगों को रौंदने के बाद ट्रक पुलिया तोड़ते हुए गड्ढे में जा गिरा. हादसे के बाद ट्रक चालक और खलासी मौके से फरार हो गये. घटना की सूचना मिलते ही कर्रा थाना प्रभारी राजू कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. सीएचसी कर्रा के स्वास्थ्यकर्मी भी तत्काल वहां पहुंचे. पुलिस और स्वास्थ्यकर्मियों की मदद से दो घायल बच्चों को सीएचसी कर्रा पहुंचाया गया, जबकि अन्य घायलों को थाना वाहन से सदर अस्पताल खूंटी भेजा गया.



बोकारो के कथारा कोलियरी में कोयले का ढेर धंसा, 7 लोग दबे, तीन महिलाओं की मौत

बोकारो : झारखंड के बोकारो में कोयले के ढेर धंसने से सात लोग उसकी चपेट में आ गए. जिसमें तीन महिलाओं की मौत हो गई. हादसा बेरमो अनुमंडल के कथारा ओपी क्षेत्र स्थित कथारा कोलियरी के नंबर-5 स्टॉकयार्ड में गुरुवार सुबह करीब 4:45 बजे हुआ. जानकारी के अनुसार, पूरा मामला अवैध माइनिंग से जुड़ा है. स्टॉकयार्ड में रिजेक्ट किया हुआ कोयला था. स्थानीय ग्रामीण जलावन के लिए यही रिजेक्ट कोयला निकाल रहे थे. इसी दौरान अचानक ऊपर से कोयले का ढेर धंस गया, जिसकी चपेट में 6 महिलाएं और एक पुरुष आ गए. जैसे ही हादसे की सूचना मिली, सभी घायलों को कोयले के ढेर से निकाला गया और आनन-फानन में सभी को इलाज के लिए सीसीएल अस्पताल ले जाया गया, जहां तीन महिलाओं की मौत हो गई.

आपके संघर्षों और उपलब्धियों से प्रेरणा मिलती है : पीएम मोदी ने पैरा एशियाई पदक विजेताओ से कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार खेलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है। आज भारत की ओर से प्रतिनिधित्व में कमी के कारण उपेक्षित रहे खेलों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। हमारे पैरा स्पोर्ट्स इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एशियाई पैरा गेम्स 2026 में भाग लेने वाले भारतीय दल के साथ बातचीत की। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने पैरा एथलीटों की प्रशंसा की और देशवाशियों की ओर से उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि 2010 के पैरा एशियन खेलों में भारत ने बस 1 स्वर्ण और कुल 14 पदक जीते थे। इस बार यह आंकड़ा 114 है। यह यात्रा खिलाड़ियों के परिश्रम की पराकाष्ठा का परिणाम है।

उन्होंने कहा, ह्यआज के दौर में यदि किसी युवा को अपनी प्रतिभा पर भरोसा है तो उसे यह विश्वास भी होता है कि पूरा देश उसके साथ खड़ा है। पैरा स्पोर्ट्स इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।

अपनी सरकार के हाल ही में दिव्यांगजन की पेंशन बढ़ाए जाने के फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने पेंशन के साथ दिव्यांगता का मानक 80 प्रतिशत से 40 प्रतिशत कर दिया है। पहले पेंशन के लिए 18 वर्ष की आयु होना जरूरी था। अब जन्म से ही पात्र दिव्यांग बच्चों के लिए पेंशन का रास्ता खोल दिया गया है। पैरा खेलों की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार 30 स्वर्ण, 35 रजत, 49 कांस्य के साथ 5 नए विश्व रिकॉर्ड, 9 एशियाई रिकॉर्ड भारत ने बनाए हैं। इस बार 56 महिला खिलाड़ियों में से 34 बेटियां मेडल विजेता बनी हैं। वहीं 4 स्पधाओं में पोडियम पर तीनों जगह भारतीय खिलाड़ी थे।



पीएम मोदी से मिलकर गदगद हुई लोहरदगा की संजना कुमारी

लोहरदगा : जापान में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय टीम से गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की. दिल्ली के इंदिरा गांधी खेल परिसर में आयोजित इस मुलाकात में लोहरदगा की बेटी संजना कुमारी भी शामिल रहीं. प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद संजना का उत्साह बढ़ा है. बेटी की उपलब्धि और प्रधानमंत्री से मिलने की खुशी से परिवार गदगद है. लोहरदगा शहरी क्षेत्र के शास्त्री नगर ढोढ़ा टोली निवासी संजना की इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है. बेटी की सफलता और प्रधानमंत्री से मुलाकात की जानकारी मिलने के बाद परिजन गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों से मुलाकात के बाद एक्स पर पोस्ट कर भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि पैरा एशियन गेम्स में भारत की शानदार सफलता खिलाड़ियों की अपार क्षमता और प्रतिभा को दशार्ती है.

THE RANCHI RIFLE CLUB (RRC)
(Registered under -Society Registration Act: 21,1860. Government of Jharkhand)
JOIN US TO BECOME A NATIONAL or INTERNATIONAL SHOOTER
Your ambition is our mission...



Our facilities:-
- 10m/ 25m Fully Air Conditioned Hitech indoor shooting range.
- All Types of Air/ Fire weapons are available for practice.
- All types of shooting equipments & accessories for sale available here.
- We teach the civilians how to handle weapons/ safety rules and way of firing.
- Special For School Girls & Boys.
- Above 8 years Girls & Boys May Join us.
- National Level Shooting Coach Facility Available Here.

Justdial
Contact: +91 8002397001, 7050607001
House No. 01, Shanti Nagar, Hatia, Near Hatia Tonko Bridge, P.O- Hatia, P.S.- Jagannathpur, Ranchi - 834003 (Jharkhand)
E-mail: theranchirifleclub@gmail.com | Website: http://www.theranchirifleclub.org



राधा गोविन्द संवाद दैनिक अखबार एवं डिजिटल समाचार का लोकार्पण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

जनता का आवाज बनेगा राधा गोविन्द संवाद: माननीय मंत्री योगेंद्र महतो





रामगढ़। गुरुवार को राधा गोविन्द शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्था परिवार की ओर से राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में राधा गोविन्द संवाद दैनिक अखबार एवं डिजिटल समाचार पोर्टल का भव्य लोकार्पण एवं शुभारंभ समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षा, समाज, पत्रकारिता और जनसरोकार से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथियों कीगरिमामयी उपस्थिति रही।लोकार्पण कार्यक्रम में माननीय मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मध निषेध विभाग झारखंड सरकार के योगेंद्र प्रसाद महतो, समाजसेवी सी पी सनतन, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी.एन. साह, सचिव प्रियंका कुमारी , कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, प्राचार्य सुजीत कुमार मोहंती , सोमा पांडेय, अमरकांत जी तथा गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ।

राधा गोविन्द शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्था परिवार द्वारा प्रकाशित ह्यराधा गोविन्द संवादह्ल दैनिक समाचार पत्र एवं डिजिटल न्यूज पोर्टल का लोकार्पण योगेंद्र महतो, कुलाधिपति श्री बी. एन. साह, सचिव श्रीमती प्रियंका कुमारी एवं अन्य सभी सम्मानित अतिथियों के करकमलों द्वारा राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में संपन्न हुआ।कुलपति प्रो.(डॉ.) रश्मि ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज के विकास में शिक्षा और पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पत्रकारिता केवल समाचारों के संकलन और प्रसारण का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने, जनसमस्याओं को सामने लाने और सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करने का सशक्त माध्यम है।

जनता का आवाज बनेगा राधा गोविन्द संवाद

लोकार्पणकर्ता योगेंद्र महतो ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता को चौथा स्तंभ कहा जाता है। एक सशक्त समाचार माध्यम समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के साथ-साथ आम जनता को जागरूक करने का काम करता है। राधा गोविन्द संवाद की शुरूआत एक सराहनीय पहल है। उन्हें उम्मीद है कि यह समाचार पत्र ग्रामीण क्षेत्रों, युवाओं, किसानों, महिलाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज बनेगा।कुलाधिपति बी एन साह ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ एवं समाज का आईना है। राधा गोविन्द संवाद का उद्देश्य शिक्षा, समाज और जनसरोकार से जुड़ी सकारात्मक खबरों को जन-जन तक पहुँचाना तथा पत्रकारिता के उच्च आदर्शों को स्थापित करना है। मुझे विश्वास है कि यह समाचार पत्र एवं डिजिटल मंच समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनेगा।कार्यक्रम का समापन कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन कर किया संचालन डॉ संजय पाण्डेय एवं डॉ अमरेश पांडेय ने किया।मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, व्याख्यातगण कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों के बीच राशन बांटकर फाउंडेशन ने पेश की सेवा और समर्पण की मिसाल



तलाटांड पंचायत भवन में रैक्सलर वेलफेयर फाउंडेशन का सेवा कार्यक्रम, जरूरतमंद परिवारों को दी गई खाद्य सामग्री

पतरातू: सामाजिक सरोकार और मानव सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए रैक्सलर वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से तलाटांड पंचायत भवन परिसर में जरूरतमंद परिवारों के बीच खाद्य सामग्री एवं राशन का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सदस्यों और उपस्थित अतिथियों ने जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री प्रदान की। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सहायता करना समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। ऐसे सेवा कार्यों से जरूरतमंद परिवारों को राहत मिलने के साथ समाज में आपसी सहयोग, भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के लिए ऐसी पहल निरंतर जारी रहनी चाहिए। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक रणजीत सिंह राठौड़ एवं उनकी पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की गई। इस दौरान पंचायत सेवक रंजय कुमार सिंह, मुखिया प्रतिनिधि पंचम मुंडा, पूर्व जिला परिषद सदस्य सुरेश महतो, रितेश ठाकुर, रघुनाथ महतो, शत्रुघ्न महतो, नंदकिशोर गंझू, लालचंद गंझू, प्रकाश करमाली, बबलू मुंडा, राजेश उरांव, उगानुरा उरांव, सीता देवी, सबिता कुमारी, अंजली मुंडा एवं सरस्वती कुमारी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं, रैक्सलर वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से संस्थापक रणजीत सिंह राठौड़, उपेंद्र कुमार, दीपक कुमार, नितेश सिंह, मनोज कुमार श्रीवास्तव, सीता देवी एवं शांति देवी सहित संस्था के अन्य सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में संस्था ने भविष्य में भी जरूरतमंद परिवारों की सहायता और समाज कल्याण से जुड़े कार्यों को जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ चला अभियान



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

नशे में बॉक्साइट लदा वाहन चलाते चालक पकड़ाया

लोहरदगा: सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को शंख मोड़ के समीप ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी एवं सड़क सुरक्षा टीम के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान 60 से 70 छोटे-बड़े वाहनों की जांच की गई। जांच के क्रम में बॉक्साइट लदे एक वाहन का चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़ा गया। उसे आगे की कार्रवाई के लिए शंख पिकेट के सुपुर्द कर दिया गया।

न्यू मार्केट में खुला पवन इलेक्ट्रॉनिक्स का नया प्रतिष्ठान, विधायक ने किया उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनतेरस और दीपावली पर ग्राहकों को मिलेंगे आकर्षक उपहार व विशेष छूट, आसान किस्तों पर खरीदारी की भी सुविधा



पतरातू :पतरातू के न्यू मार्केट में इलेक्ट्रॉनिक सामानों की खरीदारी के लिए एक नए प्रतिष्ठान पवन इलेक्ट्रॉनिक्स की शुरूआत हुई। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशनलाल चौधरी ने फीता काटकर प्रतिष्ठान का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिष्ठान के संचालक अभय सिंह को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में नए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की शुरूआत होने से स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं। साथ ही व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलती है। पतरातू में इस तरह के प्रतिष्ठानों का खुलना बाजार की बढ़ती व्यावसायिक संभावनाओं को दर्शाता है। प्रतिष्ठान के संचालक अभय सिंह ने बताया कि धनतेरस और दीपावली के अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष आकर्षक उपहार और कई शानदार छूट की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक सामानों की खरीदारी पर आसान किस्तों में वित्तीय सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठान में ग्राहकों की जरूरत और पसंद के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक सामान उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठान के संचालक अभय सिंह ने बताया कि धनतेरस और दीपावली के अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष आकर्षक उपहार और कई शानदार छूट की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक सामानों की खरीदारी पर आसान किस्तों में वित्तीय सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठान में ग्राहकों की जरूरत और पसंद के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक सामान उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से पवन इलेक्ट्रॉनिक्स में पहुंचकर खरीदारी करने तथा प्रतिष्ठान को अपना सहयोग और स्नेह देने की अपील की। उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

टाइगर जयराम महतो ने सीसीएल प्रबंधन को दी चेतावनी, कहा- रैयतों-विस्थापितों को उनका अधिकार दें, नहीं तो इससे भी बड़ा आंदोलन होगा



रैयतो- विस्थापितों को उनका अधिकारों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं , रोजगार और ठेकेदारी में मिले स्थानीय लोगों की प्राथमिकता:- रवि महतो रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) के बैनर तले गुरुवार, 05 नवंबर 2026 को झारखंड उत्खनन परियोजना (15 नंबर), लइयो स्थित परियोजना कार्यालय परिसर में रैयतों, विस्थापितों एवं स्थानीय ग्रामीणों की विभिन्न लंबित समस्याओं को लेकर विशाल एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना-प्रदर्शन में मुख्य अतिथि के रूप में मोर्चा के सुप्रीमो सह डुमरी विधायक माननीय डॉ. टाइगर जयराम महतो शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष रवि कुमार महतो ने की, जबकि संचालन मांडू प्रखंड अध्यक्ष सतेंद्र महतो ने किया। धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. टाइगर जयराम महतो ने CCL प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि प्रबंधन पुरानी सेल समिति को भंग कर नई सेल समिति का गठन करे। नई समिति में उन्हीं लोगों को शामिल किया जाए, जिनकी जमीन पर आज उउछ की परियोजना खड़ी है। उन्होंने कहा कि सेल संचालन में पहली प्राथमिकता रैयतों, विस्थापितों, प्रभावितों एवं स्थानीय ग्रामीणों की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस खदान से जो कोयला निकल रहा है, वह यहां के रैयतों के पूर्वजों की जमीन से निकल रहा है। यदि प्रबंधन इन मांगों पर गंभीरता से पहल नहीं करता है, तो इससे भी बड़ा और उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी कल्पना प्रबंधन ने भी नहीं की होगी। आंदोलन को धार देते हुए मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष रवि कुमार महतो ने कहा कि क्षेत्र के रैयतों, विस्थापितों एवं स्थानीय ग्रामीणों के अधिकारों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वर्षों से लंबित समस्याओं का अविलंब समाधान होना चाहिए। परियोजना से प्रभावित स्थानीय लोगों को रोजगार, ठेकेदारी एवं अन्य सुविधाओं में उनका उचित अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने प्रबंधन से स्थानीय लोगों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सभी लंबित मांगों पर सकारात्मक पहल करने की मांग की। इस विशाल एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन में मोर्चा के केंद्रीय, जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के पदाधिकारियों, सक्रिय सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में रैयत, विस्थापित, प्रभावित एवं स्थानीय ग्रामीण हजारों की संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रमुख नागरिकों ने उठाई आवाज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू में भाजपा की प्रमुख नागरिक गोष्ठी आयोजित, नागरिक अधिकारों और जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा





पतरातू : भाजपा की ओर से चलाए जा रहे 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत गुरुवार को पतरातू न्यू मार्केट स्थित बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी के कार्यालय सह आवासीय परिसर में प्रमुख नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं क्षेत्र के प्रमुख नागरिकों ने भाग लिया। गोष्ठी में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने, नागरिक अधिकारों की रक्षा और समाज में सकारात्मक राजनीतिक वातावरण कायम करने पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री राजू चतुवेर्दी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज महतो वाजपेयी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि मनोज महतो वाजपेयी ने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों, सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आधार है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक जागरूक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने संवैधानिक मूल्यों और जनहित के मुद्दों की रक्षा के लिए सभी से एकजुट होकर अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक ताकत जनता में निहित है। जनता के विश्वास, अधिकारों और आवाज का सम्मान करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का दायित्व है। उन्होंने कार्यकताओं से समाज के बीच जाकर सुशासन, पारदर्शिता और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। मौके पर भाजपा रामगढ़ जिला प्रभारी सुरेंद्र महतो, जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बाबला, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शीतल सिंह, प्रदेश प्रकोष्ठ अध्यक्ष रंजन सिंह, पतरातू मंडल अध्यक्ष रंजन भगत, जिला महामंत्री जगेश्वर प्रजापति, जिला पार्षद सह सांसद प्रतिनिधि राजाराम प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी देवी, भदानीनगर मंडल अध्यक्ष शौर्य प्रसाद कुशवाहा, भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष अजय पासवान, चैनगड़ा मंडल अध्यक्ष नूतन कुमार महतो, महिला मोर्चा महामंत्री अमिता सोनी, मंडल उपाध्यक्ष विजया लक्ष्मी, मंडल मंत्री सुनीता देवी सहित भाजपा के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं प्रमुख नागरिक उपस्थित थे। गोष्ठी के अंत में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, नागरिक अधिकारों के सम्मान और जनहित के मुद्दों को लेकर सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया।

कटिया चौक पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

मुखिया किशोर कुमार महतो के नेतृत्व में कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने किया अभिनंदन, संगठनात्मक मजबूती एवं सामाजिक समरसता पर हुई चर्चा



पतरातू : भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार महतो के पतरातू आगमन पर कटिया चौक, न्यू मार्केट में स्थानीय भाजपा कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों ने उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा युवा नेता सह मुखिया किशोर कुमार महतो ने किया।मनोज कुमार महतो बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी के आवासीय कार्यालय में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत प्रमुख नागरिक गोष्ठी में शामिल होने पहुंचे थे। इसी क्रम में कटिया चौक पर स्थानीय कार्यकताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं माला पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत किया।इस दौरान संगठन की मजबूती, सामाजिक समरसता तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकताओं के इस स्नेह और सम्मान के प्रति आभार व्यक्त किया।मौके पर किशोर कुमार महतो, विकास कुमार गुप्ता, रणधीर कपूर, विजय रजक, मनीष कुमार, अनिल सिंह, सुनील कुमार, सुखलाल महतो, किरण कुमारी, सिकंदर कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता एवं महिलाएं उपस्थित थीं।

समाहरणालय मैदान में सजा दिवाली हाट

5 से 8 नवंबर तक लगेगा दिवाली हाट



लोहरदगा: दीपावली पर स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समाहरणालय मैदान में 5 से 8 नवंबर तक दिवाली हाट-2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से दिवाली हाट पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करने और स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपील की है।दिवाली हाट में स्थानीय कारीगरों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार मिट्टी के दीये, खिलौने, मूर्तियां, सजावटी सामान, बांस और जूट के उत्पाद, करंज तेल, करंज मधु समेत कई पारंपरिक उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। खास बात यह है कि इन उत्पादों के निर्माण में स्थानीय कला और परंपरा की झलक के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा गया है।जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि इस दीपावली स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। इससे न केवल कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय हुनर और स्वदेशी उत्पादों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। छोटी-सी खरीदारी भी किसी स्थानीय कारीगर के घर दीपावली की खुशियां पहुंचा सकती है।

दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों के शिविर में उमड़ी भीड़, अव्यवस्था से हुई परेशानी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

व्यवस्था की कमी के कारण कई लाभुकों को बिना उपकरण मिले लौटना पड़ा, पंचायत स्तर पर शिविर लगाने की उठी मांग



रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड मुख्यालय स्थित सांस्कृतिक भवन में बुधवार को दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए एक दिवसीय आकलन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गोला प्रखंड की 21 पंचायतों से बड़ी संख्या में दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक पहुंचे। हालांकि, उम्मीद से कहीं अधिक भीड़ जुटने के कारण व्यवस्था की कमी साफ नजर आई। पंजीकरण एवं ऑनलाइन प्रक्रिया के दौरान लाभुकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पंचायत प्रतिनिधियों ने पहुंचाने में निभाई भूमिका

शिविर में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को शामिल कराने में पंचायत सेवकों, पंचायत सहायकों एवं मुखिया प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पंचायत स्तर पर संपर्क कर लाभुकों को शिविर तक पहुंचाने में सहयोग किया गया। इस दौरान पंचायत सेवक कैलाश महतो, संदीप कुमार, पंचायत सहायक संजीत कुमार, बेबी कुमारी, नीलांबर महतो, आशीष करमाली ,हेमंत कुमार, अजय बास्के पंकज महतो एवं संस्था के भजन लाल महतो सहित 21 पंचायतों के पंचायत सेवक एवं पंचायत सहायक तथा मुखिया प्रतिनिधि एवं सेविकाएं मौजूद रहे। संस्था की ओर से भजनलाल महतो ने भी सहयोग किया।

बीडीओ ने लिया जायजा, समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. सुधा वर्मा ने पहुंचकर व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान दिव्यांग विष्णु महतो ने अपनी समस्या रखते हुए कहा कि दिव्यांगता की श्रेणी और स्थिति के अनुसार पात्र लोगों को सहायक उपकरण मिलने चाहिए, लेकिन कई जरूरतमंदों को इसका समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस पर बीडीओ ने कहा कि जिन लाभुकों को किसी प्रकार की समस्या है, वे समाज कल्याण विभाग के नाम आवेदन के साथ संबंधित दस्तावेज एवं प्रमाणपत्र संलग्न कर जमा करें। प्राप्त आवेदनों पर संज्ञान लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी और समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा।

उम्मीद लेकर पहुंचे थे लाभुक, व्यवस्था ने किया निराश

शिविर में दूर-दराज के गांवों से पहुंचे कई दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों ने व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि वे इस उम्मीद से आए थे कि आकलन एवं ऑनलाइन पंजीकरण के बाद उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध करा दिए जाएंगे, लेकिन प्रक्रिया पूरी होने के बाद केवल पर्ची देकर वापस भेजा जा रहा है। इससे उन्हें दोबारा आने-जाने की परेशानी और अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है। शुरूआत में ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया भी सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पा रही थी। बाद में लाभुकों द्वारा सामूहिक रूप से अपनी समस्याएं उठाए जाने पर अतिरिक्त टीम बुलाकर ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू कराई गई, लेकिन पर्याप्त कर्मियों एवं संसाधनों की कमी के कारण काम की गति धीमी रही।

पंचायतवार शिविर लगाने की उठी मांग

कई लाभुकों का कहना था कि यदि पंचायतवार अथवा दो-तीन पंचायतों को मिलाकर अलग-अलग शिविर आयोजित किए जाते तो दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों को इतनी परेशानी नहीं होती। एक ही स्थान पर अत्यधिक भीड़ के कारण दिव्यांगजनों को घंटों इंतजार करना पड़ा। लाभुकों ने प्रशासन से मांग की कि भविष्य में पर्याप्त कर्मियों, ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि जरूरतमंदों को सम्मानजनक और सुलभ तरीके से सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

भाजपा ने एसआईआर को बताया पारदर्शी प्रक्रिया

लोहरदगा: भारतीय जनता पार्टी की ओर से गुरुवार को पावरगंज स्थित होटल नोवेल्टी में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पारदर्शी तरीके से एसआईआर की प्रक्रिया पूरी कर रहा है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाना है। मनोज सिंह ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में 10 बार मतदाता सूची का पुनरीक्षण कराया गया और उस समय विपक्षी दलों ने देशहित में इसका समर्थन किया था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भी एसआईआर कराया गया था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से बीएलओ-2 की मांग की थी और सभी दलों की सहमति से पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू हुई।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल एसआईआर को लेकर लोगों के बीच भ्रम फैला रहे हैं। यह गलत प्रचार किया जा रहा है कि भाजपा के इशारे पर योग्य मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मृत मतदाताओं, एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होने और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के नाम हटाने की प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि मतदाता सूची में एक भी योग्य मतदाता का नाम न छूटे और कोई फर्जी मतदाता सूची में शामिल न रहे। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का आधार है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला प्रभारी सह प्रदेश मंत्री अमित कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष अजय कुमार पंकज, पूर्व किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, श्रीचंद प्रजापति, जिला महामंत्री मिथुन तमेड़ा, जिला मीडिया प्रभारी रामचंद्र गिरि और युवा नेता पवन तिग्गा उपस्थित थे।

झारखंड में एसआईआर के कारण पैदा हुई समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी ने की बैठक, बंधु तिर्की बोले, ग्रामीणों के पास नहीं हैं जरूरी दस्तावेज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेपीसीसी) अध्यक्ष केशव महतो कामलेश की उपस्थिति में गुरुवार स्टेट गेस्ट हाउस में राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और बोर्ड-निगमों में नियुक्तियों को लेक एक अहम बैठक हुई जिसमें आयोग-बोर्ड-निगम के गठन के लिए योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए बनीं कमिटी के सदस्यों के साथ-साथ वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया. इस बैठक में हुई चर्चा और पार्टी के स्टैंड की जानकारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बंधु तिर्की ने कहा कि आज दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई है. उन्होंने रक्फ के दौरान मतदाता सूची से नाम छूटने की आशंका, ग्रामीण क्षेत्रों में दस्तावेजों की कमी और लोगों के बीच पैदा हो रहे डर को लेकर ग्रामीण इलाकों के लोगों की चिंता और परेशानी का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य के मुख्य निवार्ची पदाधिकारी द्वारा बार-बार एसआईआर को लेकर नए-नए नियम निकालने से लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गयी है. कई इलाकों में तो सीधे साधे जनजातीय समूह के लोगों को अपनी जमीन खोने का भी डर सताने लगा है. वहीं बोर्ड-निगमों में नियुक्तियों के लिए स्पष्ट मापदंड तय करने और पार्टी के समर्पित कार्यकताओं को अवसर देने की जरूरत पर भी जोर दिया. एसआईआर को लेकर अपनी बात रखते हुए बंधु तिर्की ने कहा कि मतदाता सूची से लोगों के नाम छूटने की आशंका एक गंभीर समस्या है. उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान करना जरूरी है, जिनका नाम सूची से कटने की संभावना है या जिनके नाम पहले ही सूची में कट चुका है. उन्होंने बताया कि पार्टी जमीनी स्तर पर काम करने की तैयारी कर रही है. उन्होंने कहा कि छूटे हुए लोगों के नाम को चिह्नित कर उन्हें सामने लाने और उनकी मदद करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे.

बंधु तिर्की ने कहा ग्रामीण इलाकों में दस्तावेजों की कमी बड़ी चुनौती है. बंधु तिर्की ने ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं पर विशेष चिंता जताई. उन्होंने कहा कि शहरों के मुकाबले गांवों में रक्फ की प्रक्रिया के दौरान लोगों को अधिक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है. ग्रामीण परिवारों के पास कई बार जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते. जमीन के कागजात दादा-परदादा या कई पीढ़ियों पुराने नामों पर दर्ज हैं, ऐसे में वर्तमान पीढ़ी के लोगों के लिए मांगे जा रहे दस्तावेज जुटाना आसान नहीं है. उन्होंने कहा कि ग्रामीण समाज की परंपराओं और सामाजिक ताने-बाने को समझे बिना इस प्रक्रिया को लागू करने से लोगों की परेशानियां बढ़ सकती हैं. बंधु तिर्की ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रक्फ से लोगों के मन में जमीन छिनने या गिरफ्तारी का डर पैदा हो रहा है, इसी आशंका के कारण कुछ लोग नोटिस मिलने पर भी सामने आने से बच रहे हैं. उन्होंने चिंता जताई कि यदि लोगों के बीच इस तरह का डर बना रहा, तो वे मतदाता सूची से बाहर होने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित हो सकते हैं. इस मुद्दे पर पार्टी जमीनी स्तर पर काम करेगी और इसके लिए अगले एक-दो दिनों में झारखंड कांग्रेस आगे की रणनीति तय करेगी.

बंधु तिर्की ने कहा कि बैठक में दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा राज्य में खाली पड़े बोर्ड और निगमों में नियुक्तियों का था, कहा कि नियुक्तियों के लिए स्पष्ट और पारदर्शी क्राइटेरिया तय किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि पार्टी के कई ऐसे कार्यकर्ता हैं, जो लंबे समय से संगठन के लिए काम कर रहे हैं और जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं, ऐसे कार्यकताओं को भी बोर्ड-निगमों और आयोगों में जिम्मेदारी निभाने का अवसर मिलना चाहिए. बंधु तिर्की ने कहा कि बोर्ड-निगमों में नियुक्ति के लिए केवल व्यक्तिगत संबंधों को आधार नहीं बनाया जाना चाहिए. कार्यकताओं की पार्टी में सक्रियता, संगठन के प्रति योगदान, उनकी भूमिका और पार्टी को उनसे मिलने वाले लाभ जैसे पहलुओं पर विचार किया जाना चाहिए. उन्होंने रउ, रळ, डइउ और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधित्व को भी विशेष रूप से ध्यान में रखने की बात कही. बैठक में बोर्ड-निगम नियुक्तियों को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की दिशा में पहल करने की बात कही गई. इसके लिए प्रस्ताव और रिपोर्ट मुख्यमंत्री के पास भेजने पर भी चर्चा हुई. हालांकि, बंधु तिर्की के मुताबिक राहुल गांधी के नवंबर में प्रस्तावित कार्यक्रम के बाद ही अंतिम रिपोर्ट सौंपने की प्रक्रिया पूरी हो सकेगी. बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि पार्टी को मजबूत करने के लिए समर्पित कार्यकताओं को उचित सम्मान और अवसर देना जरूरी है.

संक्षिप्त खबर

धनतेरस पर मुख्य सड़क पर नाली निर्माण से बढ़ी परेशानी, दुकानदारों और राहगीरों में आक्रोश



बुंडू। धनतेरस और दीपावली जैसे महापर्व के अवसर पर बुंडू ओवरब्रिज के सामने मुख्य सड़क पर नाली निर्माण कार्य कराए जाने से दुकानदारों और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्य के कारण सड़क को वन-वे कर दिया गया है, जिससे इस व्यस्त मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो रहा है। खरीदारी के लिए बाजार पहुंचने वाले लोगों के साथ राहगीरों को भी जाम और आवागमन की समस्या झेलनी पड़ रही है। इस मामले को लेकर आजसू पार्टी के रांची जिला वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा ने नगर पंचायत के अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि नाली निर्माण जरूरी है, लेकिन इसके लिए समय और परिस्थितियों का ध्यान रखना भी नगर प्रशासन की जिम्मेदारी है। स्थानीय दुकानदारों और लोगों ने पहले ही अधिकारियों से दीपावली, धनतेरस और छठ महापर्व के बाद निर्माण कार्य शुरू कराने का आग्रह किया था। इसके बावजूद त्योहार के समय शहर के सबसे व्यस्त मार्ग पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। यदि निर्माण कार्य कराना जरूरी था, तो अतिरिक्त मजदूर लगाकर ओवरटाइम के माध्यम से युद्धस्तर पर काम पूरा कराया जाना चाहिए था।

कार्रवाई के पांच मिनट बाद ही फिर शुरू हुआ बालू का खेल, बनडीह में दो हाइवा और जेसीबी जब्त



सोनाहातू (रांची)। बनडीह में कथित अवैध बालू खनन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई महज खानापूर्ति बनकर रह गई? बुंडू एसडीएम और सोनाहातू सीओ ने मौके पर पहुंचकर दो हाइवा और एक जेसीबी पकड़ी, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि वाहनों की चाबी वापस कर दी गई। हैरानी की बात यह कि प्रशासनिक टीम के लौटने के महज पांच मिनट बाद ही बालू की लोडिंग फिर शुरू हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, बनडीह का संबंधित इलाका वन संरक्षित क्षेत्र में आता है। वर्ष 2018 में भी बालू घाट की नीलामी पर तत्कालीन उपायुक्त ने रोक लगाई थी। इसके बावजूद यहां बड़े पैमाने पर बालू उठाव होने का आरोप है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब खनन पर रोक है, तो आखिर किसकी अनुमति या संरक्षण में यह कारोबार चल रहा है? ग्रामीणों ने वन क्षेत्र में जेसीबी के इस्तेमाल और लगातार हो रहे बालू उठाव पर प्रशासन की चुप्पी को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट करने और अवैध कारोबार में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी की मांग को लेकर माकपा ने किया पुतला दहन



तमाड़। झारखंड राज्य किसान सभा एवं माकपा के तत्वावधान में गुरुवार को तमाड़ के बिनसाईडीह में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान उनका पुतला दहन किया गया। मुख्य वक्ता माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य सह किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने के बजाय जेड श्रेणी की सुरक्षा देना लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने एसआइआर के नाम पर मतदाताओं के नाम काटने पर केंद्र सरकार को घेरा और आंदोलन जारी रखने की बात कही। उन्होंने 26 नवंबर को राजभवन के समक्ष किसान महापड़ाव में शामिल होने का आह्वान किया। मौके पर समीर दास, सुरेश मुंडा, लोधरो मुंडा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं किसान उपस्थित थे।

दिवाली-छठ पर रांची से बनारस और प्रयागराज के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

रांची। दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे रांची से बनारस और प्रयागराज रामबाग के लिए स्पेशल ट्रेन चलाएगा. ट्रेन संख्या 08639/08640 रांची-बनारस-प्रयागराज रामबाग स्पेशल ट्रेन का परिचालन बढ़ाया जायेगा. नवंबर में यह ट्रेन तीन-तीन फेरा चलेगा. ट्रेन संख्या 08639 रांची-प्रयागराज रामबाग स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 6, 13 और 20 नवंबर को रांची से शाम 6:25 बजे रवाना होगी. यह ट्रेन लोहरदगा, टोरी, डालटनगंज, सासाराम, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और वाराणसी स्टेशन होते हुए शनिवार सुबह 7:30 बजे प्रयागराज रामबाग पहुंचेगी. वापसी में ट्रेन संख्या 08640 प्रत्येक शनिवार को 7, 14 और 21 नवंबर को प्रयागराज रामबाग से सुबह 10:30 बजे रवाना होगी. यह वाराणसी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, सासाराम, डालटनगंज, टोरी और लोहरदगा स्टेशन होते हुए रविवार रात 12:15 बजे रांची पहुंचेगी. स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के दो, द्वितीय श्रेणी स्लीपर के 14, सामान्य श्रेणी के चार और एसएलआरडी के दो कोच समेत कुल 22 कोच होंगे.

रांची में निगम का नाम लिखकर नहीं चला सकेंगे निजी वाहन, पकड़े जाने पर होगी जब्ती

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। शहर में रांची नगर निगम का नाम लिखकर बिना रजिस्ट्रेशन के निजी वाहन चलाने वालों की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं. नगर निगम अब ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है. नगर आयुक्त ने इंफोर्समेंट अफसरों को निर्देश दिया है कि जिन ट्रैक्टर, वाटर टैंकर और सेप्टिक टैंक वाहनों पर रांची नगर निगम लिखा हुआ है, लेकिन उनका निगम में रजिस्ट्रेशन नहीं है, उन्हें जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की जाये. दरअसल, सोमवार देर रात रातू रोड स्थित कब्रिस्तान के समीप खुले स्थान पर सेप्टिक टैंक की गंदगी बहाने का मामला सामने आया था. जिस वाहन से गंदगी बहायी जा रही थी, उस पर रांची नगर निगम लिखा हुआ था. निगम की टीम ने मौके पर वाहन को जब्त कर जांच की, तो पता चला कि उसका नगर निगम में रजिस्ट्रेशन ही नहीं है. इसके बावजूद वाहन पर निगम का नाम लिखा हुआ था. इस घटना के बाद नगर निगम ने ऐसे वाहनों की पहचान कर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है.

शहरवासियों को सेप्टिक टैंक की सफाई में परेशानी न हो, इसके लिए रांची नगर निगम निजी एजेंसियों और व्यक्तियों को भी वाहन चलाने की अनुमति देता है. हालांकि, इसके लिए संबंधित वाहन का नगर निगम में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है. निगम से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में केवल 17 वाहनों का ही रजिस्ट्रेशन है, जबकि शहर में 100 से अधिक ऐसे वाहन चल रहे हैं. निगम की जांच में यह भी सामने आया है कि कई ट्रैक्टर पहले रांची नगर निगम के नियंत्रण में रहकर कूड़ा उठाने का काम करते थे. उस समय इन वाहनों पर रांची नगर निगम लिखा हुआ था. बाद में इन वाहनों से कूड़ा उठाने का काम बंद हो गया और वे निजी काम में इस्तेमाल होने लगे. इसके बावजूद वाहन मालिकों ने उन पर लिखा निगम का नाम नहीं हटाया. अब नगर निगम ऐसे वाहनों को चिह्नित कर कार्रवाई करेगा.

निगम के नाम का इस्तेमाल करने वालों पर कसेगा शिकंजा

नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम का नाम लिखकर बिना रजिस्ट्रेशन वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी जायेगी. इंफोर्समेंट टीम को ऐसे वाहनों की जांच करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है. निगम की इस कार्रवाई से शहर में अवैध रूप से चल रहे सेप्टिक टैंक, वाटर टैंकर और ट्रैक्टर वाहनों पर शिकंजा कसने की तैयारी है.

रांची के विकास मेले में दिखी महिला आत्मनिर्भरता की तस्वीर, देशज उत्पादों को मिल रहा बढ़ावा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। संत अन्ना धर्मसंघ के पुरुलिया रोड स्थित मूलमठ में बुधवार से दो दिवसीय विकास मेला की शुरूआत हुई. मेले में देशज उत्पादों और हर्बल औषधियों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. इस आयोजन के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, स्वावलंबन और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया जा रहा है. यह विकास मेला संत अन्ना धर्मसंघ की संस्थापिका माता मेरी बेनादित और उनकी तीन सहायिकाओं माता सिसिलिया, माता वेरोनिका एवं माता मेरी की हड़गड़ी की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया है. मेले का उद्घाटन संत अन्ना धर्मसंघ की सुपीरियर जनरल सिस्टर लिंडा मेरी वॉन और सोसायटी ऑफ जीसस के प्रोविंशियल फादर फ्रांसिस मिंज ने संयुक्त रूप से किया. मुख्य अतिथि एवं धर्मसंघ की सुपीरियर जनरल सिस्टर लिंडा मेरी वॉन ने कहा कि यह उनके धर्मसंघ के लिए विशेष अवसर है. संस्थापिका और उनकी सहयोगी बहनों की हड़गड़ी की वर्षगांठ पर आयोजित यह विकास मेला धर्मसंघ की एकता, प्रेम, समर्पण और सेवा की भावना को दशार्ता है. उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन आपसी सहयोग और सेवा के मूल्यों को आगे बढ़ाते हैं.

महिलाओं के स्वावलंबन से रुकेगा पलायन : फादर फ्रांसिस मिंज

सोसायटी ऑफ जीसस के प्रोविंशियल फादर फ्रांसिस मिंज ने कहा कि यह आयोजन महिला सशक्तीकरण और स्वावलंबन का संदेश दे रहा है. मेले में देशज उत्पादों और हर्बल औषधियों की उपलब्धता सराहनीय है. इन उत्पादों को व्यावसायिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा की भावना से लोगों तक पहुंचाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने से पलायन पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी. इससे पूर्व फादर पीटर महेंद्र शहदेव प्रजापति ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों को आशीष दी. मौके पर प्रथम सलाहकारिणी सिस्टर निर्मला ज्योति कच्छप, सिस्टर सलोमी खेस, सिस्टर सिसिलिया बाड़ा समेत धर्मसंघ की अन्य धर्मबहनें उपस्थित थीं.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू और पार्टी के नेता



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात की. इस दौरान मुख्यमंत्री एवं उनके बीच राज्य में विकास योजनाओं की प्रगति के अलावा प्रदेश में मौजूदा राजनीतिक परिस्थिति सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई. के राजू के साथ झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव एवं विधायक राजेश कच्छप भी उपस्थित रहे. कांग्रेस प्रभारी इन दिनों झारखंड दौर पर हैं. के राजू ने कहा है कि राज्य के विकास को लेकर सीएम से सकारात्मक चर्चा हुई है. जनता के सवालों पर गठबंधन की सरकार गंभीर है.

झारखंड में फिर सक्रिय हुए नक्सली, जिलों के एसपी को निगरानी बढ़ाने का निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड में नक्सली एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं. प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन की ओर से नवंबर महीने में लगातार तीन सप्ताह तक अलग-अलग कार्यक्रम मनाये जाने की सूचना के बाद पुलिस मुख्यालय ने राज्यभर में अलर्ट जारी किया है. पुलिस महानिरीक्षक (अभियान), झारखंड की ओर से पांच नवंबर 2026 को जारी गोपनीय पत्र में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को विशेष सतर्कता बरतने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश दिया गया है. इसमें रांची, जमशेदपुर और धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षकों के अलावा झारखंड जगुआर और रेल पुलिस के अधिकारियों को भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है.

पुलिस मुख्यालय के पत्र के अनुसार, भाकपा माओवादी संगठन 8 से 15 नवंबर तक खूनी क्रांति सप्ताह मनाने की तैयारी में है. इसके बाद 16 से 22 नवंबर तक दमन विरोधी सप्ताह और 24 से 30 नवंबर तक शहीद सप्ताह मनाया जायेगा. पुलिस अधीक्षक (एसआइबी) विशेष शाखा, झारखंड के चार नवंबर को भेजे गये पत्र के संदर्भ में यह निर्देश जारी किया गया है.पत्र में कहा गया है कि माओवादी संगठन के लगातार आत्मसमर्पण, पुनर्वास और गिरफ्तारियों के कारण संगठन कमजोर हुआ है. इसके बावजूद इन विशेष सप्ताहों के दौरान किसी अप्रिय घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता. ऐसे में सभी जिलों में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने की जरूरत है.

पुलिस मुख्यालय ने आशंका जतायी है कि माओवादी संगठन सुरक्षा बलों के प्रतिष्ठानों के अलावा सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों को भी निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है. इनमें सरकारी कार्यालय, प्रखंड और अंचल कार्यालय, बैंक, वित्तीय संस्थान, वन विभाग के कार्यालय और अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठान शामिल हैं. इसके अलावा संचार सेवाओं से जुड़ी आधारभूत संरचनाओं और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बरतने को कहा गया है. पत्र में रेलवे परिसरों, सड़कों, पुल-पुलियों, हाट-बाजारों और सुरक्षा बलों से जुड़े प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है. पुलिस प्रशासन को किसी भी संभावित घटना से निपटने के लिए पहले से आवश्यक तैयारियां रखने को कहा गया है.

पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) ने निर्देश दिया है कि तीनों सप्ताह के दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों की नियमित ब्रीफिंग की जाये. सुरक्षा के लिए निर्धारित एसओपी का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाये. माओवादियों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाये और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाये जायें.पत्र में पूर्व की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि नक्सलियों ने छोटी-मोटी घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस बल को घटनास्थल पर बुलाने की कोशिश की है.

रिम्स-एमजीएम से होमगार्ड हटाने की तैयारी, जवानों ने सीएम से लगाई गुहार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। रिम्स और जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल से होमगार्ड जवानों को हटाने की कार्रवाई के विरोध में झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से हस्तक्षेप की गुहार लगाई है. एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दोनों सरकारी अस्पतालों से जवानों को हटाने की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है. साथ ही वर्ष 2021 में राज्य सरकार की ओर से होमगार्ड जवानों के हित में लिए गए निर्णय को पूरे राज्य में प्रभावी ढंग से लागू कराने का आग्रह किया है.एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि वर्ष 2021 में होमगार्ड जवानों के आंदोलन के बाद सरकार ने उनके रोजगार और आजीविका को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया था. गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से 12 अप्रैल 2021 और 27 अगस्त 2021 को जारी पत्रों के माध्यम से सरकारी विभागों एवं संस्थानों में सुरक्षा संबंधी कार्य होमगार्ड जवानों से लेने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की पहल की गई थी. इससे हजारों जवानों को सरकारी संस्थानों में रोजगार मिलने की उम्मीद जगी थी, लेकिन अब रिम्स और एमजीएम अस्पताल से होमगार्ड जवानों को हटाने की कार्रवाई से उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है. एसोसिएशन का कहना है कि इन अस्पतालों में जवान लंबे समय से सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. उन्हें हटाने का फैसला न केवल उनके रोजगार को प्रभावित करेगा, बल्कि उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति पर भी सीधा असर डालेगा.

सरकारी आदेश के अनुपालन पर उठाया सवाल

एसोसिएशन ने पत्र में सवाल उठाया है कि जब सरकार ने खुद सरकारी संस्थानों में सुरक्षा कार्य होमगार्ड जवानों से लेने की पहल की थी, तो फिर अब उन्हें सरकारी अस्पतालों से हटाने की कार्रवाई क्यों की जा रही है. एसोसिएशन का कहना है कि बड़ी संख्या में होमगार्ड जवान ग्रामीण, आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं. उनके परिवारों का खर्च, बच्चों की पढ़ाई और इलाज ड्यूटी से मिलने वाले मानदेय पर निर्भर है.

निजी सुरक्षा एजेंसियों की जगह होमगार्ड की तैनाती की मांग

एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि राज्य के सभी सरकारी विभागों और संस्थानों में सुरक्षा कार्यों के लिए निजी सुरक्षा एजेंसियों की जगह होमगार्ड जवानों की तैनाती की जाए. जिन जिलों में जवान ड्यूटी से वंचित हैं, उन्हें भी सरकारी संस्थानों में उपलब्ध सुरक्षा कार्यों के अनुरूप ड्यूटी दी जाए. इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग और गृह विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की गई है.

विरोध नहीं, रोजी रोजगार का सवाल

प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी ने बताया कि एसोसिएशन किसी विभाग या मंत्री का विरोध नहीं कर रहा है. उनकी मांग केवल इतनी है कि सरकार के पूर्व के निर्णयों की भावना का सम्मान हो और जवानों की आजीविका पर संकट नहीं आने दिया जाए. पत्र की प्रतिलिपि स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग के प्रधान सचिव और गृह रक्षा वाहिनी के महानिदेशक को भी भेजी गई है.

हेसाग में संत चार्ल्स बोरोमियो का पर्व, आर्चबिशप बोले- अच्छे चरवाहे में प्रेम, त्याग और सेवा जरूरी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। हेसाग स्थित संत चार्ल्स सिस्टर्स बोरोमियो विद्यालय में बुधवार को संरक्षक संत चार्ल्स बोरोमियो का पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के आर्चबिशप विंसेंट आईंद ने पवित्र मिस्सा बलिदान अर्पित किया. आर्चबिशप विंसेंट आईंद ने अपने संदेश में एक अच्छे चरवाहे के गुणों पर विशेष जोर दिया. उन्होंने कहा कि एक सच्चा चरवाहा प्रेम, करुणा, त्याग और सेवा की भावना से परिपूर्ण होता है. वह केवल लोगों का नेतृत्व नहीं करता, बल्कि उनकी कठिनाइयों और आवश्यकताओं को समझते हुए उनके सुख-दुख में सहभागी भी बनता है. उन्होंने कहा कि अच्छे चरवाहे की पहचान उसके पद या अधिकार से नहीं, बल्कि सेवाभाव, समर्पण और दूसरों के प्रति चिंता से होती है. संत चार्ल्स बोरोमियो का जीवन सेवा, अनुशासन, विनम्रता और कलीसिया के प्रति पूर्ण समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है. आर्चबिशप ने कहा कि संत चार्ल्स बोरोमियो ने अपने जीवन में लोगों की आध्यात्मिक उन्नति और कल्याण को प्राथमिकता दी. उन्होंने धर्मबहनों से संत के जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपनी बुलाहट और सेवाकार्य में अच्छे चरवाहे के गुणों को आत्मसात करने का आह्वान किया. मिस्सा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. संत चार्ल्स बोरोमियो विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया. कार्यक्रम में हेसाग पल्ली के फादर अमृत मिंज, फादर अभय मिंज, विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर बिनुथ, सिस्टर मेरी कुट्टी जैकब, आर्चबिशप के सचिव फादर असीम मिंज सहित अन्य उपस्थित थे.

प्रसाशनिक सील के बावजूद पुनः चल रहे थे ईंट भट्टे, प्रशासन ने चलाया कानूनी हंटर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

टास्क फोर्स की टीम ने 30,000 निर्मित ईंटो को ट्रैक्टर चलाकर किया ध्वस्त



बरहरवा/साहिबगंज। सरकारी आदेशों को ठेंगे पर रखना ईंट भट्टों के संचालको को उस वक्त बेहद भारी पड़ गया, जब जिला खनन टास्क फोर्स ने औचक छापेमारी कर उसकी हजारों निर्मित कच्ची ईंटों को प्रसाशनिक कार्यवाहीं के बाद मिट्टी में मिला दिया। यह कार्रवाई साहिबगंज उपायुक्त (डीसी) के कड़े निदेर्शों के बाद बरहरवा प्रखंड क्षेत्र में की गई है। प्रशासन के इस ताबड़तोड़ एक्शन से पूरे इलाके के भट्ठा माफियाओं और संचालकों में हड़कंप मच गया है। दस्तावेजों के अभाव में सील किये गए थे भट्टे,नियमों को तोड़ी तो प्रशासन ने सिखाया सबक मामला बरहरवा प्रखंड के मेंहदीडांगा का है। दरअसल, बीते 3 नवंबर को नियमों की अनदेखी करने के आरोप में माइनिंग इंस्पेक्टर ने यहाँ के 'शांति ईंट भट्ठा' समेत तीन भट्ठों को सील कर दिया था। लेकिन प्रशासनिक आदेशों की परवाह न करते हुए शांति ईंट भट्ठा संचालक ने दोबारा चोरी-छिपे ईंटों का निर्माण और कटाई शुरू करवा दी। जैसे ही इसकी भनक अधिकारियों को लगी, गुरुवार को जिला खनन टास्क फोर्स की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ अचानक वहाँ धावा बोल दिया। मौके पर काम चलता देख अधिकारी भड़क गए और तुरंत ट्रैक्टर मंगवाकर वहाँ रखी करीब 30 हजार कच्ची ईंटों को पूरी तरह रौंदकर नष्ट करवा दिया।

एक दर्जन से अधिक भट्ठों पर एक साथ छापेमारी

माइनिंग और प्रशासनिक अमले की इस संयुक्त कार्रवाई के दायरे में बरहरवा के कई इलाके आए। टास्क फोर्स ने सिरासिन, मेंहदीडांगा, लालमाटी और फुटानी मोड़ जैसे क्षेत्रों में चल रहे लगभग एक दर्जन ईंट भट्ठों की सघन जांच की। इनमें मुख्य रूप से:

- जय जवान ईंट भट्ठा
- सहारा वन और जय किशन
- नसीब और जय भारत
- गोल्डन, भारत और शांति ईंट भट्ठा

जांच के दौरान अधिकारियों ने इन सभी संचालकों के कागजात और माइनिंग चालान खंगाले।

'बिना CTO (सहमति पत्र) के नहीं चलेगी एक भी भट्टी'

इस बड़ी कार्रवाई को लेकर जिला खनन पदाधिकारी (DMO) कृष्ण कुमार किस्कू ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में केवल उन्हीं ईंट भट्ठों को चलने दिया जाएगा जिनके पास प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का 'कंसेंट टू ऑपरेट' (CTO) और माइनिंग के सभी वैध दस्तावेज होंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और आगे इससे भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई में शामिल प्रमुख अधिकारी:

इस हाई-प्रोफाइल छापेमारी के दौरान जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू के साथ राजमहल के एसडीओ सदानंद महतो, बरहरवा के अंचलाधिकारी (CO) अनोज कुमार, माइंस इंस्पेक्टर राजेश कुमार और बरहरवा थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे।

तीनपहाड़ थाना में सड़क सुरक्षा को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण, iRAD U e-DAR पोर्टल के उपयोग की दी गई जानकारी



तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ थाना परिसर में गुरुवार को सड़क सुरक्षा और दुर्घटना से जुड़े मामलों के बेहतर प्रबंधन को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पुलिस पदाधिकारियों को सड़क हादसों का विवरण ऑनलाइन दर्ज करने, दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने और मुआवजा प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए iRAD EUÔ e-DAR पोर्टल के उपयोग की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि दुर्घटना से संबंधित सभी जरूरी जानकारियां पोर्टल पर निर्धारित समय के भीतर दर्ज करना आवश्यक है। इससे मामलों की निगरानी, दस्तावेजी प्रक्रिया और पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में सहूलियत होगी। वहीं, शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पहचान के लिए ब्रेथ एनालाइजर से जांच करने तथा हिट एंड रन दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों के प्रबंधन की प्रक्रिया भी समझाई गई।कार्यक्रम में सड़क दुर्घटना के दौरान घायलों की मदद करने वाले नेक नागरिकों (गुड सेमेरिटन) को मिलने वाले कानूनी संरक्षण की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले लोगों को अनावश्यक कानूनी परेशानियों से सुरक्षा देने के प्रावधान हैं।इस दौरान थाना प्रभारी गौरव भगत, एसआई नारद गेहलोत, एसआई शाहिद, एएसआई ललन रजवार, राजेश कुमार और (एनआईसी) के iRAD/e-DAR प्रबंधक मनोज कुमार मौजूद थे।

मॉडल कॉलेज राजमहल में ECINET ऐप को लेकर चला विशेष जागरूकता अभियान

झारखंड उजाला संवाददाता



तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ मुंडली स्थित मॉडल कॉलेज, राजमहल में गुरुवार को निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित ECINET ऐप डाउनलोड के तहत विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।अभियान में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग की डिजिटल पहल ECINET ऐप के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें मतदाता सूची, मतदाता पंजीकरण एवं निर्वाचन से संबंधित विभिन्न ऑनलाइन सुविधाओं की जानकारी प्रदान करना था।इस दौरान उपस्थित लोगों को अपने मोबाइल फोन में ECINET ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, ताकि वे निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारियां आसानी से प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की दोनों इकाइयों के स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। स्वयंसेवकों ने अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए छात्र-छात्राओं एवं अन्य लोगों को ऐप डाउनलोड करने तथा इसके उपयोग के प्रति जागरूक किया।इस अवसर पर एनएसएस इकाई-1 के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रमजान अली एवं इकाई-2 के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार सहित महाविद्यालय के कर्मी श्री सुमित साहा, श्री प्रकाश महतो, श्री बबलू हेंब्रम एवं श्री कर्म महतो उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मेरी मुर्मू, नवीन सिंह एवं श्रीमती ऋतु कुमारी का विशेष योगदान रहा।

दीपावली,काली पूजा एवं छठ पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर तीनपहाड़ थाना परिसर में आज होगी शांति समिति की बैठक आयोजित



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज। आगामी दीपावली,काली पूजा और लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर शुक्रवार कि सुबह 11.00 बजे तीनपहाड़ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक रखी गई है।जिसको लेकर तीनपहाड़ थाना प्रभारी गौरव भगत ने सूचना देते हुए क्षेत्र के सभी प्रबुद्ध नागरिकों,जनप्रतिनिधियों,गणमान्य व्यक्तियों और शांति समिति के सदस्यों को बैठक में उपस्थित होने का सादर आमंत्रण दिया है।इसके साथ ही क्षेत्र की विभिन्न पूजा कमिटियों एवं प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी पत्रकारों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

दीपावली, काली पूजा और छठ पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक, डीजे बजाने पर रहेगा प्रतिबंध



राजमहल/साहिबगंज। आगामी दीपावली, काली पूजा एवं छठ पर्व को लेकर गुरुवार को राजमहल थाना में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो सदर ने की। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि सभी लोग शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाएं तथा एक-दूसरे को सहयोग करें। शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीडीओ ने कहा कि पूर्व की तरह इस बार भी लोग आपसी भाईचारा बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। पर्व के दौरान सभी प्रमुख स्थानों पर दंडाधिकारी और सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी। जगह-जगह सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। पूजा पंडालों में अग्निशमन व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। सीडीओ ने स्पष्ट किया कि डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर लाउडस्पीकर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी और डीजे जब्त किया जा सकता है। ध्वनि की तीव्रता 90 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिए। शराब पीकर उपद्रव करने वालों के खिलाफ भी प्रशासन सख्ती से कार्रवाई करेगा।मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद यूसुफ, इंस्पेक्टर राजीव रंजन, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, समाजसेवी सहित गणमान्य लोग एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

मिजाचौकी थाना परिसर में दीपावली एवं काली पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक



झारखंड उजाला संवाददाता

मंडरो/साहिबगंज। दीपावली एवं काली पूजा के शुभ अवसर पर गुरुवार को मिजाचौकी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ सुशील कुमार ने की। बैठक में क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, विधि-व्यवस्था एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि काली पूजा का आयोजन 8 नवंबर से 10 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं से पर्व को हर्षोल्लास, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि दीपावली एवं काली पूजा जैसे धार्मिक त्योहार हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। ऐसे अवसरों पर सभी समुदायों के लोगों को आपसी भाईचारा एवं सद्भाव बनाए रखते हुए त्योहार मनाना चाहिए। उन्होंने पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की।

छठ महापर्व को लेकर तीनपहाड़ में तैयारियां तेज, बाबूपुर और रामपुरा घाट पर हो रही भव्य तैयारी

झारखंड उजाला संवाददाता



तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ क्षेत्र के आस-पास छठ पर्व मनाने को लेकर छठ घाटों की साफ-सफाई शुरू हो चुकी है। इस दौरान रामपुरा घाट एवं सार्वजनिक छठ पूजा समिति बाबूपुर एवं महतो परिवार के नेतृत्व में इस बार भी छठ घाट की भव्य सजावट की तैयारी की जा रही है।बाबूपुर छठ घाट में हर साल सैकड़ों घरों के लोग छठ व्रत करते हैं। छठ व्रतियों की संख्या इतनी अधिक है कि घाट पर सुबह और शाम के अर्घ्य के समय हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है। इसी को देखते हुए समिति ने इस बार और भी भव्य आयोजन की तैयारी की है।कमेटी के सदस्यों ने बताया कि छठ घाट से लेकर पूरे बाबूपुर गांव तक के रास्ते को फूलों और लाइटों से सजाया जाएगा। दूर-दराज से आने वाले लोग भी इस सजावट को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। सार्वजनिक छठ पूजा समिति बाबूपुर एवं महतो परिवार ने बताया कि छठ पूजा में सभी लोग एक साथ मिलकर घाट की सफाई करते हैं, रास्ते को सजाते हैं और व्रतियों की सेवा में लग जाते हैं। बाबूपुर का छठ घाट आसपास के गांवों में सजावट के लिए प्रसिद्ध है।वहीं रामपुरा घाट को भी इस बार सजाया जाएगा और बहुत लोगों का छठ घाट इस बार रामपुरा घाट में बनाया जा रहा है। दुर्गा पूजा समिति तीनपहाड़ के सचिव सिद्धार्थ यादव बल्ला ने भी रामपुरा छठ घाट को जेसीबी के द्वारा साफ-सफाई का काम करवाया।सिद्धार्थ यादव बल्ला ने बताया कि इस साल आस्था का पर्व छठ पूजा मां की कृपा से रामपुरा घाट पर पहली बार करने का मन बनाया गया है, जो अच्छे ढंग से किया जाएगा।

साहिबगंज में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, नामचीन होटलों और मिठाई दुकानों से पनीर-मिठाई के 5 सैंपल संग्रहित



साहिबगंज। आगामी त्योहारों के मद्देनजर उपायुक्त के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा साहिबगंज के मुख्य बाजार में सघन औचक जांच अभियान चलाया गया। खाद्य पदार्थों की शुद्धता एवं गुणवत्ता मानकों की जांच के उद्देश्य से विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से पनीर और मिठाई के कुल 5 सैंपल एकत्रित किए।जांच अभियान के दायरे में गोकुल स्वीट्स एंड नमकीन, बादशाह स्वीट्स, कलिंगा इंटरनेशनल होटल, ग्रीन इन और तीज रेस्टोरेंट सहित शहर के प्रमुख प्रतिष्ठान शामिल रहे। एकत्रित किए गए सभी सैंपलों को गुणवत्ता एवं शुद्धता की जांच के लिए प्रयोगशाला (लैब) भेजा जा रहा है। इसके अलावा, जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन में कमी पाए जाने पर एक दुकानदार को विभाग की ओर से नोटिस भी जारी किया गया।इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सभी प्रतिष्ठान संचालकों को साफ-सफाई के निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन करने तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के नियमों के अनुरूप खाद्य पदार्थों की बिक्री सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जांच एवं कार्रवाई का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

देवघर एयरपोर्ट पर नई पार्किंग नीति लागू, ड्रॉप-ऑफ पूरी तरह मुफ्त

देवघर। देवघर हवाई अड्डे पर यात्रियों की सुविधा और परिसर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के उद्देश्य से नई पार्किंग नीति के तहत संशोधित दिशा-निर्देश लागू कर दिए गए हैं। नई व्यवस्था के अनुसार अब एयरपोर्ट पर यात्रियों को छोड़ने (ड्रॉप-ऑफ) के लिए किसी भी श्रेणी के वाहन से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालांकि, यात्रियों को लेने (पिक-अप) के लिए आने वाले वाणिज्यिक वाहनों को 80 शुल्क देना होगा। निजी वाहनों को पिक-अप शुल्क से पूरी तरह छूट दी गई है।नई नीति के तहत पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ लेन में वाहनों के रुकने की अधिकतम अवधि पांच मिनट निर्धारित की गई है। निर्धारित समय से अधिक वाहन खड़ा करने या लेन से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन चालकों को 500 रुपये तक का जुमार्ना भरना पड़ सकता है।वहीं, निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करने वाले वाहनों से उनकी श्रेणी और पार्किंग की अवधि के अनुसार स्वीकृत दरों पर शुल्क लिया जाएगा। पार्किंग के लिए निर्धारित सभी दरों में जीएसटी शामिल रहेगा।हवाई अड्डा प्रबंधन ने यात्रियों, वाहन चालकों और आम नागरिकों से नई पार्किंग व्यवस्था का पालन करने की अपील की है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ लेन में अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा करने से बचें और निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें।प्रबंधन के अनुसार, नई व्यवस्था का उद्देश्य एयरपोर्ट परिसर में अनावश्यक जाम को रोकना, यात्रियों के आवागमन को आसान बनाना और पार्किंग व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित करना है। इसके सफल क्रियान्वयन में आम नागरिकों एवं वाहन चालकों का सहयोग महत्वपूर्ण होगा।

दीपावली एवं छठ महापर्व को लेकर राधानगर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक आयोजित

झारखंड उजाला संवाददाता



उधवा/साहिबगंज । राधानगर थाना परिसर में दीपावली, काली पूजा एवं लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को राधानगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने की। बैठक में राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी, पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने कहा कि सभी पर्व-त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक हैं। सभी लोग एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाएं। उन्होंने पूजा समितियों एवं जनप्रतिनिधियों से प्रशासन के दिशा-निदेर्शों का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल प्रशासन को सूचना देने की अपील की। वहीं राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी ने कहा कि दीपावली, काली पूजा एवं छठ महापर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है। त्योहारों के दौरान पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने, सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक संदेश प्रसारित नहीं करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन ने कहा कि सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन के साथ आम नागरिकों का सहयोग भी बेहद जरूरी है। पूजा स्थलों एवं छठ घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में सभी लोग अपनी जिम्मेदारी निभाएं। थाना प्रभारी रोहित कुमार ने कहा कि राधानगर थाना क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी। पर्व के दौरान असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी। उन्होंने आम लोगों से किसी भी तरह की अफवाह या विवाद से बचने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। मौके पर सहायक अवर निरीक्षक शशिकांत यादव, सरफुद्दीन खान, विश्वजीत मंडल, निमाई सरकार, महबूब आलम, ऐनुल हक अंसारी, तमाल मंडल, जैनुल आब्दीन शेख, बबलू मुर्मू, फिरोज शेख,सुनील प्रमाणिक ,सिद्धांत सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ट्री मैन के पर्यावरण संरक्षण अभियान की प्रशंसा की

विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर व पार्क देखने की जताई इच्छा

संवाददाता अजीत कुमार सिंह



मेदिनीनगरः मेदिनीनगर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा बुधवार को पर्यावरणविद् डॉ कौशल किशोर जायसवाल के आवास पर्यावरण भवन पहुंचे। उन्होंने परिवार के नवजात सदस्य जायसवाल अद्विक प्रताप देव को आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने डॉ कौशल किशोर जायसवाल और उनके परिवार से मुलाकात कर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। अर्जुन मुंडा ने कहा कि डॉ कौशल किशोर जायसवाल का पर्यावरण के प्रति समर्पण और उनका प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कम उम्र में जंगल बचाओ अभियान शुरू कर प्रकृति संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल की है। उन्होंने कहा कि जब पूरा परिवार पर्यावरण संरक्षण को अपना दायित्व मानकर काम करता है, तो समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। जायसवाल परिवार ने पौधरोपण, जंगल संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता के माध्यम से मिसाल कायम की है। इस दौरान अर्जुन मुंडा ने डाली पंचायत में स्वर्गीय मोहनलाल खुर्जा एवं पार्वती देवी की स्मृति में बने पार्क का भी जिक्र किया। उन्होंने कौशल नगर, डाली स्थित विश्व के पहले पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर व पार्क को देखने अगले बार पलामू आएंगे तो देखने जाएंगे की इच्छा जताई। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री को पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल ने प्राइड ऑफ इंडिया अवार्ड, स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और थाईलैंड के आम का पौधा भेंटकर सम्मानित किया। वहीं पार्क के अध्यक्ष अरुण कुमार जायसवाल ने मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने छतरपुर पूर्वी के जिला परिषद सदस्य अमित जायसवाल को झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स का प्रमंडलीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी। उन्होंने इसे पूरे पलामू के युवाओं के लिए गौरव की बात बताया। अमित जायसवाल को भी माला और शॉल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, भोला पांडेय सहित कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और ग्रामीण उपस्थित थे।

युवती की मौत मामले में पिता और सौतेली मां गिरफ्तार, आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हुसैनाबाद,पलामूः हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के मोहम्मदाबाद गांव में 20 वर्षीय युवती अफसाना परवीन की मौत के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला ने बताया कि 4 नवंबर 2026 को मृतका की बहन अजमेरी बीबी ने थाने में लिखित आवेदन दिया था। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि मृतका के पिता रऊफ अंसारी एवं सौतेली माता जूही परवीन द्वारा मृतका के साथ लगातार मारपीट एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। 3 नवंबर को करीब 11 बजे मृतका ने अपनी बहन को फोन पर अपने साथ हो रही मारपीट व प्रताड़ना की जानकारी दी थी। इस आधार पर हुसैनाबाद थाना कांड संख्या 223/26, धारा 108/35(3) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान किया गया। अनुसंधान के क्रम में त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड में नामजद दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।
गिरफ्तार अभियुक्तों में रफूक अंसारी (50), पिता- रमजान मियां, ग्राम मोहम्मदाबाद, थाना हुसैनाबाद और जूही परवीन (35), पति- रऊफ अंसारी, ग्राम मोहम्मदाबाद, थाना हुसैनाबाद शामिल हैं। पुलिस मामले में अन्य आवश्यक साक्ष्यों का संकलन एवं अनुसंधान की कार्रवाई कर रही है। प्रेस कांफ्रेंस में थाना प्रभारी चंदन कुमार समेत कई पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

ईसीआई नेट ऐप के प्रचार को लेकर सोशल मीडिया पर चला एक घंटे का महाअभियान



लोहरदगाः मतदाता जागरूकता और निर्वाचन संबंधी डिजिटल सेवाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर गुरुवार को जिले में एक घंटे का सोशल मीडिया महाअभियान चलाया गया। #DownloadECINet हैशटैग के तहत आयोजित इस अभियान में जिले के दर्जनों शिक्षण संस्थानों के हजारों छात्र-छात्राओं और युवाओं ने भाग लिया।अभियान के दौरान लोगों ने भारत निर्वाचन आयोग का ईसीआई नेट मोबाइल ऐप डाउनलोड किया और स्क्रीनशॉट व तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। छात्राओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड ने सराहना की। वहीं, उसुर्लाइन महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम की पोस्ट भारत निर्वाचन आयोग ने भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर साझा की।जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना के निर्देश पर जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में यह अभियान चलाया गया। इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार ने उसुलाइन महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लिया। अभियान का उद्देश्य युवाओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ना और डिजिटल माध्यमों के प्रति जागरूक करना था।

पेशरार जनता दरबार में ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ



लोहरदगाः पेशरार प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने जनता दरबार लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सड़क, पुल, बिजली, पेंशन, आवास, आपदा मुआवजा, सिंचाई, केसीसी, मनरेगा जॉब कार्ड और वन पट्टा सहित विभिन्न मामलों को लेकर ग्रामीणों ने आवेदन सौंपे। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दरबार में कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। 31 लाभुकों को सर्वजन पेंशन का स्वीकृति पत्र दिया गया, जबकि पांच अन्य लाभुकों की पेंशन स्वीकृत की गई। दो दिव्यांग बच्चों को दिव्यांग पेंशन की मंजूरी मिली। दो किसानों को केसीसी और तीन किसानों को मिश्रित बागवानी योजना का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। तीन किसानों के बीच चना बीज का वितरण भी किया गया। इसके अलावा कृषि विभाग ने प्रदर्शन के लिए 64 किलोग्राम चना बीज वितरित किया। अबुआ आवास योजना के तहत तीन लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। एक लाभुक को व्यक्तिगत और तीन लाभुकों कोसामुदायिक वन पट्टा दिया गया। वहीं, तीन छात्राओं को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य प्रशासन को ग्रामीणों तक पहुंचाकर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर डीडीसी राज महेश्वरम, आईटीडीए निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, बीडीओ अजय कुमार, सीओ पंकज कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

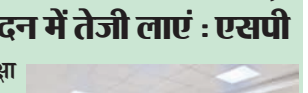
समाहरणालय मैदान में दीपावली मेला शुरू



लोहरदगाः समाहरणालय मैदान में गुरुवार को उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने दीपावली मेला-2026 का शुभारंभ किया। चार दिवसीय यह मेला 5 से 8 नवंबर तक चलेगा। मेले में स्थानीय कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है। मेले में मिट्टी के दीये, खिलौने, मूर्तियां, सजावटी सामान, घरौंदे, करंज तेल, करंज मधु, बांस से बने उत्पाद और जूट के थैले आकर्षण का केंद्र हैं। इसके अलावा स्थानीय व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि मेले का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और स्वयं सहायता समूहों को बाजार उपलब्ध कराना है। इससे उनकी आय और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही पारंपरिक कला एवं हस्तशिल्प को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने जिलेवासियों से मेले में पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करने और कारीगरों का उत्साह बढ़ाने की अपील की। मौके पर डीडीसी राज महेश्वरम, आईटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अपराध नियंत्रण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, लंबित कांडों के निष्पादन में तेजी लाएं : एसपी

दीपावली और छठ पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश, आगामी अपराध गोष्ठी में होगी बिंदुवार समीक्षा



पलामूः अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन और आगामी दीपावली एवं छठ महापर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को पुलिस अधीक्षक, पलामू की अध्यक्षता में ब्लॉक-बी स्थित सभागार में अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी एवं शाखा प्रभारी उपस्थित रहे गोष्ठी में एसपी ने अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी और प्रभावी गश्ती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने तथा शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध नियमानुसार निरोधात्मक कार्रवाई करने को कहा।वर्ष 2026 से पूर्व के लंबित कांडों, विशेषकर हत्या, लूट, डकैती, महिला उत्पीड़न और एनडीपीएस से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन करने पर जोर दिया गया। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा वारंट, इश्तेहार और कुर्की से संबंधित मामलों में कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया गया।एसपी ने अनुसंधान में वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के संकलन, समय पर आरोप-पत्र समर्पित करने और न्यायालय में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही जन शिकायतों का निष्पक्ष एवं त्वरित निष्पादन तथा आम नागरिकों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने की हिदायत दी।दीपावली पर बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी, जबकि छठ घाटों पर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी नजर रखने को कहा गया।एसपी ने स्पष्ट किया कि निदेर्शों के अनुपालन में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। आगामी अपराध गोष्ठी में प्रत्येक बिंदु की समीक्षा कर जवाबदेही तय की जाएगी।

अपराध नियंत्रण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, लंबित कांडों के निष्पादन में तेजी लाएं : एसपी

दीपावली और छठ पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश, आगामी अपराध गोष्ठी में होगी बिंदुवार समीक्षा

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



पलामूः अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन और आगामी दीपावली एवं छठ महापर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को पुलिस अधीक्षक, पलामू की अध्यक्षता में ब्लॉक-बी स्थित सभागार में अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी एवं शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। गोष्ठी में एसपी ने अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी और प्रभावी गश्ती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने तथा शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध नियमानुसार निरोधात्मक कार्रवाई करने को कहा। वर्ष 2026 से पूर्व के लंबित कांडों, विशेषकर हत्या, लूट, डकैती, महिला उत्पीड़न और एनडीपीएस से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन करने पर जोर दिया गया। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा वारंट, इश्तेहार और कुर्की से संबंधित मामलों में कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया गया।एसपी ने अनुसंधान में वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के संकलन, समय पर आरोप-पत्र समर्पित करने और न्यायालय में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही जन शिकायतों का निष्पक्ष एवं त्वरित निष्पादन तथा आम नागरिकों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने की हिदायत दी। दीपावली पर बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी, जबकि छठ घाटों पर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी नजर रखने को कहा गया।एसपी ने स्पष्ट किया कि निदेर्शों के अनुपालन में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। आगामी अपराध गोष्ठी में प्रत्येक बिंदु की समीक्षा कर जवाबदेही तय की जाएगी।

फुटबॉल टूर्नामेंट में टोप्पो ब्रदर्स कुज्जी की टीम बनी विजेता

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



लोहरदगाः कुडू प्रखंड के उडूमुडू गांव स्थित पतरा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का बुधवार को उत्साहपूर्ण समापन हुआ। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रदर्शन कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। फाइनल मुकाबले के बाद टोप्पो ब्रदर्स, कुज्जी की टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि बॉल्स ऑफ फायर, जोंजरो की टीम उपविजेता रही। दोनों टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि कांग्रेस प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, विशिष्ट अतिथि कुडू थाना प्रभारी नीरज झा एवं जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उरांव उपस्थित थे। मौके पर नेसार अहमद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित खेल प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने का बेहतर मंच हैं। खेल से अनुशासन, एकता, भाईचारे और आत्म विश्वास की भावना मजबूत होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर मेहनत कर गांव और जिले का नाम रोशन करने की अपील की।मौके पर उडूमुडू पंचायत की मुखिया ललिता उरांव, हफीजुल अंसारी, हाशिम अंसारी, रुस्तम अंसारी, गुफरान अंसारी, सुल्तान अंसारी, अफरोज अंसारी, मजीद अंसारी, मुर्शिद अंसारी, नसीम अंसारी, मोसिब अंसारी, हकीब अंसारी, आराफत अंसारी, मंजूर अंसारी समेत सैकड़ों ग्रामीण एवं खेल प्रेमी मौजूद थे।

अवैध खनन पर प्रशासन की कार्रवाई, दो वाहन खनिज समेत जब्त

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

गोला और बरलंगा क्षेत्र में जांच अभियान, ग्रामीणों ने पूरे प्रखंड में अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने की उठाई मांग

रामगढ़/गोला। रामगढ़ जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने को लेकर जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर गुरुवार को गोला थाना क्षेत्र में खनिज लदे वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान बिना परिवहन चालान के स्टोन चिप्स ले जा रहे एक वाहन (JH01Q 6952) को सरगडीह के समीप पकड़ा गया। वाहन पर करीब 200 घनफीट स्टोन चिप्स लदा था। वहीं बरलंगा थाना परिसर में रखे जॉन डियर ट्रैक्टर पर लदे लगभग 100 घनफीट बालू का भी वैध चालान नहीं मिलने पर उसे जब्त किया गया। दोनों वाहनों को खनिज समेत बरलंगा थाना के सुपुर्द कर दिया गया।

गोला में अवैध कारोबार पर रोक लगाने की मांग

प्रशासन की इस कार्रवाई के बीच ग्रामीणों का कहना है कि गोला प्रखंड क्षेत्र में अवैध बालू और पत्थर का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। दिन-रात खनिजों का अवैध उठाव और परिवहन होने से सरकारी राजस्व को लाखों-करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब गोला और बरलंगा क्षेत्र में कार्रवाई हो रही है, तो गोला के अन्य इलाकों में जारी अवैध खनन पर प्रभावी निगरानी क्यों नहीं हो रही है। उन्होंने प्रशासन से नियमित छापेमारी, परिवहन मार्गों की निगरानी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि प्राकृतिक संसाधनों की लूट पर रोक लगे और सरकारी राजस्व की रक्षा हो सके।

पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल के आवास पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, परिवार के प्रयासों को सराहा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

ट्री मैन के पर्यावरण संरक्षण अभियान की प्रशंसा की, विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर व पार्क देखने की जताई इच्छा



– मेदिनीनगर, / पलामू।।
झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा बुधवार को पर्यावरणविद् डॉ कौशल किशोर जायसवाल के आवास पर्यावरण भवन पहुंचे। उन्होंने परिवार के नवजात सदस्य जायसवाल अद्विक प्रताप देव को आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने डॉ कौशल किशोर जायसवाल और उनके परिवार से मुलाकात कर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। अर्जुन मुंडा ने कहा कि डॉ कौशल किशोर जायसवाल का पर्यावरण के प्रति समर्पण और उनका प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कम उम्र में जंगल बचाओ अभियान शुरू कर प्रकृति संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल की है। उन्होंने कहा कि जब पूरा परिवार पर्यावरण संरक्षण को अपना दायित्व मानकर काम करता है, तो समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। जायसवाल परिवार ने पौधरोपण, जंगल संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता के माध्यम से मिसाल कायम की है। इस दौरान अर्जुन मुंडा ने डाली पंचायत में स्वर्गीय मोहनलाल खुर्जा एवं पार्वती देवी की स्मृति में बने पार्क का भी जिक्र किया। उन्होंने कौशल नगर, डाली स्थित विश्व के पहले पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर व पार्क को देखने अगले बार पलामू आएंगे तो देखने जाएंगे की इच्छा जताई। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री को पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल ने प्राइड ऑफ इंडिया अवार्ड, स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और थाईलैंड के आम का पौधा भेंटकर सम्मानित किया। वहीं पार्क के अध्यक्ष अरुण कुमार जायसवाल ने मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने छतरपुर पूर्वी के जिला परिषद सदस्य अमित जायसवाल को झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स का प्रमंडलीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी। उन्होंने इसे पूरे पलामू के युवाओं के लिए गौरव की बात बताया। अमित जायसवाल को भी माला और शॉल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, भोला पांडेय सहित कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और ग्रामीण उपस्थित थे।

दूसरी शादी से नाराज पत्नी ने रची साजिश, गोली मारकर हत्या करने वाले शूटर समेत चारों आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

डेढ़ लाख की सुपारी देकर पति की हत्या, पत्नी समेत चार गिरफ्तार



डालटनगंजः पलामू जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के बेदानीखुर्द गांव में 21 अक्टूबर को हुई तुलेश्वर महतो (45) की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पत्नी उर्मिला देवी ने डेढ़ लाख रुपये की सुपारी देकर अपने पति की हत्या कराई थी। मामले में पत्नी समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त देशी कट्टा, गोली, दो मोटरसाइकिल और सभी आरोपितों के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 21 अक्टूबर को तुलेश्वर महतो को घर से बाहर बुलाकर अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक के भाई मुरारी महतो के बयान पर तरहसी थाना में कांड संख्या 114/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लेस्लीगंज एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम ने अनुसंधान के दौरान मृतक के साढ़ू शैलेश महतो और उसके पुत्र राहुल कुमार से पूछताछ की। पूछताछ में राहुल ने बताया कि तुलेश्वर ने अपनी पहली पत्नी उर्मिला को छोड़कर दूसरी शादी कर ली थी। इसी बात से नाराज उर्मिला ने हत्या की साजिश रची।

राहुल के अनुसार, उसने मौसी के कहने पर डेढ़ लाख रुपये देकर अपने ट्रक चालक साथी शंकर यादव से संपर्क किया। शंकर के माध्यम से मनिका थाना क्षेत्र के नरेश सिंह को सुपारी दी गई। नरेश ने तुलेश्वर की गोली मारकर हत्या कर दी।गिरफ्तार आरोपितों में उर्मिला देवी, राहुल कुमार, शंकर यादव और नरेश सिंह शामिल हैं। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त आर-15 मोटरसाइकिल, रेकी में इस्तेमाल पल्सर, एक देशी कट्टा, एक गोली और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। छापेमारी में लेस्लीगंज एसडीपीओ, पाटन पुलिस निरीक्षक और तरहसी थाना प्रभारी राजेश रंजन सहित पुलिस बल शामिल थे।

विधानसभा के दो सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

झारखंड उजाला



रांची। झारखंड विधानसभा सचिवालय में गुरुवार को विदाई समारोह आयोजित किया गया।इसके साथ ही विधानसभा सचिवालय में कार्यरत सहायक प्रशाखा पदाधिकारी पुष्पावती और दफ्तरी बसंत कुमार को उनकी सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गई। मौके पर दोनों कर्मियों को मान-पत्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया।सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके सुखमय भविष्य की कामना की। विदाई समारोह के इस अवसर पर विधानसभा सचिवालय के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार ने कहा कि दोनों कर्मियों ने अपने सेवाकाल के दौरान सौंपे गए दायित्वों का निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किया। अपनी कार्यकुशलता, सौहार्दपूर्ण व्यवहार और हंसमुख स्वभाव से उन्होंने सचिवालय के कर्मियों के बीच विशिष्ट पहचान बनाई। उन्होंने दोनों के स्वस्थ, दीर्घायु और सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद जीवन का नया अध्याय शुरू होता है।मौके पर बताया गया कि पुष्पावती ने 27 सितंबर 2007 को झारखंड विधानसभा सचिवालय में सहायक के पद पर योगदान दिया था। वहीं, बसंत कुमार ने 13 अक्टूबर 1998 को बिहार विधानसभा सचिवालय में अनुसेवक के पद पर नियुक्ति प्राप्त की थी। वे 31 अक्टूबर 2026 को सेवानिवृत्त हुए। विदाई समारोह कार्यक्रम में विधानसभा सचिवालय के पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

हजारीबाग की प्रसिद्ध झील में फ्लोटिंग डेक का भव्य उद्घाटन, पर्यटन को मिलेगा नया आकर्षण

झील की खूबसूरती के बीच तैरते डेक पर पर्यटकों को मिलेगी विशेष सुविधा, एक साथ 25 लोग कर सकेंगे सफर

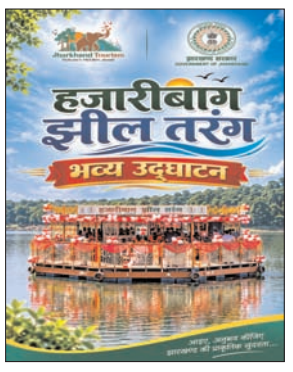
पर्यटन संवर्धन की दिशा में जिला प्रशासन की अनूठी पहल, फ्लोटिंग डेक को आकर्षक कलाकृतियों से सजाया गया

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो





हजारीबाग : जिले में पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देने एवं स्थानीय पर्यटन स्थलों को आकर्षक स्वरूप प्रदान करने की दिशा में जिला पर्यटन संवर्धन परिषद (जिला प्रशासन) की पहल पर हजारीबाग की सुविख्यात झील में नवनिर्मित फ्लोटिंग डेक का आज 5 नवंबर को भव्य उद्घाटन माननीय सांसद श्री मनीष जायसवाल द्वारा फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर माननीय सांसद श्री मनीष जायसवाल, माननीय विधायक सदर श्री प्रदीप प्रसाद, माननीय महापौर श्री अरविंद राणा, माननीय उप महापौर श्री अविनाश कुमार, उपायुक्त श्री हेमन्त सती, पुलिस अधीक्षक श्री अमन कुमार, नगर आयुक्त श्री ओम प्रकाश गुप्ता, डीएफओ श्री मौन प्रकाश एवं श्री सूरज कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री आदित्य पांडेय, प्रशिक्षु आईएएस सुश्री पूर्वा अग्रवाल, जिला योजना पदाधिकारी श्री पंकज कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रोहित कुमार सहित अन्य पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। झील के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच विकसित यह फ्लोटिंग डेक पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण केंद्र बनेगा। पर्यटन के दृष्टिकोण से तैयार इस तैरते डेक पर एक साथ अधिकतम 25 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही



पर्यटकों के लिए अल्पाहार की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिससे लोग झील के मनमोहक प्राकृतिक वातावरण के बीच सुकून के पल बिता सकेंगे। फ्लोटिंग डेक को खूबसूरत एवं आकर्षक कलाकृतियों से सजाया गया है, जो इसकी सुंदरता को और भी खास बनाती हैं। झील के पानी पर तैरते इस डेक से पर्यटकों को झील के सौंदर्य का एक अलग और यादगार अनुभव प्राप्त होगा। उद्घाटन के दौरान स्थानीय लोगों एवं आम नागरिकों में फ्लोटिंग डेक को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। लोग इस नई पर्यटन सुविधा का अनुभव लेने के लिए काफी उत्साहित नजर आए। जिला प्रशासन की इस पहल से हजारीबाग के पर्यटन को नई पहचान मिलने के साथ-साथ स्थानीय पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। यह पहल जिले को पर्यटन के मानचित्र पर और अधिक आकर्षक बनाने तथा आम नागरिकों को मनोरंजन एवं अवकाश के लिए एक बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

लिखित आश्वासन के बिना आंदोलन समाप्त नहीं होगा, तीसरे दिन भी अरूप चटर्जी की भूख हड़ताल जारी



धनबाद। शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ निरसा विधायक अरूप चटर्जी की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रही। भाकपा माले जिला कमेटी के आह्वान पर सैकड़ों कार्यकताओं ने मुख्य कार्यालय के मुख्य द्वार को करीब एक घंटे तक जाम कर जमकर नारेबाजी की।विधायक अरूप चटर्जी ने स्पष्ट कहा कि मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने तक भूख हड़ताल समाप्त नहीं होगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने अनशन समाप्त करने का आग्रह किया, लेकिन आंदोलनकारी लिखित समझौते की मांग पर अड़े रहे।आंदोलन को समर्थन देने विधायक एवं झारखंड सरकार के सचेतक मथुरा महतो तथा बगोदर के पूर्व विधायक विनोद सिंह भी धरना स्थल पहुंचे। मथुरा महतो ने अरूप चटर्जी से काफी देर तक वार्ता की। वहीं, अधिकारियों के साथ भी जनसमस्याओं और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर बातचीत हुई। भाकपा माले कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि जिला प्रशासन की ओर से पहल नहीं होने पर भाकपा माले जिला कमेटी ने 6 नवंबर को आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। इसके तहत सुबह 10:00 बजे मेंमको मोड़ से हजारों कार्यकर्ता जुलूस निकालकर उपायुक्त कार्यालय पहुंचेंगे और धरना देंगे। जुलूस का नेतृत्व सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, बगोदर के पूर्व विधायक विनोद सिंह और आरवाईए के राष्ट्रीय महासचिव नीरज करेंगे। जिला सचिव बिंदा पासवान ने सभी प्रखंड एवं नगर कमेटियों से कम से कम 100 कार्य कताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

दीपावली की खरीदारी के बीच बाजार में अतिक्रमण से बढ़ी परेशानी, मुख्य मार्ग पर लग रही दुकानें

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

सिंदरी/धनबाद। दीपावली पर्व को लेकर सिंदरी बाजार में खरीदारों की भीड़ बढ़ने लगी है। वहीं, बाजार के मुख्य मार्ग के समीप दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानें और सामान सड़क तक फैला देने से आम लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक सामान, पूजा सामग्री एवं अन्य वस्तुओं की दुकानें मुख्य सड़क के किनारे सजाई जा रही हैं, जिससे सड़क पर आवागमन का रास्ता संकरा हो गया है। स्थिति यह है कि बाजार पहुंचने वाले लोगों को अपने दोपहिया एवं चारपहिया वाहन खड़े करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, सड़क पर वाहनों की आवाजाही भी बाधित हो रही है। दीपावली की खरीदारी के दौरान बाजार में लोगों की भीड़ बढ़ने से जाम की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि त्योहार के समय बाजार में खरीदारों की संख्या बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन दुकानदारों द्वारा मुख्य मार्ग के किनारे तक दुकानें लगाने से आम नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो दीपावली के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने प्रशासन एवं नगर निगम से मांग की है कि बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण पर रोक लगाई जाए तथा दुकानदारों को निर्धारित स्थान पर ही दुकान लगाने का निर्देश दिया जाए, ताकि त्योहार के दौरान खरीदारों को सुविधा मिले और बाजार में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम का ऐतिहासिक गांव देवगन का भ्रमण

झारखंड उजाला संवाददाता



हुसैनाबाद,पलामू: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, शाखा रांची की टीम ने अधीक्षण पुरातत्वविद नीरज कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुरातात्विक और ऐतिहासिक महत्व का पुरातन गांव देवगन का भ्रमण किया। सोन घाटी पुरातत्व परिषद के अध्यक्ष एवं इतिहासकार डॉ अंगद किशोर, छतरपुर नगर पंचायत के अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता चुनमुन भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि छतरपुर (पलामू) प्रखंड अंतर्गत स्थित देवगन मध्यकालीन चेरो और रक्सेल वंश की राजधानी रहा है। उनके गढ़, कुएं, मंदिर, मूर्तियां आदि पुरातात्विक महत्व का अवशेष आज भी विद्यमान है। अधीक्षण पुरातत्वविद नीरज कुमार मिश्र ने पहाड़ियों और जंगलों से घिरे इस गांव में निर्मित मध्यकालीन मंदिर तथा खंडित और साबूत मूर्तियों के अवशेष देखकर दंग रह गए। देवगन नाम स्थित ग्रामीणों द्वारा निर्मित संग्रहालय में माधव या विष्णु, हलधर, गणेश, सती स्तंभ, सदाशिव, असुरमर्दिनी, सूर्य आदि की मूर्तियां विद्यमान हैं। यहां की छोटी-छोटी पहाड़ियों के शीर्ष स्थल पर पक्की ईंटों से निर्मित मंदिर अथवा कमरे के अवशेष मिले हैं। नीरज कुमार मिश्र ने इन मूर्तियों का कालखंड 11 वीं शताब्दी से लेकर बाद तक का बताया है। लगभग ढाई दशकों से देवगन में शोधार्थ डॉ अंगद किशोर का भ्रमण होता रहा है। इस बस्ती को केंद्र में रखकर उन्होंने पुरातत्व, इतिहास और अध्यात्म का अनूठा संगम : पलामू का देवगन नामक पुस्तक लिखी है। मौके पर उपस्थित लोगों में देवगन धाम के पुजारी साकेत बिहारी दास, दधिबल प्रसाद, हरि यादव, शंकर यादव,गुलाब सिंह, छायाकार झा जी आदि उल्लेखनीय थे। मंदिर के पुजारी दास जी ने अतिथियों को सिंदूर का पौधा भेंटकर सम्मानित किया।

केरेडारी में कमीशनखोरी का आरोप, पैक्स अध्यक्षों ने बीसीओ पर लगाया धमकी देने का आरोप



केरेडारी/हजारीबाग:- केरेडारी प्रखंड से पैक्स अध्यक्षों ने प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी (बीसीओ) राजेश कुमार पर कमीशन मांगने का गंभीर आरोप लगाया है।पैक्स अध्यक्षों का आरोप है कि धान अधिप्राप्ति में प्रति क्विंटल के हिसाब से 10% कमीशन की मांग की जा रही है। कमीशन नहीं देने पर बर्बाद करने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।अध्यक्षों के अनुसार, समिति बनाने के नाम पर 40 हजार रुपये की मांग की बात भी सामने आई है। इस संबंध में एक ऑडियो / वीडियो होने का भी दावा किया जा रहा है।पैक्स अध्यक्षों ने कहा है कि अगर इस पर रोक नहीं लगी, तो किसानों को धान बेचने में परेशानी होगी।गौरतलब है कि 28 अक्टूबर 2026 को कराली पंचायत और पाताल पंचायत में कमीशन के मामले में पंचायत सचिव तालेश्वर राम को एसीबी द्वारा गिरफ्तार किए जाने की बात भी सामने आई थी। इसी को आधार बनाकर अध्यक्षों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और विभागीय कार्रवाई की मांग की है।इस मामले में बीसीओ राजेश कुमार का पक्ष जानने का प्रयास किया जा रहा है। उनका पक्ष आने पर उसे भी प्रकाशित किया जाएगा।

हाईकोर्ट की सख्त फटकार, 19 नवंबर तक मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति का अल्टीमेटम



केरेडारी/ हजारीबाग:- झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति नहीं होने पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने 19 नवंबर 2026 तक नियुक्ति कर झारखंड राज्य सूचना आयोग को क्रियाशील बनाने का अंतिम अवसर दिया है।बिरेंद्र सिंह बनाम राज्य सरकार व अन्य, एलपीए नंबर - 383/25 की सुनवाई मंगलवार 03 नवंबर को हाईकोर्ट के डबल बेंच में हुई। सुनवाई न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद व न्यायमूर्ति अखिल कुमार की बेंच ने की।कोर्ट ने आदेश में कहा कि इस मामले में राज्य के मुख्य सचिव व कार्मिक सचिव जनवरी 2026 में ही व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर चार सप्ताह के अंदर राज्य सूचना आयोग को क्रियाशील बना देने का शपथपत्र दे चुके थे।इसके बाद मुख्य सूचना आयुक्त के पहले ही चार सूचना आयुक्तों की नियुक्ति कर दी गई, लेकिन मुख्य सूचना आयुक्त के अभाव में राज्य सूचना आयोग अभी तक क्रियाशील नहीं हो पाया है।कोर्ट ने कहा कि सूचना आयुक्त बिना वैधानिक कार्य के वेतन ले रहे हैं और आवेदक आरटीआई के तहत सूचना नहीं मिलने पर सीधे कोर्ट का रुख कर रहे हैं। इससे राज्य के खजाने पर अतिरिक्त बोझ के साथ-साथ न्यायालय पर भी बोझ पड़ रहा है, जो संवैधानिक व कानूनी दृष्टिकोण से उचित नहीं है।वादा के लगभग 11 माह बाद भी पर्याप्त समय मिलने के बाद भी अनुपालन नहीं करना और मामला विचाराधीन है कहकर केवल टालमटोल को न्यायालय अब बर्दाश्त नहीं कर सकता। इसलिए 19 नवंबर को अंतिम अवसर दिया जाता है। यदि इसमें भी विफल हुए तो न्यायालय कड़ा रुख अपनाते हुए ठोस आदेश पारित करेगा।

कार्यपालक पदाधिकारी शशि शेखर सुमन ने किया छठ घाटों का निरीक्षण, सफाई में तेजी लाने का निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



हुसैनाबाद,पलामू: हुसैनाबाद में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर नगर पंचायत प्रशासन अलर्ट मोड में है। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए नगर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में कार्यपालक पदाधिकारी शशि शेखर सुमन ने शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया और साफ-सफाई से लेकर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। वहीं, आम लोगों से भी छठ घाटों को स्वच्छ रखने में सहयोग करने की अपील की। शहर के जेपी चौक, गईता पोखरा, नहार मोड़ स्थित विभिन्न छठ घाटों पर लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी ने सभी घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों की साफ-सफाई जल्द पूरी कराने का निर्देश दिया। साथ ही घाटों पर बैरिकेडिंग, पर्याप्त रोशनी, साज-सज्जा और पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। कार्यपालक ने छठ घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष निर्देश दिए। नहर और तालाबों में डूबने जैसी अनहोनी से बचाव के लिए आम नागरिकों को सजग रहने की बात कही। वहीं, छठ घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों पर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया। कार्यपालक ने छठ घाटों का निरीक्षण कर सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने कहा कि छठ पर्व महान भक्ति और श्रद्धा का पर्व है। हम लोग नदी- तलाबों के घाट पर ये पर्व बनाते हैं। ऐसे में हमारी नगर पंचायत प्रशासन से यह अपेक्षा रहती है कि वो हमारे श्रद्धालुओं के लिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार करके दे कि उनको कोई असुविधा न हो। नदी-तालाबों के आसपास गंदगी न हो। सेवा में लगे अधिकारियों के यह निर्देश दिया गया है घाटों के आसपास किसी तरह की कोई गंदगी न हो। हमारा पूरा प्रयास है कि हम श्रद्धालुओं को पूरा भक्तिमय माहौल बनाकर दें ताकि उनको पूजा-अर्चना में किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो। मौके पर नगर पंचायत के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

बालू के अत्यधिक उठाव से छठ घाटों पर खतरा



झारखण्ड उजाला, संवाददाता

समिति ने सीओ से की शिकायत

लोहरदगा: सेन्हा के सेरेगहातुझ तोड़ार छठ पूजा समिति के पदाधिकारियों ने छठ घाटों की तैयारियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर अंचल अधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान नदियों से अत्यधिक बालू उठाव का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि अनियंत्रित बालू उठाव से नदी और घाटों के आसपास जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। इससे छठ के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं को परेशानी हो सकती है।विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई। समिति ने समय रहते गड्ढों को भरने और घाटों पर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। समिति अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साहू और महासचिव आदित्य कुमार साहू ने छठ पूजा के दौरान होने वाली अन्य समस्याओं से भी अंचल अधिकारी को अवगत कराया। अंचल अधिकारी ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।मौके पर आनंद साहू, दीपक साहू और संतोष साहू सहित समिति के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

चंद्रगुप्त कोल परियोजना में रोजगार का मुद्दा गरमाया, नौकरी की मांग पर टावर पर चढ़ा युवक

केरेडारी (हजारीबाग)। चंद्रगुप्त कोल परियोजना में स्थानीय युवाओं के रोजगार का मुद्दा एक बार फिर गंभीर विवाद के रूप में सामने आया है। नौकरी की मांग को लेकर एक युवक के टावर पर चढ़ जाने और आत्महत्या की चेतावनी देने की घटना ने परियोजना प्रबंधन से लेकर संबंधित कंपनी तक की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूचना मिलने के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए गए।मामले में सुशी इंफ्रा कंपनी के लाइजनर आरएस यादव पर रोजगार दिलाने के नाम पर लंबे समय से टालमटोल करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि युवक नौकरी की उम्मीद में लगातार संबंधित लोगों से संपर्क कर रहा था। कथित तौर पर उसे बार-बार आश्वासन दिया गया, लेकिन रोजगार के मामले में कोई ठोस पहल नहीं हुई। हालांकि, लगाए गए आरोपों पर संबंधित लाइजनर और कंपनी का पक्ष सामने आना बाकी है।

रोजगार के दावों और जमीनी हकीकत के बीच कितना फासला?

यह घटना केवल एक युवक की नाराजगी तक सीमित नहीं है, बल्कि चंद्रगुप्त कोल परियोजना में स्थानीय रोजगार व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

कोयला परियोजनाओं के नाम पर स्थानीय लोगों की जमीन और संसाधनों का उपयोग होता है, लेकिन जब रोजगार की बारी आती है तो प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को आखिर बार-बार गुहार क्यों लगानी पड़ती है?

क्या रोजगार के नाम पर केवल आश्वासन देकर युवाओं को इंतजार कराया जा रहा है? कंपनी में नियुक्तियों की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है और स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने के दावों का वास्तविक आधार क्या है? इन सवालों का जवाब संबंधित कंपनी और परियोजना प्रबंधन को देना चाहिए।

जवाबदेही तय करने की जरूरत

इस घटना को महज एक युवक के आक्रोश के रूप में नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो। युवक की शिकायत, रोजगार के नाम पर किए गए कथित वादों और संबंधित लाइजनर की भूमिका की पड़ताल की जाए। साथ ही, परियोजना प्रबंधन स्पष्ट करे कि स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए क्या व्यवस्था निर्धारित है। फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण युवक की सुरक्षा और उसकी जान बचाना है। लेकिन इसके बाद भी यदि मामले को केवल आश्वासन देकर दबाने की कोशिश हुई, तो स्थानीय रोजगार को लेकर असंतोष और गहरा सकता है। बड़ा सवाल यह है कि जिस क्षेत्र की जमीन पर कोयला परियोजना चल रही है, उसी क्षेत्र के युवाओं को रोजगार की मांग के लिए अपनी जान जोखिम में डालने जैसी स्थिति का सामना क्यों करना पड़ रहा है।

स्वर्गीय सुनील प्रसाद फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल, न्यू स्टार बटुका ने 3-1 से मारी बाजी, शामिल हुए विधायक रोशन लाल चौधरी

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।





बड़कागांव। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सांढ़ पंचायत के शिवाडीह स्थित कुशवाहा खेल मैदान में आयोजित ₹स्वर्गीय सुनील प्रसाद फुटबॉल टूर्नामेंट₹ के फाइनल मुकाबले में बतौर मुख्य अतिथि विधायक श्री रोशन लाल चौधरी जी शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभावान खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों एवं आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा पारंपरिक गाजे-बाजे और पुष्पमालाओं के साथ किए गए आत्मीय स्वागत एवं सम्मान से अभिभूत होकर विधायक जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। न्यू स्टार बटुका एवं एफसी पिपराडीह के बीच खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों ने अदम्य साहस, उत्कृष्ट खेल कौशल और शानदार संघर्ष का परिचय दिया। अंततः न्यू स्टार बटुका की टीम ने 3-1 से शानदार जीत दर्ज कर प्रतियोगिता की ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता टीम को ?25,000 एवं उपविजेता टीम को ?15,000 की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों की सहभागिता ग्रामीण क्षेत्र में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह और प्रतिभाओं की व्यापक उपस्थिति का प्रमाण है।

विधायक ने कहा – खेल मैदान का होगा विकास

इस अवसर पर अपने संबोधन में विधायक श्री रोशन लाल चौधरी जी ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, आत्मविश्वास और सामूहिकता के विकास का सशक्त आधार है। ग्रामीण अंचलों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता है तो उन्हें समुचित मंच, संसाधन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की।उन्होंने आश्वस्त किया कि शिवाडीह स्थित कुशवाहा खेल मैदान को आधुनिक एवं आवश्यक खेल सुविधाओं से सुसज्जित बनाने की दिशा में हरसंभव पहल करेंगे, ताकि यहां के युवा खिलाड़ियों को बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध हो सके और उनकी प्रतिभा को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान स्थापित करने का अवसर मिले।उन्होंने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव सहयोग एवं प्रोत्साहन मिलेगा। ग्रामीण खेल मैदानों का विकास और युवाओं के लिए बेहतर खेल सुविधाओं का सृजन हमारी प्राथमिकताओं में सदैव शामिल रहेगा। इस सफल आयोजन के लिए समस्त ग्रामीण कुशवाहा समाज, शिवाडीह एवं आयोजन समिति के सभी सम्मानित सदस्यों को हार्दिक बधाई व साधुवाद दिया गया।

यूपी में भाजपा की पदयात्रा का मेगा प्लान 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ'



सचिन कुमार सिंह, प्रधान संपादक

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा नीत राजग और कांग्रेस नीत इंडी गठबंधन का मजबूत साथी समाजवादी पार्टी के बीच काँटे की टक्कर के आसार हैं! भाजपा भले ही दलितों और ओबीसी को पटाने के चक्कर में सवर्णों की सरजमीनी नाराजगी मोल ले चुकी है, जबकि समाजवादी नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक वोटरों को अपनी ओर खींचकर और कांग्रेस को साथ लेकर लोकसभा चुनाव 2024 और विधान परिषद चुनाव 2026 में भाजपा को अपनी मजबूत राजनीतिक ताकत का एहसास करवा चुके हैं।

ऐसे में यूपी के सवर्ण वोटर यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ के सुशासन और विकास को ध्यान में रखते हुए भाजपा से जुड़े रहते हैं तो भाजपा मुकाबले में रहेगी, अन्यथा दलित और ओबीसी कानूनों को मजबूत करने और पूंजीवादी राज को प्रश्रय देने की कीमत उसे अपनी राज्य और केंद्र की सत्ता (2029) गंवा कर चुकानी पड़ेगी, जबकि भाजपा किसी भी कीमत पर यूपी की सत्ता गंवाना नहीं चाहती है। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती देने के लिए नई रणनीति बनाई है?

भाजपा की यह पदयात्रा महज जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि इसके पीछे उसकी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन, विपक्ष की घेराबंदी और चुनावी मुद्दों की दिशा तय करने की व्यापक कोशिश भी है। यदि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के मतभेद को काबू में करने में सफल हो जाती है तो लखनऊ में उसकी तीसरी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, क्योंकि वह कैडर बेस पार्टी है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के मेगा प्लान में बड़े बड़े नेताओं को लगाना इन्हीं राजनीतिक संदर्भों में समझना चाहिए। यह अभियान ऐसे समय हो रहा है, जब प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं और भाजपा तथा विपक्ष के बीच चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक विरोध के तौर-तरीकों को लेकर गंभीर बहस चल रही है।

सबसे पहले जानिए कि आखिर पदयात्रा का



कार्यक्रम क्या है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने 3 से 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्राएं आयोजित करने की योजना बनाई है। इसका घोषित उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विपक्ष के आरोपों का जवाब देना है। इस सिलसिले में निर्धारित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं: तारीख, स्थान और प्रमुख नेतृत्व: 3 नवंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को बदलने का सकारात्मक प्रयास किया। वहीं, 3 नवंबर को ही बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को समझने की सफल कोशिश की। वहीं, 4 नवंबर को गोरखपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही प्रयागराज में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही कानपुर में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पदयात्रा करेंगे। वहीं, 5 नवंबर को गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पदयात्रा होगी।

तीन नवंबर को लखनऊ में लोकभवन से परिवर्तन चौक तक पदयात्रा का आयोजन किया गया है। पार्टी ने इसमें बड़ी संख्या में कार्यकताओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों की भागीदारी का लक्ष्य रखा और उसे पूरा किया।दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। जबकि भाजपा का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाकर जनता के बीच भ्रम पैदा किया जा रहा है। इसलिए भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' जैसा दूरगामी असर वाला राजनीतिक संदेश चुना है। इसका अर्थ है कि पार्टी बहस को विपक्ष के आरोपों से हटाकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक आचरण और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उसके रवैये पर केंद्रित करना चाहती है। हालांकि, विपक्ष के आरोपों का जवाब केवल राजनीतिक सभाओं से नहीं, बल्कि पारदर्शी तथ्यों और संस्थागत जवाबदेही से भी देना आवश्यक होगा।

तीसरा महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर एसआईआर और मतदाता सूची की बहस का राजनीतिक महत्व क्या है? इस अभियान के पीछे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। इस मुद्दे पर दो अलग-अलग राजनीतिक दृष्टिकोण सामने हैं: एक, भाजपा का पक्ष: मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। पार्टी इस प्रक्रिया के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना चाहती है। दो, विपक्ष का पक्ष: मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं के नाम छूटने, पारदर्शिता और प्रशासनिक निष्पक्षता को लेकर आशंकाएं उठाई जा रही हैं। यहां महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता, उचित सूचना और आपत्ति दर्ज कराने के प्रभावी अवसर के साथ हो रहा है? लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी है। इसलिए पदयात्रा के राजनीतिक संदेश के साथ-साथ एसआईआर पर तथ्यात्मक संवाद भी इस अभियान की कसौटी रहेगा।

चौथा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक भूमिका और नेतृत्व का प्रदर्शन कैसा रहेगा? इस पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रिय भागीदारी के कई राजनीतिक पहलू हैं। एक, सरकार और संगठन के बीच तालमेल का प्रदर्शन: मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश संगठन के प्रमुख नेताओं की भागीदारी से अभियान को राष्ट्रीय और प्रादेशिक दोनों स्तरों पर महत्व मिलता है। दो, नेतृत्व की सार्वजनिक सक्रियता: पदयात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता सीधे कार्यकताओं तथा नागरिकों के बीच उपस्थित होते हैं। इससे चुनाव से पहले संगठनात्मक संपर्क को सक्रिय रखने का अवसर मिलता है। तीन, 2027 के चुनाव की पृष्ठभूमि। योगी आदित्यनाथ की विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले नेतृत्व की राजनीतिक सक्रियता के संदर्भ में देखा जा सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय मंत्रियों की भागीदारी इस कार्यक्रम को केवल स्थानीय संगठनात्मक गतिविधि तक सीमित नहीं रहने देती।

आज का राशिफाल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्म से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने.से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

खुद को कमजोर करने वाली राजनीति

हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के एक कार्यक्रम में कहा कि अपनी नकारात्मक राजनीति के चलते कांग्रेस अगले 30 वर्षों तक केंद्र की सत्ता में वापस नहीं आ सकती। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस की आलोचना की, लेकिन उनका कोई शब्द अमर्यादित या अपमानजनक नहीं था। दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पटना के एक कार्यक्रम में अपने एक कार्यकर्ता के टोकने पर गुस्से में कहा, 'मोदी का बाप भी जाएगा...।' प्रसंग यह था कि जब उन्होंने कहा कि मोदी जेल जाएंगे तो उक्त कार्यकर्ता ने टिप्पणी की कि मोदी तब तक कहीं नहीं जाने वाले, जब तक उनके खिलाफ बगावत नहीं होगी। खरगे जैसे वरिष्ठ नेता की भाषा से पार्टी के राजनीतिक सोच पर सवाल उठते हैं। दुख की बात यह रही कि कांग्रेस के किसी नेता ने इस बयान पर खेद नहीं जताया, बल्कि उसके बचाव में तर्क दिए।



संसदीय लोकतंत्र में नेता अपने राजनीतिक विरोधियों की आलोचना करते हैं, उन पर हमला बोलते हैं और अभियान चलाते हैं, लेकिन शब्दों की मयार्दा नहीं लांघते और न ही उनके परिवार तक जाते हैं। किसी भी दल को चुनाव जीतने के लिए संगठन मजबूत करने और जनता का विश्वास जीतने की जरूरत होती है। इसके लिए जनहित के मुद्दे उठाने, सकारात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत करने और नेतृत्व की ऐसी छवि बनाने की आवश्यकता होती है, जिससे मतदाताओं को लगे कि उसके नेतृत्व में देश अधिक सुरक्षित रहेगा। कांग्रेस की रणनीति इससे अलग दिखाई देती है।

चुनावों में हार-जीत होती रहती है। जनसंघ की स्थापना से लेकर सत्ता तक पहुंचने के लिए भाजपा को अपनी विचारधारा और कार्यशैली के आधार पर लंबा संघर्ष करना पड़ा, लेकिन चुनावी हार के बाद उसने सत्तापक्ष के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने या चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा पर हमला करने का अभियान नहीं चलाया, लेकिन राहुल और उनके साथी जिस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह पहले कभी नहीं देखी गई। कांग्रेस की समस्या यह है कि उसने 2014 से अब तक अपनी चुनावी हार का ईमानदारी से विश्लेषण नहीं किया। विश्लेषण से संगठन, नीति, नेतृत्व, रणनीति और वक्तव्यों की कमजोरियां सामने आतीं और उन्हें दूर करने की कोशिश हो सकती थी। कांग्रेस के अनुभवी और विवेकशील नेता राहुल और उनके करीबियों द्वारा किनारे कर दिए गए हैं या वे स्वयं हाशिए पर पहुंच गए हैं। आज राहुल के रणनीतिकार और सलाहकार वामपंथी, समाजवादी, एनजीओ और इस्लामवादी विचारधारा से जुड़े देश-विदेश के लोग हैं।

हाल में दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के घर हुई माक संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ लाए गए जन महाभियोग में राहुल के साथ योगेंद्र यादव, नेहा बोरा भी दिखाई दिए। जनता से संवाद पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन माक पार्लियामेंट जैसे आयोजन तो वामपंथी तथा एनजीओ की कार्यशैली का हिस्सा रहे हैं। एक समय दुनिया भर में कम्युनिस्ट नेता सरकारों और संपन्न वर्ग के खिलाफ लोगों में असंतोष पैदा कर हिंसा और उथल-पुथल के जरिये सत्ता हासिल करने की कोशिश करते थे। राहुल गांधी संसदीय राजनीति करते हुए वैसी ही स्थिति पैदा करने की कोशिश करते दिख रहे हैं। वे कभी 'चौकीदार चोर है' का नारा लगवाते हैं तो कभी ईवीएम, एसआइआर और वोट चोरी का मुद्दा भाषा की मयार्दा की अनदेखी कर उठाते हैं।

वे और उनके सहयोगी इन मुद्दों को जिस रूप में पेश करते हैं, जमीनी स्तर पर वैसी स्थिति दिखाई नहीं देती। वैचारिक स्पष्टता के अभाव में चुनावी हार से नाराज होकर वे और उनके साथी मयार्दा की सीमा लांघते हैं। लगता है कांग्रेस में मोदी, भाजपा या आरएसएस के विरुद्ध जो जितनी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करेगा, उसे उतना ही अधिक महत्व मिलेगा। स्वयं राहुल ने 2019 के चुनाव से पहले कहा था कि कुछ दिनों में मोदी बाहर निकलेगा तो लोग डंडों से उसकी पिटाई करेंगे। अब वे कह रहे हैं कि मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार को जेल जाना होगा। ऐसे बयानों की लंबी शृंखला है। खरगे प्रधानमंत्री को रावण, जहरीला नाग आदि कह चुके हैं। पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री के पिता का नाम लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। निःसंदेह भाजपा से भी गलतियां होती हैं। उम्मीदवारों के चयन, मुद्दों और जातीय समीकरणों के मामले में उससे गलतियां हुई हैं। लोकसभा चुनाव में कई राज्यों में उसे झटका लगा, लेकिन उसने हार का विश्लेषण किया, सुधार किए और कई विधानसभा चुनावों में सफलता हासिल की। दलों में अपनी गलतियों के परिणाम भुगतने के बाद अपनी कमजोरियों का विश्लेषण कर बदलाव करने का साहस होना चाहिए। हार का दोष विरोधियों या संवैधानिक संस्थाओं पर मढ़ने से किसी पार्टी की स्थिति नहीं बदल सकती, लेकिन राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस मध्यमार्ग छोड़कर अति वामपंथ की ओर बढ़ चुकी है।

न्याय पर बोझ

त्वरित न्याय ही वास्तविक न्याय होता है और त्वरित न्याय के लिए पूरे संसाधन और पर्याप्त न्यायाधीश भी होने चाहिए। अतः अपने देश के प्रधान न्यायाधीश का यह इशारा स्वाभाविक और स्वागतयोग्य है कि न्यायपालिका पर बहुत बोझ है और पर्याप्त संख्या में अदालतें होंगी, तो ही न्याय संभव है। बीते वर्ष से ही देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाइयों के दौरान ट्रिब्यूनल में रिक्त पदों का मुद्दा उठता रहा है। शीर्ष अदालत की नाराजगी भी सामने आती रही है। यह अपने आप में गंभीर बात है कि देश के प्रधान न्यायाधीश न्यायपालिका में कमी को लेकर एकाधिक बार अपनी राय रख चुके हैं। प्रधान न्यायाधीश ने शुक्रवार को तेलंगाना स्टेट ज्युडिशियल कॉन्फ्रेंस 2022 को संबोधित करते हुए कहा कि ह्यन्यायपालिका का बुनियादी ढांचा और रिक्त पदों पर भर्तियां चिंता का मुख्य विषय हैं। न्याय तक पहुंच तभी संभव है, जब हमें पर्याप्त संख्या में अदालतें मिलेंगी।

यह अपने आप में बेहद संवेदनशील विषय है कि न्यायपालिका में नियुक्तियों में देरी हो रही है। सरकार को देखना चाहिए कि बाधा कहां है? अदालतों ने पहले भी न्यायपालिका के विस्तार का पक्ष लिया है, लेकिन प्रशासन बहुत सजग नहीं दिखता। भारतीय न्यायपालिका पर जो बोझ है, वैसा दुनिया की किसी न्यायपालिका पर नहीं है। अभी भी मामलों को न्याय तक पहुंचने में तीस-चालीस साल भी लग जा रहे हैं। पुराने मुकदमों का निपटारा जल्दी नहीं हो रहा है और नए मुकदमे बढ़ते जा रहे हैं। यह बात अलग है कि कई मुकदमे प्रशासन की कमियों की वजह से हैं। खासकर गैर-फौजदारी मामलों में बहुत कमी आ सकती है, लेकिन प्रशासन का काम करने का तरीका निचले स्तर पर अपेक्षित गति से सुधर नहीं रहा। अदालतों के कागजी कामकाज का विस्तार भी लगातार हो रहा है, अतः न्याय में देरी ज्यादातर मामलों में एक सच्चाई है। न्याय में देरी से कुछ लोगों को फायदा होता है, लेकिन कुल मिलाकर शासन-प्रशासन की छवि खराब होती है। आम लोगों की नजर में न्याय या अन्याय अंततः सरकार की जिम्मेदारी है। फिर भी कोई भी राजनीतिक दल त्वरित न्याय को लेकर चिंतित नहीं दिखता। किसी के भी घोषणापत्र में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की कोई रूपरेखा नहीं होती है। ऐसे में, हमारे न्यायाधीशों की शिकायत जायज है। क्या हमारी राजनीतिक पार्टियां लोगों को त्वरित न्याय का वादा नहीं कर सकती हैं? क्या यह लोकहित का मामला नहीं है?

आज न्यायपालिका का विस्तार जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसमें समय के साथ आंतरिक सुधार। एक अनुमान के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में साल भर में 200 दिन भी सुनवाई नहीं होती है। उच्च न्यायालयों में करीब 210 दिन और निचली अदालतों में करीब 245 दिन ही काम होता है। सर्वोच्च न्यायालय में करीब 73,000 मामले और भारत की सभी अदालतों में लगभग 4.40 करोड़ मामले लंबित हैं। मुकदमों की संख्या में हर साल बढ़ोतरी हो रही है। नीति आयोग के एक रणनीति पत्र के मुताबिक, अदालतों को तमाम दर्ज मामले सुलझाने में अभी के हिसाब से करीब 324 साल से अधिक समय लग जाएगा। हजारों मामले तीस-तीस साल से लंबित हैं। अतः न्यायपालिका के बोझ को हल्का करने और उसे त्वरित न्याय की दिशा में प्रेरित करने के भगीरथ प्रयासों की जरूरत है। त्वरित न्याय समाज में सुख-शांति और कानून के राज के लिए भी जरूरी है।

असंतुलित आर्थिक नीतियां बढ़ा रही हैं अमीरी गरीबी की खाई

आकड़ों के मुताबिक 5 साल पहले रियल एस्टेट की कुल बिक्री में अफोर्डेबल हाउसिंग की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत थी, जो अब घटकर महज 18 प्रतिशत रह गई है। इस महीने पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग की जेब ढीली करने के लिए टैक्स में छूट दी। देश के लगभग 100 करोड़ भारतीयों के पास इतनी आय नहीं है कि वे विवेकाधीन वस्तुओं पर कुछ भी खर्च कर सकें। अर्थात वे किसी भी प्रकार से किसी भी वस्तु पर अतिरिक्त खर्च करने में असमर्थ हैं। लोग जरूरत के अलावा सामान या सुविधाएं नहीं खरीद सकते। वहीं, देश के केवल 10 फीसदी लोग, अर्थात 13-14 करोड़ लोग देश की अर्थव्यवस्था को चला रहे हैं, क्योंकि ये लोग ही सबसे ज्यादा खर्च करते हैं और देश की तरक्की में बड़ा रोल निभाते हैं। केंद्र सरकार एक तरफ देश में तरक्की का नया मॉडल पेश करते हुए विकसित भारत की तरफ बढ़ते कदमों का आंकड़ा पेश करती है, वहीं गरीबी और अमीरी की बढ़ती खाई ने इस मॉडल पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। ब्लूम वेंचर्स की इंडस वैली की वार्षिक रिपोर्ट 2025 भारत की आर्थिक विषमता की यह तस्वीर पेश करती है। इस रिपोर्ट का सरकार द्वारा किसी तरह प्रतिवाद नहीं किए जाने से साफ जाहिर है कि देश की आर्थिक सेहत एक तरफा जा रही है। अमीरी और गरीबी की खाई का चौड़ा होना जारी है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत का उपभोक्ता बाजार बड़े स्तर पर विस्तार नहीं कर रहा है, बल्कि एक ही जगह गहरा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि भले ही अमीर लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो रही है, लेकिन जो लोग पहले से ही अमीर हैं, वे और भी अमीर हो रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार शीर्ष 10 प्रतिशत भारतीयों (10 सबसे अमीर भारतीय) के पास अब कुल नेशनल आय का 57.7 प्रतिशत हिस्सा है, जो पहले 1990 में 34 प्रतिशत था, जबकि निचले स्तर पर यह हिस्सा पहले के 22.2 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत रह गया है। इसके अलावा, 30 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्होंने हाल फिलहाल खर्च करना शुरू किया है। ये लोग भी अपने खर्च को लेकर बहुत सावधान हैं। खर्च करने वाला वर्ग बढ़ नहीं रहा!

आंकड़ों के मुताबिक 5 साल पहले रियल एस्टेट की कुल बिक्री में अफोर्डेबल हाउसिंग की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत थी, जो अब घटकर महज 18 प्रतिशत रह गई है। इस महीने पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग की जेब ढीली करने के लिए टैक्स में छूट दी। 12 लाख रुपये तक कमाई करने वालों को अब इनकम टैक्स नहीं देना होगा जिससे 92 प्रतिशत वेतनभोगी लोगों को राहत मिलेगी। इसके बावजूद भारत की खपत चीन से 13 साल पीछे है। वर्ष 2023 में भारत में प्रति व्यक्ति खर्च 1,493 डॉलर था, जबकि चीन में वर्ष 2010 में ही ये 1,597 डॉलर था। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में भी हालात ठीक नहीं हैं। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में बढ़ता कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। दिसंबर 2024 तक इस सेक्टर के नॉन-परफॉर्मिंग असेट्स (एनपीए) 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।



लोक आस्था आस्था के महापर्व में कौन होता है वीआईपी बड़े भी करते हैं व्रती की देखभाल-सेवा

एजेंसी

दरभंगा। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुरू होगा। बिहार में दीपावली से ज्यादा छठ की तैयारी चल रही है। अब कई राज्यों में यह पर्व होता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि व्रती के लिए किसे, क्या करना चाहिए छठ महापर्व केवल सूयोर्पासना और निर्जला व्रत का पर्व नहीं, बल्कि शुद्धता, पवित्रता, अनुशासन और सामूहिक आस्था की अनूठी परंपरा है। इस पर्व में व्रत शुरू होने के साथ ही घर की दिनचर्या बदल जाती है। जो महिला कल तक किसी की पत्नी, मां या बेटी के रूप में घर की जिम्मेदारियां निभा रही होती है, वही छठ के दौरान व्रती के रूप में पूरे परिवार की श्रद्धा और आस्था का केंद्र बन जाती है। उसके खानपान से लेकर रसोई, पूजा सामग्री, प्रसाद बनाने और छठ घाट की सफाई तक हर चीज में शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। व्रत शुरू होते ही बदल जाती है घर की भूमिका छठ



की शुरूआत नहाय-खाय से होती है। इस वर्ष 13 नवंबर से छठ महापर्व की शुरूआत होगी। नहाय-खाय के दिन से ही व्रती के खानपान और रहन-सहन में विशेष सावधानी बरती जाती है। घर की बेटी हो या बहू, पत्नी हो या मां, व्रत का संकल्प लेने के बाद उनकी भूमिका बदल जाती है। परिवार के सदस्य उन्हें सामान्य घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त रखने की कोशिश करते हैं। उनकी सुविधा, आराम और पूजा की तैयारी को प्राथमिकता दी जाती है। रसोई से प्रसाद तक शुद्धता की कसौटी छठ में शुद्धता और सुचिता का सबसे अधिक ध्यान रसोई में रखा जाता है। नहाय-खाय में कद्दू-भात और चने की दाल से लेकर खरना की खीर और रोटी तक सब कुछ विशेष सावधानी से बनाया जाता है। प्रसाद तैयार करने के लिए गेहूं धोने, सुखाने और पीसने तक की प्रक्रिया में स्वच्छता का ध्यान रखा जाता है। ठेकुआ, कसार और अन्य प्रसाद बनाने के लिए साफ बर्तनों का इस्तेमाल होता है। कई घरों में प्रसाद बनाने के लिए अलग चूल्हे और बर्तनों की व्यवस्था की जाती है। छठव्रती के प्रति परिवार का बदल जाता है भाव छठव्रती के प्रति परिवार और समाज का व्यवहार भी इस दौरान विशेष हो जाता है। लोग व्रती के प्रति सम्मान और श्रद्धा का भाव रखते हैं। परिवार के सदस्य उनकी बातों और जरूरतों का विशेष ध्यान रखते हैं। व्रती के सामने ऊंची आवाज में बोलने, विवाद करने या ऐसा कोई काम करने से बचते हैं जिससे उनकी साधना में बाधा पहुंचे। मान्यता है कि छठव्रती के प्रति सम्मान और सहयोग भी इस महापर्व की सामूहिक आस्था का हिस्सा है। सफाई से लेकर व्यवहार तक बरती जाती है सावधानी छठ में केवल पूजा सामग्री की शुद्धता ही नहीं, बल्कि घर और आसपास की सफाई को भी विशेष महत्व दिया जाता है। पूजा स्थल, रसोई, आंगन और छठ घाट की सफाई की जाती है। प्रसाद बनाने और पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को साफ-सुथरा रखा जाता है। परंपरागत रूप से प्रसाद बनाने वाली जगह पर जूते-चप्पल ले जाने, गंदगी फैलाने और बिना हाथ धोए प्रसाद छूने से परहेज किया जाता है। कई परिवारों में प्रसाद की तैयारी के दौरान खानपान और साफ-सफाई के विशेष नियम अपनाए जाते हैं। आस्था के आगे अनुशासन की मिसाल बन जाता है परिवार छठ की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें व्रत केवल एक व्यक्ति करता है, लेकिन तपस्या में पूरा परिवार सहभागी बन जाता है। कोई पूजा सामग्री जुटाता है तो कोई घाट की सफाई करता है। कोई प्रसाद बनाने में सहयोग करता है तो कोई व्रती की सेवा में लगा रहता है। यही वजह है कि छठ में शुद्धता केवल शरीर और भोजन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि विचार, व्यवहार और वातावरण की पवित्रता से भी जुड़ जाती है। यह पर्व सिखाता है कि आस्था केवल पूजा करने में नहीं, बल्कि संयम, स्वच्छता, त्याग और दूसरों के प्रति सम्मान रखने में भी है।

बिहार के स्कूली बच्चों की मौज, नवंबर में इतने दिन बंद रहेंगे स्कूल

एजेंसी

पटना। नवंबर में बिहार के स्कूली बच्चों को लगातार 11 दिनों तक छुट्टियां मिलेंगी. इसके अलावा महीने के आखिरी सप्ताह में भी स्कूल बंद रहेंगे. यहां देखें पूरा कैलेंडर. नवंबर का महीना बिहार के स्कूली बच्चों के लिए छुट्टियों के लिहाज से काफी खास रहने वाला है. महीने की शुरूआत से ही स्कूलों में अवकाश का सिलसिला देखने को मिलेगा. दिवाली से लेकर छठ पूजा तक कई त्योहारों के कारण विद्यार्थियों को लगातार कई दिनों तक स्कूल नहीं जाना होगा. खास बात यह है कि नवंबर में एक ऐसा समय भी आएगा, जब बिहार के सरकारी स्कूल लगातार 11 दिनों तक बंद रहेंगे. इसके अलावा महीने के आखिरी सप्ताह में भी छुट्टी मिलेगी. ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चों के साथ कहीं घूमने या परिवार के साथ समय बिताने की योजना बना नवंबर में 11 दिनों तक बंद रहेंगे बिहार के स्कूल बिहार के सरकारी स्कूलों में नवंबर के दूसरे सप्ताह में लंबी छुट्टी निर्धारित की गई है. दिवाली, गोवर्धन पूजा, चित्रगुप्त पूजा, भैया दूज और छठ पूजा के कारण 7 नवंबर से 17 नवंबर 2026 तक स्कूलों में अवकाश रहेगा. इस दौरान विद्यार्थियों को लगातार 11 दिनों तक स्कूल नहीं जाना होगा. त्योहारों के कारण मिलने वाली यह छुट्टी बच्चों को परिवार के साथ समय बिताने और त्योहारों की तैयारियों में शामिल होने का अवसर देगी. नवंबर में कब-कब बंद रहेंगे स्कूल, देखें पूरी लिस्ट नवंबर में सिर्फ दूसरे सप्ताह में ही नहीं, बल्कि महीने के आखिरी हिस्से में भी स्कूलों में छुट्टी रहेगी. 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भी स्कूल बंद रहेंगे. महीने की प्रमुख छुट्टियों की तारीखें नीचे दिए गए चार्ट में देख सकते हैं. नवंबर के आखिरी सप्ताह में भी विद्यार्थियों को स्कूल से छुट्टी मिलेगी. 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर अवकाश रहेगा. ऐसे में महीने के दौरान त्योहारों के अलावा भी बच्चों को एक दिन की अतिरिक्त छुट्टी मिलेगी. हालांकि, स्कूलों में अवकाश की स्थिति उनके आधिकारिक कैलेंडर और शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुसार हो सकती है.

ईडी ने किस IAS अधिकारी से क्या-क्या जवाब मांगा विदेश घूमने में लाखों खर्च

एजेंसी

पटना। चर्चित टेंडर घोटाले को लेकर ईडी की जांच जारी है। एक बड़े कअर अधिकारी से ईडी की पूछताछ काफी सुर्खियों में है। यह अधिकारी विदेशी यात्रा के खर्च और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन को लेकर सवालों के घेरे में हैं। आइये जानते हैं बिहार के बहुचर्चित टेंडर घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुडको के पूर्व प्रबंध निदेशक और आईएएस अधिकारी योगेश कुमार सागर से लंबी पूछताछ की। बुधवार को वह करीब 10 घंटे तक ईडी के सवालों का सामना करते रहे। सुबह 11:30 बजे जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे योगेश रात 9:30 बजे बाहर निकले। इस दौरान उनकी विदेश यात्रा, निजी ठेकेदारों से जुड़े संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और बुडको की परियोजनाओं में टेंडर आवंटन को लेकर पूछताछ हुई। जांच का एक अहम पहलू जून



2024 में परिवार के साथ ऑस्ट्रिया की यात्रा पर हुआ खर्च है। ईडी के मुताबिक, इस यात्रा पर करीब 21.92 लाख रुपये खर्च किए गए थे। एजेंसी को इस रकम के एक बड़े हिस्से के भुगतान में निजी ठेकेदार से जुड़े लोगों की भूमिका संदिग्ध लग रही है। इसके अलावा ठेकेदार ऋषु श्री के करीबी रामवीर सिंह के बैंक खाते में हुए लेनदेन को लेकर भी योगेश से सवाल किए गए। पत्नी और बच्चों के साथ विदेश यात्रा पर खर्च हुए थे 21.92 लाख रुपये ईडी के हलफनामे और डिजिटल फॉरेंसिक रिकॉर्ड के मुताबिक, योगेश कुमार सागर 22 से 30 जून 2024 के बीच पत्नी और दो बच्चों के साथ ऑस्ट्रिया गए थे। इस दौरान परिवार ने वियना, साल्जबर्ग और सेंट वोल्फगैंग के महंगे होटलों में ठहराव किया था। हवाई टिकट, होटल बुकिंग और विदेशी मुद्रा समेत पूरी यात्रा पर 21.92 लाख रुपये खर्च होने की जानकारी जांच एजेंसी को मिली है। ईडी का कहना है कि इस रकम में से 4.27 लाख रुपये का भुगतान योगेश की पत्नी अवलोकिता अशोक के बैंक खाते से हुआ। बाकी 17.65 लाख रुपये सूरत की ट्रैवल एजेंसी लंबोदर टूर को नकद दिए गए। एजेंसी के अनुसार, यह भुगतान ठेकेदार ऋषु श्री के सहयोगी साहिल सिन्हा और गुजरात की कंपनी जेनम इंजिकॉन की ओर से किया गया था। पूछताछ में ईडी ने योगेश के सामने डिजिटल साक्ष्य रखकर जानना चाहा कि एक निजी ठेकेदार के कर्मचारी उनके परिवार की विदेश यात्रा का खर्च क्यों उठा रहे थे। एजेंसी ने भुगतान नकद में किए जाने और विदेशी मुद्रा की व्यवस्था से जुड़े सवाल भी पूछे। साथ ही यह जानने की कोशिश की गई कि इस पूरी व्यवस्था के लिए किसकी ओर से निर्देश दिए गए थे।

MLC चुनाव पर जदयू का महामंथन, भूपेंद्र यादव क्या खुलासा करेंगे बेल्ट्रॉन अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

एजेंसी

पटना। पटना में आज राजनीतिक गतिविधियां तेज रहेंगी। बिहार विधान परिषद चुनाव में मिली हार की समीक्षा के लिए जदयू की महाबैठक होगी। इसमें नीतीश कुमार और संजय झा समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव प्रेस वार्ता कर विपक्ष के खिलाफ कुछ खुलासे करेंगे। दूसरी ओर, बेल्ट्रॉन अभ्यर्थी ज्वाइनिंग लेटर की मांग को लेकर गर्दनीबाग में प्रदर्शन करेंगे। जानिए आज पटना में क्या-क्या होगा पटना में आज का दिन राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिहाज से अहम रहने वाला है। बिहार विधान परिषद चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने महाबैठक बुलाई है। प्रदेश कार्यालय में होने वाली इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा समेत वरिष्ठ नेता, विधायक और विधान परिषद के सदस्य शामिल होंगे। बैठक में उन सीटों पर चुनावी प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी, जहां जदयू ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव भी आज पटना पहुंचेंगे। वह एक होटल में प्रेस वार्ता कर विपक्ष के खिलाफ अपनी बात रखेंगे। इसके अलावा बेल्ट्रॉन के अभ्यर्थी ज्वाइनिंग लेटर की मांग को लेकर गर्दनीबाग धरनास्थल पर प्रदर्शन करेंगे। पटना के गर्दनीबाग धरनास्थल पर आज बेल्ट्रॉन अभ्यर्थी एक बार फिर प्रदर्शन करेंगे। अभ्यर्थियों की प्रमुख मांग ज्वाइनिंग लेटर जारी करने की है। उनका कहना है कि वे पिछले कई महीनों से नौकरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर सरकार की ओर से ध्यान नहीं दिया गया है। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे पहले भी धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। दिवाली तक नियुक्ति की उम्मीद लगाए बैठे अभ्यर्थियों का कहना है कि उनकी मांग पूरी नहीं होने के कारण उन्हें आंदोलन जारी रखना पड़ रहा है। बिहार विधान परिषद चुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद जदयू आज समीक्षा बैठक करेगा। पटना स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दोपहर 12 बजे से महाबैठक शुरू होगी, जो शाम पांच बजे तक चल सकती है। बैठक में उन सभी सीटों के चुनाव परिणामों की समीक्षा की जाएगी, जहां जदयू ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, वरिष्ठ नेता, विधान परिषद सदस्य, चुनाव लड़ चुके उम्मीदवार, विधायक और पार्टी पदाधिकारी शामिल होंगे। चुनाव में हार के कारणों और संगठन की भूमिका पर चर्चा होने की संभावना है। इस बैठक में चुनावी प्रदर्शन को लेकर पार्टी के भीतर मंथन होगा।

नए वकीलों को कब तक कितने रुपये मिलेंगे? सीएम सम्राट ने दिए चेक; एसडी संजय ने दी सारी जानकारी

एजेंसी

पटना। बिहार में वकालत शुरू करने वाले युवा अधिवक्ताओं के लिए काम की खबर है। बिहार सरकार अब इन युवा अधिवक्ताओं को आर्थिक मदद देगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्टाइपेंड योजना की शुरूआत की है। इसके तहत चयनित वकीलों को हर महीने पैसे मिलेंगे। पहले चरण में 160 अधिवक्ताओं के आवेदन मंजूर किए गए हैं। बिहार में वकालत की शुरूआत करने वाले युवा अधिवक्ताओं को अब आर्थिक परेशानियों से जूझना नहीं पड़ेगा। राज्य सरकार ने नए वकीलों को प्रोत्साहित करने के लिए स्टाइपेंड योजना शुरू कर दी है। इसके तहत चयनित अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक हर महीने पांच हजार रुपये दिए जाएंगे। बुधवार को पटना में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस योजना का शुभारंभ किया। पहले चरण में 160 अधिवक्ताओं को लाभ देने के लिए चुना गया है। कार्यक्रम में प्रतीकात्मक रूप से पांच-पांच लाभुकों को अतिथियों के हाथों चेक प्रदान किए गए।महाधिवक्ता एसडी संजय ने इस योजना को बिहार के अधिवक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण पहल

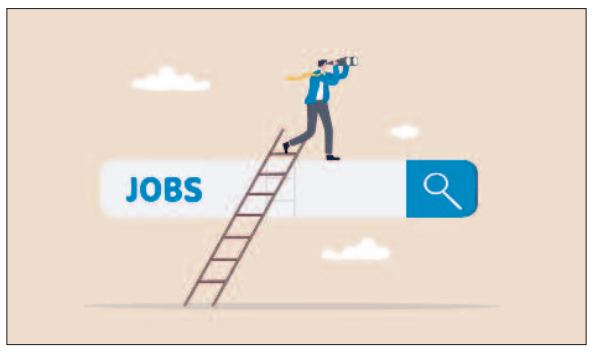


बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो वादा किया था, उसे पूरा करके दिखाया है। वकालत के पेशे में शुरूआती समय काफी चुनौतीपूर्ण होता है। इस दौरान अधिवक्ताओं को आमदनी की तुलना में खर्च अधिक करना पड़ता है। ऐसे में हर महीने पांच हजार रुपये की सहायता नए वकीलों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। महाधिवक्ता एसडी संजय ने बताया कि इस योजना का लाभ उन अधिवक्ताओं को मिलेगा, जिन्होंने एक जनवरी 2024 के बाद वकालत के पेशे में प्रवेश किया है और अपना नामांकन कराया है। सरकार की ओर से उन्हें लगातार तीन वर्षों तक हर महीने पांच हजार रुपये स्टाइपेंड देने का प्रावधान किया गया है।

रोजगार मेले का आयोजन, 600 से अधिक पदों पर होगी भर्ती; 35 हजार रुपये तक मिलेगी सैलरी

एजेंसी

पटना। बिहार के नालंदा में जिला नियोजनालय की ओर से आज एक दिवसीय नियोजन-सह-व्यावसायिक मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया जा रहा है। बिहारशरीफ के संयुक्त श्रम भवन में सुबह 10 बजे से लगने वाले इस मेले में फ्लिपकार्ट समेत कई प्रतिष्ठित कंपनियां 600 से अधिक पदों पर भर्ती करेंगी। निजी क्षेत्र में नौकरी की तलाश कर रहे बिहार के युवाओं के लिए रोजगार पाने का अच्छा अवसर है। बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के निर्देश पर जिला नियोजनालय, नालंदा की ओर से आज एक दिवसीय नियोजन-सह-



व्यावसायिक मार्गदर्शन मेले (तृतीय चरण) का आयोजन किया जा रहा है। बिहारशरीफ स्थित संयुक्त श्रम भवन, ब्लॉक कैंपस परिसर में सुबह 10 बजे से लगने वाले इस मेले में 600 से अधिक पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। खास बात यह है कि चयनित युवाओं को पद और शैक्षणिक योग्यता के आधार पर 12 हजार से 35 हजार रुपये तक मासिक वेतन मिल सकेगा। 600 से अधिक रिक्तियां, 35 हजार रुपये तक वेतन जिला नियोजन पदाधिकारी मो. आकिफ वक्कास ने बताया कि रोजगार मेले में राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर की कई प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। इनके माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में कुल 600 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को 12,000 रुपये से लेकर 35,000 रुपये प्रतिमाह तक वेतन दिया जाएगा। कुल रिक्तियों में नियमानुसार चार प्रतिशत पद दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित रखे गए हैं। फ्लिपकार्ट समेत कई बड़ी कंपनियां करेंगी भर्ती इस रोजगार मेले में फ्लिपकार्ट, एसआईएस लिमिटेड, रीशव ऑटोमोबाइल्स, एक्सपर्ट मैनपावर सर्विस, इनोमेक्स इंडस्ट्रीज, एबी इंडिया, जवाहरी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, क्वेस्ट कॉर्प लिमिटेड, पुखराज हेल्थ केयर, प्रथम फाउंडेशन, उत्कर्ष वेलफेयर फाउंडेशन, सिग्मा कॉर्पोरेशन और नेपच्यून इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल हो रही हैं। 8वीं पास से एमबीए तक के अभ्यर्थियों को मौका रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो पदों के अनुसार आठवीं पास, दसवीं, 12वीं, स्नातक (बीए, बीएससी और बीकॉम), स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा और एमबीए डिग्रीधारक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। खास बात यह है कि रोजगार मेले में शामिल होने या नौकरी के लिए आवेदन करने का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह पूरी तरह निःशुल्क है। निबंधन के बिना नहीं मिलेगी मेले में एंट्री, ये दस्तावेज लाना जरूरी रोजगार मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों का नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस) पोर्टल या बिहार रोजगार सेतु पोर्टल पर निबंधन होना अनिवार्य है। जिन युवाओं ने अब तक निबंधन नहीं कराया है, वे जिला नियोजनालय कार्यालय पहुंचकर भी अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इसके अलावा अभ्यर्थी क्यूआर कोड स्कैन करके भी अपना विवरण दर्ज कर सकते हैं।

संक्षिप्त डायरी

माइक्रो फाइनेंस कंपनी के नाम पर ठगी, 15 लाख लेकर ऑफिस बंद कर फरार हुए आरोपी; सैकड़ों लोग शिकार

एजेंसी

पटना। बिहार के पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के मलाही में शिखा माइक्रो बेनिफिट फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि चार लोगों ने 60 हजार रुपये तक का लोन दिलाने और टीवी, फ्रिज समेत इलेक्ट्रॉनिक सामान देने का झांसा देकर सैकड़ों लोगों से करीब 10 से 15 लाख रुपये ठग लिए। बिहार की राजधानी पटना में माइक्रो फाइनेंस कंपनी के नाम पर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। बाढ़ थाना क्षेत्र के मलाही में कथित फाइनेंस कंपनी के चार कर्मचारियों ने लोन दिलाने का झांसा देकर सैकड़ों लोगों से करीब 10 से 15 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपियों ने लोगों को 60 हजार रुपये तक का लोन दिलाने का भरोसा दिया था। इसके लिए उन्हें टीवी, फ्रिज समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने का झांसा देकर प्रत्येक व्यक्ति से तीन से चार हजार रुपये वसूले गए। जब लोगों को न तो सामान मिला और न ही लोन की राशि, तब वे कंपनी के कार्यालय पहुंचे। वहां ताला लगा मिला और कथित कर्मचारी मोबाइल फोन बंद कर फरार हो चुके थे। इलेक्ट्रॉनिक सामान और लोन का दिया झांसा पीड़ितों के मुताबिक, चार लोगों ने मिलकर मलाही में एक कार्यालय खोला था। वे खुद को 'शिखा माइक्रो बेनिफिट फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड' से जुड़ा बताकर लोगों को लोन देने का प्रचार कर रहे थे। लोगों को बताया गया कि 60 हजार रुपये तक का लोन मिलेगा। इसके लिए पहले इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने के नाम पर तीन से चार हजार रुपये जमा करने होंगे। आरोपियों ने भरोसा दिलाया था कि टीवी, मिक्सी, इंडक्शन और कुकर जैसे सामान दिए जाएंगे। इसके बाद उनके बैंक खाते में लोन की राशि ट्रांसफर कर दी जाएगी। हालांकि, रुपये जमा करने के बाद न तो लोगों को इलेक्ट्रॉनिक सामान मिला और न ही उनके खाते में लोन की रकम पहुंची। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित कथित कंपनी के कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां ताला लटका मिला। इसके बाद ठगी के शिकार महिलाओं और ग्रामीणों की भारी भीड़ कार्यालय के बाहर जमा हो गई। लोगों ने जमकर हंगामा किया और स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। सबनीमा गांव की रहने वाली ममता देवी ने बताया कि कुछ लोग पहले उनके घर पहुंचे थे और लोन दिलाने का प्रचार किया था। इसके बाद उन्होंने दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। फोन पर बात करने वाले व्यक्ति ने उनसे फॉर्म भरवाया और इसके बदले चार हजार रुपये ले लिए। उन्हें बताया गया कि चार हजार रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान, जैसे टीवी, मिक्सी, इंडक्शन और कुकर दिए जाएंगे। इसके बाद उनके खाते में लोन की राशि भेज दी जाएगी। हालांकि, रुपये मीर मोहल्ला निवासी मोहम्मद अनवर ने बताया कि उन्हें आरोपियों ने जानकारी दी थी कि नया बैंक खोला गया है, जहां लोगों को लोन दिया जाएगा। लोन लेने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदना जरूरी बताया गया था। इस झांसे में आकर उन्होंने सात अन्य लोगों के साथ मिलकर कथित कंपनी के कर्मचारियों को कुल 21 हजार रुपये दिए थे। अनवर के मुताबिक, रुपये जमा कराने के बाद बीती शाम से सभी कथित कर्मचारियों के मोबाइल नंबर बंद आ रहे हैं। जब वे कार्यालय पहुंचे तो वहां भी ताला लगा मिला। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास

अनंत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से राहत, 1 दिसंबर नहीं, अब इस तारीख तक करना होगा सरेंडर

एजेंसी

पटना। अनंत सिंह से जुड़ी महत्वपूर्ण खबर है. सुप्रीम कोर्ट ने 1 दिसंबर तक अनंत सिंह को सरेंडर करने का आदेश दिया था. लेकिन अब खबर सामने आ रही है कि अनंत सिंह के सरेंडर करने की तारीख बढ़ा दी गई है. अनंत सिंह अब 4 दिसंबर तक सरेंडर कर सकते हैं. मोकामा के विधायक अनंत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है. मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो, दुलारचंद हत्याकांड में अनंत सिंह अब 1 दिसंबर के बदले 4 दिसंबर तक सरेंडर कर सकते हैं. दुलारचंद हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट में 30 अक्टूबर को सुनवाई हुई थी. सुप्रीम कोर्ट ने 1 दिसंबर तक अनंत सिंह को सरेंडर करने का आदेश दिया था. लेकिन अब इस समय सीमा को बढ़ाकर 4 दिसंबर कर दिए जाने की चर्चा है. सुप्रीम कोर्ट में क्या-क्या हुआ था? सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान यह कहा गया था कि पटना हाई कोर्ट की अनंत सिंह को जमानत देने का फैसला गलत था. ऐसा इसलिए क्योंकि हाई कोर्ट ने अपराध की प्रकृति और अनंत सिंह के आपराधिक इतिहास पर ध्यान ही नहीं दिया था. इस वजह से सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी और अनंत सिंह की जमानत रद्द कर दी थी. जांच अधिकारी को दिया गया आदेश इस मामले में जांच अधिकारी को यह आदेश दिया गया था कि चार महीने के अंदर जांच पूरी कर सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर दे. इसके बाद फिर सुनवाई की जाएगी. सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अनंत सिंह ने यह कहा था कि वे सरेंडर कर देंगे. लेकिन इससे पहले उनकी बेटी शिवांगी की शादी होने वाली है, जिसकी तैयारी में वह जुटे हैं. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें 25 नवंबर को होगी अनंत सिंह की बेटी की शादी 25 नवंबर को अनंत सिंह की बेटी शिवांगी की शादी है. इस शादी की चर्चा अभी से तेज है. नीलम देवी ने कुछ दिन पहले ही कुलदेवी को शादी का कार्ड चढ़ाया था. नदवां गांव में भव्य पंडाल बनाया जा रहा है. शादी वाले दिन घुड़दौड़ प्रतियोगिता भी आयोजित होगी. इतना ही नहीं, शादी की रौनक बढ़ाने पवन सिंह, अक्षरा सिंह और सोनू सूद तक के आने की चर्चा है. दुलारचंद के पोते ने दर्ज कराया था मामला दुलारचंद यादव के पोते नीरज कुमार ने पटना हाई कोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसके तहत मार्च 2026 में अनंत सिंह को जमानत मिली थी. याचिका में मांग की गई थी कि उनकी जमानत रद्द कर उन्हें दोबारा जेल भेजा जाए. याचिकाकर्ता का आरोप है कि हाईकोर्ट ने जमानत देते समय अनंत सिंह के आपराधिक इतिहास को पर्याप्त महत्व नहीं दिया. राज्य सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में उनके खिलाफ दर्ज गंभीर आपराधिक मामलों का हवाला दिया है. इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, रंगदारी और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले शामिल हैं.

बिहार के शिक्षकों को छठ से पहले मिलेगी खुशखबरी, शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को सैलरी से जुड़ा दिया ये आदेश

एजेंसी

पटना। बिहार के शिक्षकों से जुड़ी राहत की खबर है. शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि शिक्षकों की पेंडिंग सैलेरी जारी कर दी जाए. शिक्षा मंत्री ने छठ महापर्व से पहले सैलेरी जारी किए जाने का आदेश दिया. बिहार में जल्द ही छठ महापर्व मनाया जाएगा. लेकिन इससे पहले राज्य के कई शिक्षकों को खुशखबरी मिलेगी. शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने शिक्षकों और कर्मचारियों को राहत देते हुए उनकी पेंडिंग सैलरी जारी किए जाने का आदेश दिया. शिक्षा मंत्री ने यह स्पष्ट आदेश दिया है कि छठ महापर्व से पहले शिक्षकों और कर्मचारियों के खाते में सैलरी भेज दी जाए. इन्हें लेकर शिक्षा मंत्री ने दिया आदेश जानकारी के मुताबिक, शिक्षकों के साथ तालीमी मरकज, लिपिक, शिक्षा सेवक समेत अन्य सरकारी शिक्षकों की पेंडिंग सैलरी भेजे जाने का आदेश दिया गया है. मिथिलेश तिवारी ने यह भी कहा कि वेतन जारी करने में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. इसके अलावा भी शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की. शिक्षकों के उपस्थित नहीं होने पर दिखाई नाराजगी बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान शिक्षकों की स्कूल में उपस्थिति को लेकर भी चर्चा की गई. अधिकारियों की ओर से बताया गया कि लगभग 5 प्रतिशत ऐसे शिक्षक हैं जो लगातार उपस्थित नहीं हो रहे हैं. इस पर शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने नाराजगी जताई. इसके बाद उन्होंने अपर मुख्य सचिव को सभी जिलों के डीएम के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक करने और शिक्षकों की उपस्थिति फुलप्रूफ व्यवस्था करने का आदेश दिया. ट्रांसफर-पोस्टिंग पर भी हुई चर्चा इसके अलावा बैठक में शिक्षकों की ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर भी चर्चा हुई. मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षक अपने पसंदीदा जिले में ट्रांसफर के लिए 30 नवंबर से 7 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं. इसके बाद 31 दिसंबर तक अंतिम लिस्ट जारी की जाएगी. इस तरह से अनुमान लगाया जा रहा है

भारत ने गुयाना के लिए 50 करोड़ डॉलर ऋण सुविधा बढ़ाने घोषणा की

सेंट जोन्स ।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एंटीगुआ एवं बारबुडा में गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात के दौरान गुयाना में सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की। जयशंकर ने सेंट जोन्स में हाल ही में राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक से इतर राष्ट्रपति अली से मुलाकात की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली से मिलकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2024 की यात्रा के बाद हमारे द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की।' उन्होंने सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की। दोनों देशों ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति और स्थापना से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि एमएसई की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति एवं स्थापना, त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं (क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स) के क्रियान्वयन के लिए अनुदान सहायता तथा डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और गुयाना में यूपीआई जैसी प्रणाली के संचालन में सहयोग से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

तमिलनाडु के पंजीकरण विभाग ने 1,950 करोड़ का राजस्व जुटाया

चेन्नई ।

तमिलनाडु के पंजीकरण विभाग ने अक्टूबर 2026 में 1,950 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया। यह अक्टूबर 2025 की तुलना में 147 करोड़ रुपये अधिक है। राज्य के मंत्री डी. लोकेश तमिलसेल्वन ने उत्तर चेन्नई जिला पंजीयक कार्यालय में अक्टूबर 2026 के कामकाज की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। डिजिटल पहलों की सफलता का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि तीन नवंबर, 2026 तक कुल 2,46,260 दस्तावेजों का पंजीकरण किया जा चुका है। इससे पहले मंत्री ने पंजीकरण विभाग से जुड़े उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के मामलों की निगरानी के लिए तैयार कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित एक ऐप पेश किया।इस ऐप से अधिकारियों को जवाबी हलफनामे तैयार करने और विभाग की कानूनी कार्यवाही तेज करने में मदद मिलेगी।

रैम पर राय भारी, सैम ऑल्टमैन बने राम ऑल्टमैन

नई दिल्ली ।

ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन हाल ही में सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। अपने एक विवादास्पद बयान के बाद उन्होंने अपना सोशल मीडिया डिस्प्ले नाम सैम ऑल्टमैन से बदलकर राम ऑल्टमैन कर लिया है। यह बदलाव कंप्यूटर की रैम के सीमित इस्तेमाल पर उनकी राय को लेकर हुए तीव्र विरोध के बाद आया है। एक पॉडकास्ट में ऑल्टमैन ने कहा था कि दुनिया में रैम की उपलब्धता सीमित है। उनके अनुसार, निजी कंप्यूटरों में लगी रैम का बहुत कम समय (लगभग 5 फीसदी) के लिए इस्तेमाल होना संसाधनों की बर्बादी है, जबकि इसका बेहतर उपयोग क्लाउड डेटा सेंटर में किया जा सकता है। इस बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कड़ी आपत्ति जताई। लोगों का तर्क था कि अपने पैसे से खरीदे गए कंप्यूटर में अपनी पसंद की रैम रखने का पूरा अधिकार है। कुछ ने आरोप लगाया कि बड़ी एआई कंपनियां रैम की जमाखोरी कर रही हैं, जिससे आम लोगों के लिए कंप्यूटर महंगे हो सकते हैं। विवाद बढ़ने और नाम बदलने के बाद ऑल्टमैन ने सफाई दी कि उनके बयान को गलत समझा गया।

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 500 लाख करोड़ के पार

मुंबई ।

बाजार की तेजी में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप पहली बार 500 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया। शुरुआती सेशन में यह 501 लाख करोड़ रुपये के ऊपर तक गया। जबकि पिछले सेशन में क्लोजिंग के बाद यह आंकड़ा 494.4 लाख करोड़ रुपये था।

यानी बाजार की तेजी में करीब 7 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले सेशन में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 7,284 करोड़ रुपये की खरीदारी की। बाजार के जानकारो ने कहा कि विदेशी निवेशकों की ओर से दोबारा खरीदारी शुरू होना घरेलू बाजार के लिए राहत की बात है। अगर आने वाले दिनों में भी विदेशी निवेश जारी रहता है, तो इससे शेयर बाजार में मौजूदा रिकवरी को और मजबूती मिल सकती है।

शेयर बाजार बंपर तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 2,008, निफ्टी 576 अंक उछला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बंपर उछाल दुनिया भर से मिले बेहतर संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में कमी आने से भी बाजार को बल मिला है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,008.61 अंक बढ़कर 79,310.01 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 576 अंक उछलकर 24,536.60 पर बंद हुआ। बाजार में इस सप्ताह लगातार तेज रही है जिससे सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 28 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 501 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। जिससे निवेशकों को भारी लाभ हुआ। वहीं पिछले सप्ताह 28 अक्टूबर को बाजार पूंजीकरण 473 लाख करोड़ रुपए था। कारोबारी सत्र में बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 106.05 अंक की तेजी के साथ 19,132.45 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,115.40 अंक बढ़कर 60,620.90 पर आ गया था। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ में रहे । इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी आईटी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी सर्विसेज में सबसे ज्यादा बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी मीडिया , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसई गिरावट के साथ



बंद हुए।

सूचकांकों में बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, एचयूएल और ट्रेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, आईटीसी, बीईएल और एनटीपीसी के शेयरों को नुकसान हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 1609 अंकों की मजबूती के साथ 78910 पर खुला जबकि निफ्टी भी करीब 380 अंकों की बढ़त के साथ 24400 के पास रहा।दूसरी ओर वहीं अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को बड़ी बढ़त के साथ बंद हुए थे।

रुपया बढ़त के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 15 पैसे की तेजी के साथ ही 94.46 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 94.61 पर बंद हुआ था। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के दबाव में रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को निचले स्तर पर थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.36 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ बंद हुआ था। यह 14 पैसे चढ़कर 94.61 प्रति डॉलर पर रहा था।

गोवा में खनन एवं कोयला क्षेत्र में सुधारों पर केंद्र और राज्य करेंगे चर्चा- मंत्री

महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के नए चरण होंगे शुरू

पणजी ।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि गुरुवार से दक्षिण गोवा में शुरू होने वाला राष्ट्रीय खनन सम्मेलन केंद्र और राज्यों को खनन एवं कोयला क्षेत्रों में सुधारों, उभरती चुनौतियों और इन्हें मजबूत करने के उपायों पर गहन चर्चा का मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन देश के खनिज संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी बुधवार शाम गोवा पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि यह आयोजन केंद्र तथा राज्यों को सुधारों, चुनौतियों और इन क्षेत्रों को मजबूत करने के उपायों पर केंद्रित चर्चा के लिए एक साथ लाएगा।

सम्मेलन के एजेंडे में महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के नए चरणों की शुरुआत, खनिज प्रशासन को मजबूत करने के लिए डिजिटल पहल और सुधारों को आगे बढ़ाने पर राज्यों के साथ विस्तृत चर्चा शामिल है।

मंत्री ने सार्थक संवाद और सहयोगात्मक प्रयासों की उम्मीद जताई। आयोजकों के अनुसार, इस दौरान महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी का नौवां चरण और अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) ब्लॉक का तीसरा चरण भी शुरू किया जाएगा। इन चरणों में अन्वेषण व खनन के लिए खनिज ब्लॉक कंपनियों को आवंटित किए जाएंगे।

अमेरिकी मिड टर्म रिजल्ट के बाद रॉकेट बने सेंसेक्स और निफ्टी.धनतेरस से पहले सेंसेक्स 2009,निफ्टी 576 अंक उछला,साल की दूसरी सबसे बड़ी बढ़त

निवेशकों की बल्ले-बल्ले, 5 ट्रिलियन का हुआ बाजार

मुंबई।

धनतेरस से एक दिन पहले गुरूवार को सेंसेक्स 2008 अंक या 2.60 प्रतिशत चढक़र 79,310 पर बंद हुआ। इसे तेजी से निवेशकों की दौलत 8 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। निफ्टी में भी 576 अंक या 2.40 प्रतिशत की तेजी रही, ये 24,537 के स्तर पर बंद हुआ है। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का आंकड़ा पार किया। ये इस साल की सेंसेक्स की दूसरी बड़ी बढ़त है। 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था। यानी करीब सेंसेक्स में 7 महीने बाद इतनी बड़ी तेजी आई है। शेयर बाजार में लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी के बीच बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार गुरुवार को यह बढक़र 501.14 लाख करोड़ रूपए के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 493.44 लाख करोड़ रूपए था। यानी एक ही दिन में निवेशकों की संपत्ति में करीब 7.7 लाख करोड़ रूपए का इजाफा हुआ।

शेयर बाजार के चलते सेंसेक्स-निफ्टी में लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों ने तगड़ी कमाई की है। दरअसल, बीते कारोबारी दिन बाजार बंद होने पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 4,94,42,140.62 करोड़ रुपये था, जो कि गुरुवार को मार्केट क्लोजिंग पर उछलकर 5,01,61,673.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस हिसाब से निवेशकों ने एक झटके में 7.7 लाख करोड़ रुपये के आसपास कमाई कर डाली। लंबे समय तक गिरावट झेलने के बाद शेयर बाजार में ये लगातार छठा सत्र था, जब सेंसेक्स-निफ्टी का गदर देखने को मिला है। इन छह कारोबारी दिनों में शेयर मार्केट इन्वेस्टर्स ने करीब 25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा छाप लिए हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि शेयर बाजार में गुरुवार को आई रैली के चलते भारतीय शेयर बाजार अब 5 ट्रिलियन रुपये का मार्केट बन गया है।

लगातार छठे कारोबारी सेशन में तेजी

गुरुवार को बाजार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स 1,561 अंक की जोरदार बढ़त के साथ 78,862 अंक पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 457 अंक चढक़र 24,419 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख इंडेक्स में लगातार छठे कारोबारी सेशन में तेजी दर्ज की गई। पिछले 6 कारोबारी सेशन के दौरान सेंसेक्स में कुल 5,754 अंकों की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, निफ्टी इस अवधि में 1,881 अंक चढ़ चुका है। लगातार तेजी से बाजार में निवेशकों की संपत्ति में भी बड़ा इजाफा हुआ है।

कच्चे तेल में गिरावट और विदेशी निवेश से चढ़ा बाजार

बाजार में आई इस तेजी के पीछे कई प्रमुख वजहें रहीं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से बाजार में मजबूत निवेश देखने को मिला। अमेरिकी मिड टर्म चुनाव के नतीजों के बाद ग्लोबल मार्केट में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स का शेयर 12 फीसदी से अधिक चढ़कर सूचीबद्ध

एनएसई पर शेयर 10.97 प्रतिशत चढ़कर 91 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ

नई दिल्ली ।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का शेयर अपने 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 12 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 12.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 92.02 रुपये पर कारोबार शुरू किया। वहीं एनएसई पर यह 10.97 प्रतिशत चढ़कर 91 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।कंपनी का बाजार मूल्यांकन 600.85 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 60.77 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 183 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए प्रति शेयर 78 से 82 रुपये का मूल्य दायरा तय किया गया था। आईपीओ पूरी तरह नए शेयर का निर्गम था। इससे प्राप्त राशि में से 125 करोड़ रुपये कुछ



कर्जों का समय से पहले भुगतान करने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

वहीं15.7 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ मौजूदा पट्टा व्यवस्था के तहत पूंजीगत उपकरणों के अधिग्रहण की लागत चुकाने के लिए किया जाएगा।

शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान के लिए तीन अरब डॉलर की वित्तपोषण सुविधा बढ़ाई

वित्त मंत्री ने रणनीतिक संबंधों पर जोर दिया; विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति मजबूत होने का दावा

इस्लामाबाद ।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान को मिली तीन अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) की महत्वपूर्ण वित्तपोषण सुविधा को उचित अवधि के लिए बढ़ा दिया है। पो किस्तान के एक स्थानीय समाचार की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्री औरंगजेब ने 31 अक्टूबर को समाप्त होने वाली इस सुविधा की अवधि बढ़ने की पुष्टि की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, आपको यह चिंता करने की जरूरत नहीं है कि यह कितने समय के लिए है, क्योंकि हमारे बीच इस तरह के रणनीतिक संबंध हैं। सऊदी अरब ने यह सुविधा इस साल अप्रैल में तब दी थी, जब पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर लौटाए थे। औरंगजेब ने यह भी बताया कि सऊदी की पांच अरब डॉलर की एक अन्य सहायता पहले ही 2028 तक बढ़ाई जा चुकी है। उन्होंने अतिरिक्त सहायता की किसी भी मांग को खारिज करते हुए कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन महीने से अधिक के आयात के लिए पर्याप्त है और इसे साल के अंत तक चार महीने के आयात के बराबर करने का लक्ष्य है।

महानदी कोलफील्ड्स का मेगा आईपीओ को सेबी की मंजूरी

कोल इंडिया की सब्सिडियरी 1 अरब डॉलर जुटाने को तैयार

नई दिल्ली।

सरकारी कोयला कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडियरी महानदी कोलफील्ड्स (एमसीएल) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। यह इस साल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक होगा, जो नवंबर में लॉन्च के लिए तैयार है और इससे करीब 9,000 करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं।

कोल इंडिया एमसीएल में अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी (66.18 करोड़ तक शेयर) ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेचेगी। सूत्रों के मुताबिक, आईपीओ से लगभग 1 अरब डॉलर (करीब 9,000 करोड़) जुटाए जा सकते हैं, जिससे एमसीएल की वैल्यूएशन 10 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। हालांकि, प्राइस बैंड और लॉन्च की सटीक तारीख अभी घोषित नहीं हुई है। महानदी कोलफील्ड्स भारत की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी है।

म्यूचुअल फंड निवेशकों को एएमएफआई के तीन मंत्र

दीर्घकालिक लक्ष्य, अनुशासन और एसआईपी जारी रखने पर जोर



नई दिल्ली ।

नए संवत की शुरुआत पर, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के सीईओ वेंकट एन. चलसानी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए तीन महत्वपूर्ण मूल मंत्र साझा किए हैं। उन्होंने निवेशकों से अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करने, निवेश को स्पष्ट उद्देश्य से जोड़ने, तथा अनुशासन व जिम्मेदारी से आगे बढ़ने का आह्वान किया।

चलसानी ने बाजार के अल्पकालिक उतार-चढ़ाव की बजाय लंबी अवधि के नजरिए पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बाजार में गिरावट के दौरान भी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जारी रखना चाहिए। यह ऑनलाइन सेल की तरह है, जहां समान रकम में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं, जिससे खरीद की औसत लागत संतुलित होती है। हालांकि, एसआईपी से रिटर्न की गारंटी नहीं होती। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को कम से कम पांच साल का नजरिया रखना चाहिए, क्योंकि दो-तीन साल में उतार-चढ़ाव सामान्य है। चलसानी ने भारत की मजबूत आर्थिक विकास संभावनाओं पर जोर दिया, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में नए अवसर शामिल हैं। उन्होंने युवा आबादी, नियंत्रित महंगाई व बढ़ती खपत जैसे कारकों को देश के लिए लाभकारी बताया।

आरबीआई ने बैंकों में डाले 2.5 लाख करोड़



नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में एक ऐसी आर्थिक रणनीति अपनाई है जो पहली नजर में विरोधाभासी लग सकती है। केंद्रीय बैंक ने 7 अक्टूबर 2026 को रेपो रेट में 0.25 फीसदी (25 बेसिस पॉइंट) की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया। जानकारों के अनुसार, यह फरवरी 2023 के बाद पहली बढ़ोतरी है। वहीं दूसरी ओर, आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी नकदी भी डाली है।

ये कदम उन लोगों के लिए खास महत्व रखते हैं जो होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन लेने की सोच रहे हैं। आरबीआई के इन दो फैसलों के पीछे अलग-अलग, पर महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। रेपो रेट बढ़ाने का मुख्य मकसद कर्ज पर नियंत्रण कर महंगाई को काबू में लाना है, क्योंकि इससे बैंकों के लिए आरबीआई से उधार लेना महंगा हो जाता है, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों पर पड़ सकता है।

इसके विपरीत, बैंकिंग सिस्टम में नकदी डालने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंकों के पास ग्राहकों को कर्ज देने और रोजमर्रा के कामकाज के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध हो, ताकि बाजार में तरलता की कमी न हो। आरबीआई का यह संतुलन फ्लोटिंग रेट वाले लोन पर असर डाल सकता है। यदि आपका होम लोन या कार लोन रेपो रेट से जुड़ा है, तो अगली रीसेट तारीख पर आपकी मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ सकती है। हालांकि, फिक्स्ड रेट वाले लोन पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

म्यूचुअल फंड निवेश अक्टूबर में धीमा, फिर भी बाजार का मजबूत आधार

43,024 करोड़ पर आया निवेश, साल के अंत तक 5 लाख करोड़ का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

अक्टूबर 2026 में म्यूचुअल फंड (एमएफ) का भारतीय शेयर बाजार में निवेश घटकर तीन महीने के निचले स्तर 43,024 करोड़ रुपये पर आ गया। महीने के अंत में बाजार में आई तेजी के चलते फंड हाउसों ने निवेश की रफ्तार धीमी कर दी। हालांकि, इसके बावजूद चालू वर्ष के पहले दस महीनों में एमएफ का कुल निवेश 4.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। यदि अगले दो महीनों तक यह गति बनी रहती है, तो कुल निवेश 5 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर सकता है, जो कैलेंडर वर्ष 2025 के उच्चतम स्तर के बराबर होगा। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये खुदरा निवेशकों की लगातार भागीदारी ने म्यूचुअल फंड्स को शेयर बाजार का महत्वपूर्ण सहारा बनाया है। यह तब और भी अहम हो जाता है जब विदेशी निवेशक बाजार से लगातार पूंजी निकाल रहे हैं, जिससे घरेलू संस्थागत निवेशकों की बढ़ती ताकत और बाजार को स्थिरता प्रदान करने की क्षमता प्रदर्शित होती है। म्यूचुअल फंड्स की निवेश गतिविधियां मुख्यतः इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में शुद्ध निवेश पर निर्भर करती हैं। विशेष रूप से हाइब्रिड योजनाओं में शेयरों के लिए तय निवेश अनुपात में बदलाव से कुल खरीद पर बड़ा असर पड़ता है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि घरेलू बचत का वित्तीयकरण भारतीय शेयर बाजार के लिए एक मजबूत और टिकाऊ आधार बन गया हैं।

विराट कोहली ने बताई अपनी सबसे पसंदीदा वनडे इनिंग



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने 38वें जन्मदिन पर अपनी पसंदीदा वनडे पारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपनी कई यादगार शतकीय पारियों को पीछे छोड़ते हुए महज 43 रन की पारी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चुना। यह पारी उन्होंने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी।

2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल की पारी को चुना: स्टार स्पोर्ट्स की ओर से जारी एक वीडियो में कोहली को अपनी कुछ बेहतरीन वनडे पारियों में से पसंदीदा पारी चुनने का टास्क दिया गया था। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेली गई 43 रन की पारी को सबसे ऊपर रखा। भारत ने इस बारिश से प्रभावित मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की थी।

2011 विश्व कप फाइनल की पारी भी थी पसंद: कोहली ने शुरुआत में 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रन को चुना। उस मुकाबले में भारतीय टीम ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में कोहली ने गौतम गंभीर के साथ अहम साझेदारी कर टीम को संभालने में मदद की थी।

183 रन की ऐतिहासिक पारी को भी छोड़ा पीछे: कोहली ने अपनी पसंदीदा पारी चुनते समय पाकिस्तान के खिलाफ 2012 एशिया कप में बनाए गए 183 रन को भी पीछे छोड़ दिया।

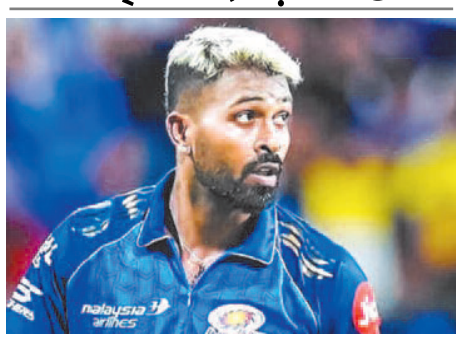
इस मुकाबले में उन्होंने 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शतक लगाया था। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 160 रन और 2015 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन की पारी भी उनकी पसंदीदा सूची में जगह नहीं बना सकी।

43 रन की पारी के पीछे थी खास वजह: 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत ने बारिश के कारण 20 ओवर में 129 रन का लक्ष्य रखा था। टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 66 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल हालात में कोहली ने 43 रन बनाकर रवींद्र जडेजा के साथ 47 रन की अहम साझेदारी की। भारत ने यह मुकाबला पांच रन से जीतकर खिताब अपने नाम किया था।

कोहली के नाम दर्ज हैं कई बड़े रिकॉर्ड

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 15,183 रन बना चुके हैं, जिसमें 55 शतक और 80 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 9,230 रन और 30 शतक दर्ज हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 4,188 रन बनाए हैं। तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कोहली के नाम 28,601 अंतरराष्ट्रीय रन और 86 शतक हैं।

'एक साल तक कप्तानी न करें हार्दिक', पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने पांड्या को दी बड़ी सलाह



नई दिल्ली , (एजेंसी)। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य और ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने हार्दिक की अगली आईपीएल टीम को लेकर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि हार्दिक के लिए चेन्नई सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, लेकिन उन्हें फिलहाल किसी भी टीम की कप्तानी नहीं करनी चाहिए।

केकेआर में हार्दिक को कप्तानी देने के पक्ष में नहीं रायुडू

अंबाती रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के लिए सही विकल्प नहीं माना है। उनका कहना है कि केकेआर को इस समय नए कप्तान की जरूरत है और टीम की जिम्मेदारी संभालना आसान नहीं होगा। रायुडू ने ष्टह्द्बष्ड्डह्व55 पर चर्चा के दौरान कहा, 'मेरे हिसाब से पंजाब या चेन्नई, ये दोनों टीमें हैं जहां हार्दिक जा सकते हैं। लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए।'

सीएसके और पीबीकेएस को बताया हार्दिक के लिए बेहतर विकल्प: रायुडू का मानना है कि चेन्नई और पंजाब में हार्दिक को अपने क्रिकेट पर ध्यान देने का अच्छा मौका मिल सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'वहां उन्हें अपने क्रिकेट के लिहाज से एक अच्छा माहौल मिलेगा। लेकिन चक्रक्रमें उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां होंगी, क्योंकि टीम को कप्तान की जरूरत है। इस समय उस टीम की कप्तानी करना आसान नहीं है।' हालांकि, फिलहाल हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुंबई इंडियंस में हार्दिक को महसूस हुआ दबाव?

रायुडू ने आईपीएल के पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की स्थिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हार्दिक खुद को टीम के भीतर घिरा हुआ महसूस कर रहे थे। रायुडू ने कहा, 'मुंबई में मुझे ऐसा लगा कि हार्दिक को महसूस हो रहा था कि उन्हें एक कोने में धकेल दिया गया है। जब आपको ऐसा महसूस होता है, तो आप हमेशा अपने कंधे के ऊपर से देखते रहते हैं।'

कप्तानी के कारण बिगड़ सकता है ड्रेसिंग रूम का माहौल

रायुडू ने आगे बताया कि जब कोई खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खुद को असहज महसूस करता है, तो उसका असर उसके व्यवहार और प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'जब ड्रेसिंग रूम में ऐसा होता है, तो आप कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसा आप खुद भी नहीं करना चाहते। हार्दिक के लिए कई चीजें सही नहीं रहीं। इसमें उनकी गलती भी हो सकती है और कुछ दूसरी वजहें भी हो सकती हैं। रायुडू का मानना है कि अगर हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह मुंबई इंडियंस में रहना चाहते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि उन्हें कप्तान होना चाहिए। उन्हें सिर्फ अपना खेल खेलना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए मैच विनर बनना चाहिए।' रायुडू ने साफ किया कि दूसरी टीम में जाने पर भी हार्दिक को कम से कम एक सीजन कप्तानी नहीं करनी चाहिए। आईपीएल 2026 के बाद से मैदान से दूर हैं हार्दिक

हार्दिक पांड्या ने आईपीएल 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की वनडे टीम में भी चुना गया था, लेकिन समय पर फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के कारण वह वापसी नहीं कर सके। फिलहाल उनकी वापसी की आधिकारिक तारीख सामने नहीं आई है।

15 साल की तन्वी का डकार में बजा डंका

यूथ ओलंपिक खेलों में रचा इतिहास; महिला बैडमिंटन फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली , (एजेंसी)। भारत की युवा स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने सेनेगल के डकार में जारी यूथ ओलंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता की महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं।

ओडिशा की 15 वर्षीय तन्वी ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त युजुनो वतनबे को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-19 से शिकस्त दी। 54 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक के लिए होने वाले खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली। तन्वी ने इससे पहले थाइलैंड की कुंगकाएव कनानिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। अब उनके पास स्वर्ण पदक जीतकर अपने यादगार अभियान को ऐतिहासिक बनाने का



सुनहरा मौका है। फाइनल में उनका सामना चीन की यी शिन झांग से होगा, जो मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन हैं। तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में तन्वी ने गजब का संयम दिखाया।

उन्होंने 21-19 से तीसरा गेम जीतकर यादगार जीत दर्ज की। तन्वी की यह उपलब्धि यूथ ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन की बढ़ती पहचान का एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले 2010 में सिंगापुर में आयोजित पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणय ने रजत पदक जीता था। 2018 में ब्यूनस आयर्स युवा ओलंपिक में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। आदित्य जोशी ने 2014 में पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

फाइनल में होगी तन्वी की कठिन परीक्षा

तन्वी और झांग के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। इस साल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां तन्वी को कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर तन्वी के सामने फाइनल में कठिन परीक्षा होने वाली है। युजुनो के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला तन्वी के धैर्य और मानसिक मजबूती की कड़ी परीक्षा साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और किसी ने भी आसानी से हार नहीं मानी।

पिछले सीजन के मुकाबले इस बार मुंबई इंडियंस की टीम में बेहतर संतुलन है: अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने पिछले सीजन में टीम संयोजन से जुड़ी अपनी कमजोरियों को काफी हद तक दूर कर लिया है। उनके अनुसार, इसमें नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स की बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि वह कई खिलाड़ियों को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मुकुंद ने कहा कि इसी वजह से दो बार की चैंपियन टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए एक ज्यादा संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में सफल रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ पहले काम कर चुके विलियम्स एमआई टीम की चयन प्रक्रिया में एक नया नजरिया लेकर आए हैं। मुकुंद ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ विलियम्स के पुराने जुड़ाव का असर फ्रेंचाइजी के नीलामी और ट्रेडिंग फैसलों पर पड़ा है। मुकुंद ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले सीजन के मुकाबले इस बार एमआई की टीम में कहीं बेहतर संतुलन है। मुझे यह बात भी अच्छी लगी कि उनके नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स ने ऐसी खिलाड़ियों को चुना है जो टीम को मजबूती देंगी और उसमें वैल्यू जोड़ेंगी।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्होंने दिशा कसाट को लिया है, जिन्होंने आरसीबी में उनके साथ काफी करीब से काम किया था। इसके अलावा, तारा नॉरिस को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल करना भी काफी शानदार फैसला है।

मैनचेस्टर सिटी ने आरबी लीपजिंग को हराया

चैंपियंस लीग में आर्सेनल का अजेय सफर जारी



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। चैंपियंस लीग के लीग चरण के अपने चौथे मैच में आर्सेनल फुटबॉल क्लब ने चेक गणराज्य के फॉर्च्यूना एरिना में स्लाविया प्राग को 2-1 से हराकर अपना अजेय सफर जारी रखा है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी आरबी लीपजिग को 3-2 से हराकर जीत की पटरी पर लौट आई है। आर्सेनल के लिए नोनी माडुके और विक्टर ग्योकेरेस ने गोल किए, जबकि मेजबान टीम के लिए एकमात्र गोल 90वें मिनट में विक्टर नोवाक ने किया। मिकेल आर्टेटा की टीम आर्सेनल अपने मानकों से काफी दूर थी, लेकिन लीग चरण में अजेय बने रहने के लिए उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। आर्टेटा ने लिवरपूल को हराने वाली टीम में छह बदलाव किए। काई हैवर्ट्ज की जगह ग्योकेरेस को शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। इस स्वीडिश स्ट्राइकर ने जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के शुरुआती 10 मिनटों के भीतर माडुके को असिस्ट दिया, जिससे माडुके ने 9वें मिनट में गोल कर दिया। इसके बाद, 38वें मिनट में ग्योकेरेस ने खुद भी एक गोल किया। उन्होंने मिकेल मेरिनो के साथ पास का आदान-प्रदान किया और गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में अच्छा खेल दिखाया और आर्सेनल के डिफेंस पर दबाव बनाया। 90वें मिनट में नोवाक ने करीब से एक गोल किया। जीत के बाद मैनेजर आर्टेटा ने माना कि टीम अपने तय मानकों से काफी दूर थी। मैच के बाद आर्टेटा ने कहा, 'इस टीम में जबरदस्त जज्बा और अटूट विश्वास है। अगर आप इन्हें कोई मौका देते हैं, तो ये उसका पूरा फायदा उठाते हैं। हम अपने तय मानकों से बहुत दूर थे।

खेल के दौरान खासकर दूसरे हाफ में हम अपनी बुनियादी बातों, हर कॉन्सेप्ट और उन चीजों के मामले में काफी पीछे रहे जिनसे हमें बचने के लिए कहा गया था। हम एक-दूसरे से जो उम्मीदें रखते हैं, हम उन मानकों से बहुत दूर थे, लेकिन फिर भी हमने किसी तरह मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और जीत हासिल की।'

इस बीच, एर्लिंग हालैंड ने मैच के आखिर में गोल करके मैनचेस्टर सिटी को आरबी लीपजिग के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, मैनचेस्टर सिटी को लगातार दो प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि काराबाओ कप में उन्होंने ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि, यूरोपियन टूर्नामेंट में उन्होंने जीत की राह पर लौटने के लिए जरूरी प्रदर्शन किया। 37वें मिनट में आरबी लीपजिग के डिफेंडर कैस्टेलो लुकेबा ने निको ओ'रेली के शॉट को रोकने की कोशिश में गेंद को अपने ही गोलपोस्ट में डाल दिया, जिससे मैनचेस्टर सिटी को 1-0 की बढ़त मिल गई।

इसके बाद आरबी लीपजिग के रिडले बाकू ने गोल करके स्कोर बराबर करने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही एंजो फर्नांडेज ने हेडर से गोल करके मैनचेस्टर सिटी को फिर से बढ़त दिला दी। 61वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने गोल करके आरबी लीपजिग को वापस मैच में ला खड़ा किया, लेकिन 78वें मिनट में हालैंड ने निर्णायक गोल करके अपनी टीम को जीत दिला दी।

वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में

बुल्गारिया के कार्लोस नासर का जलवा

निंगबो ,(एजेंसी)। बुल्गारिया के कार्लोस नासर ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बुधवार को पुरुषों की 95 किलोग्राम कैटेगरी में तीनों वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपना चौथा विश्व खिताब जीता। चीन के निंगबो में आयोजित प्रतियोगिता में 21 वर्षीय नासर ने स्नैच में 185 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 230 किलोग्राम का वजन उठाया।

इस तरह उनका कुल वजन 415 किलोग्राम रहा, जो कजाकिस्तान के नुरगिसा अडिलेतुली से 16 किलोग्राम



अधिक था। 2024 ओलंपिक चैंपियन नासर अब 89 किलोग्राम कैटेगरी से ऊपर आ गए हैं। प्रतियोगिता में अडिलेतुली ने 399 किलोग्राम के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि 2024 एशियन गेम्स के चैंपियन, ईरान के अली अलीपोर ने 396 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। चीन के कियान फेइक्सियांग 385 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहे। नासर ने अपने सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। उन्होंने 'स्नैच' में 175 किलोग्राम, 180 किलोग्राम और 185 किलोग्राम वजन उठाया, जिसके बाद 'क्लीन एंड जर्क' में 213 किलोग्राम, 220 किलोग्राम और 230 किलोग्राम का वजन सफलतापूर्वक उठाया।

उनका आखिरी क्लीन एंड जर्क प्रयास 220 किलोग्राम के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड से बेहतर था, जबकि उनका कुल वजन (415 किलोग्राम) अलीपोर द्वारा सितंबर में बनाए गए 398 किलोग्राम के पिछले विश्व रिकॉर्ड से कहीं अधिक था।

इस जीत के साथ नासर ने अपना चौथा विश्व खिताब हासिल किया और वेटलिफ्टिंग के शीर्ष एथलीट्स में अपनी जगह और मजबूत कर ली। निंगबो में आयोजित यह चैंपियनशिप 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत है।

यूईएफए चैंपियंस लीग, कोमो की रिकॉर्ड जीत, लेंस को 9-1 से हराया

लेंस ,(एजेंसी)। कोमो ने यूईएफए चैंपियंस लीग में लेंस को 9-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में किसी इटैलियन क्लब की अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। मेहमान टीम ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बना लिया था। डौविकास ने सातवें मिनट में स्कोरिंग शुरू की और फिर 32वें मिनट में अपने स्कोर को दोगुना कर दिया। निको पाज ने हाफ टाइम से आठ मिनट पहले बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी कोमो ने लेंस को आराम से नहीं रहने दिया। लुकास दा कुन्हा ने 47वें मिनट में स्कोर 4-0 कर दिया, इसके छह मिनट बाद मार्क-ओलिवर केम्पफ ने गोल किया। सब्स्टीट्यूट माटिया लिबेराली ने 62वें मिनट में एक और गोल किया। रूबेन एगुइलर ने 65वें मिनट में गोल करके घरेलू समर्थकों को थोड़ी देर के लिए जश्न मनाने का मौका दिया, लेकिन मार्टिन बटुरिना ने चार मिनट बाद कोमो की छह गोल की बढ़त वापस दिला दी। डेब्यू कर रहे माटेओ पापासिओली ने स्टॉपेज टाइम में शानदार स्कोरलाइन पूरी की। पाज की भूमिका अहम रही। उन्होंने एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए, जबकि लिबेराली ने भी एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए।

पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास

पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक

नई दिल्ली , (एजेंसी)। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है। भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था।

वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया। पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को



हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया।

टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला। 39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है।

भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।

करनाल से अमित शाह की हुंकार, बोले- 'कांग्रेस घुसपैठियों के लिए शोर मचाती है, हम इन्हें चुन-चुन कर देश से बाहर निकालेंगे.'

करनाल, एजेंसी।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने करनाल में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली में हिस्सा लिया. ये यात्रा करनाल के सेक्टर-12 से महात्मा गांधी चौक (कर्ण कैनाल) तक आयोजित की गई. यात्रा के बाद अमित शाह ने जनसभा को संबोधित किया. भारत माता की जयकारे के साथ अमित शाह ने भाषण की शुरूआत की. उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपके जयकारों की आवाज राहुल गांधी तक जानी चाहिए. इसके बाद उन्होंने जय श्री राम के नारे लगाए और भाषण की शुरूआत की. इस दौरान उन्होंने कहा कि आज हमारी भाजपा द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली का आखिरी दिन है. 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक, यह रैली पूरे देश में पार्टी मुख्यालयों पर आयोजित की गई. हर जगह, हमने एक जैसा उत्साह और भारी भीड़ देखी है. देश भर की सड़कों पर हमारे नेता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जनता का जबरदस्त समर्थन देखने को मिला है.



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा मैं बताना चाहता हूं कि हमें यह रैली क्यों करनी पड़ रही है. देश की जनता ने लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुना है. इसके बाद, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी को बार-बार हार का सामना करना पड़ा है. लोकतंत्र में, संसद चर्चा के लिए सबसे बड़ा मंच है, लेकिन राहुल गांधी, आप ना तो संसद को चलने देते हैं और ना ही अहम मुद्दों पर चर्चा करते हैं. आपने संसद के अंदर हंगामा करना और बहिष्कार करना कांग्रेस पार्टी की संस्कृति ही बना दी है. आप संसद को काम नहीं करने देते, बल्कि सड़कों पर भीड़ जुटाकर अराजकता फैलाते हैं, एक अराजकतावादी की तरह बर्ताव करते हैं. राहुल गांधी, मैं आपको बता दूं कि हम भी सड़कों पर उतरने से अनजान नहीं हैं. भारतीय जनता पार्टी आपको हर जगह जवाब देगी. संसद में, विधानसभाओं में, हमारे गांवों में, हमारे खेतों में और सड़कों पर भी और अगर आप भीड़ जुटाने पर अड़े रहे, तो बीजेपी के कार्यकर्ता आपको करारा जवाब देने के लिए वहां मौजूद रहेंगे.

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा देश भर के 600 जिलों में आयोजित यह 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली राहुल गांधी को एक कड़ा जवाब है. मैं साफ तौर पर कह देना चाहता हूं कि राहुल गांधी का सड़कों पर उतरना आपके लिए ठीक नहीं होगा. मेरी सलाह अभी भी यही है कि आप संसद में चर्चा करें. वे हवा में संविधान लहराते हैं. संसद ही वह जगह है जहां संवैधानिक कर्तव्यों का पालन किया जाना चाहिए. आप संसद का अपमान करते हैं, स्पीकर का अपमान करते हैं, अदालतों का अपमान करते हैं और फिर भी, आप लोकतंत्र की बात करते हैं.

राहुल गांधी पर तंज कसते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रेफरी को ही 'चीटर' (धोखेबाज) कह दो, तो हमारी जीत पक्की हो जाएगी. उन्होंने कहा जब हम बच्चे थे, तब हम कबड्डी खेला करते थे. सातवीं कक्षा की हमारी टीम हमेशा चैंपियन बनती थी. लगातार हारने के बाद, नौवीं कक्षा की टीम ने एक बैठक की. उन्हें लगा कि सातवीं कक्षा की टीम, जो उनसे उम्र में छोटी थी, लगातार जीत रही है, जिससे उनकी अहम को ठेस पहुंची. इसलिए, उन्होंने तय किया कि सबसे अच्छी रणनीति यही होगी कि रेफरी को ही 'चीटर' करार दे दिया जाए. इस तरह, उनकी अपनी जीत पक्की हो जाएगी. लगता है राहुल गांधी ने शायद उन छात्रों की बात सुन ली होगी. अमित शाह ने कहा, ₹अगर आप (राहुल गांधी) कोई जिम्मेदार चर्चा करना चाहते हैं. अगर आपकी चिंताओं में सच्चाई, दम और तर्क है. तो आइए और संसद के अंदर इस पर चर्चा कीजिए. आइए, आमने-सामने बात करते हैं! लेकिन आप जवाबों का सामना नहीं कर पाएंगे; हमेशा की तरह, आप बस भाग जाएंगे.

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा 2024 के आम चुनावों के बाद, देश भर में हुए चुनावों में यहां की जनता ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को लगातार हराया है. इनमें से पहला चुनाव कहां हुआ था? हमारे अपने हरियाणा में. क्या आपको वोटों की गिनती का दिन याद है? हुड्डा साहब और कांग्रेस के लोग नए कपड़े पहनकर अपने दफ्तर पहुंचे थे और अपने साथ पेड़े, बर्फी और जलेबी जैसी मिठाइयां भी लाए थे, लेकिन गिनती के पांचवें राउंड तक, कांग्रेस पूरी तरह से साफ हो गई थी. हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में चुनाव हुए. वहां भी वे पूरी तरह से साफ हो गए. बिहार में बीजेपी जीती. दिल्ली में तीन दशक बाद बीजेपी की जीत हुई. असम में हम जीते. पश्चिम बंगाल में ममता दीदी पूरी तरह से साफ हो गईं, और पुडुचेरी में भी बीजेपी की सरकार बनी. राहुल बाबा इससे बौखला गए हैं. इसलिए वे अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ते हैं. वे इसका दोष 'रक्षक' पर मढ़ते हैं. राहुल बाबा, मुझे बताइए, 2014 में 'रक्षक' कहां था? तब भी तो आप पूरी तरह से साफ हो गए थे.

मोटा भाई नहीं संभल रहा केंद्रीय गृहमंत्रालय... इस्तीफा क्यों नहीं दे देते

● कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का तंज



नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के हालात का हवाला देकर केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व पर सवाल उठाए और कहा कि यदि गृह मंत्रालय नहीं संभल रहा है, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपने बयान में तंज कसते हुए कहा कि सात वर्षों में घुसपैठ का मुद्दा हल नहीं हुआ और तीन साल से मणिपुर में स्थिति सामान्य नहीं हुई है। अब अरुणाचल प्रदेश से जुड़े घटनाक्रम भी मोदी सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों के अलावा दिल्ली में लाल किले के पास धमाके की घटना तथा दिल्ली के नजदीक 300 किलोग्राम आरडीएक्स मिलने जैसे मामलों पर भी केंद्र सरकार को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस राज्य सभा सांसद खेड़ा ने शाह को निशाने पर लेकर कहा कि उन्हें गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी छोड़कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका मिलना चाहिए। कांग्रेस नेता का बयान तब आया है, जब भाजपा और कांग्रेस के बीच कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर टकराव बढ़ा हुआ है। कांग्रेस चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमले कर रही है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने हाल ही में रामलीला मैदान में रैली कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठाई थी। दूसरी ओर, भाजपा ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता विभिन्न राज्यों में जनसभाएं और पदयात्राएं कर रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की खारिज

प्रयागराज, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी को सिख समुदाय पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए उनके कथित बयान के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया। राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर नागेश्वर मिश्रा और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने सिख समुदाय के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी। इससे पहले वाराणसी की ट्रायल कोर्ट ने भी इस संबंध में दाखिल अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका खारिज करते हुए राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की आजादी को लेकर स्थिति चिंताजनक है।

ट्रंप के बाद अब पीएम मोदी की बारी, मिडटर्म चुनावों के नतीजों पर प्रशांत भूषण का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगे झटके के बाद भारत में भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने चुनावी नतीजों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा कि अमेरिकी मतदाताओं ने नफरत, डर और दुष्प्रचार की राजनीति को खारिज कर दिया है। अब भारत में भी बदलाव की बारी है। प्रशांत भूषण ने पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनाव भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक लेकर आए हैं। उनके मुताबिक, ट्रंप भी प्रधानमंत्री मोदी की तरह मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने और प्रवासियों के मुद्दे पर लोगों में डर पैदा करने की राजनीति कर रहे थे, लेकिन अमेरिकी मतदाताओं ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने ट्रंप के इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करीबी संबंधों का जिक्र किया। वरिष्ठ वकील भूषण ने आरोप लगाया कि ट्रंप की राजनीति झूठ और दुष्प्रचार पर आधारित थी, जो कि जनता ने नकार दिया। उन्होंने अपने संदेश के अंत में कहा कि ट्रंप के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी की बारी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संतुलन और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने की ताकत को प्रदर्शित किया है। कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, इन चुनावों ने राष्ट्रपति ट्रंप को निर्णायक रूप से खारिज किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में वर्ष 2014 के बाद से लोकतांत्रिक संस्थाओं का संतुलन लगातार कमजोर हुआ है। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की एक राष्ट्र, एक चुनाव की पहल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लोकतंत्र में सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले मध्यावधि चुनावों की प्रभावशीलता को कम कर सकती है। अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर विपक्षी नेताओं के इन बयानों से भारत में भी लोकतंत्र, चुनावी जवाबदेही और राजनीतिक विमर्श को लेकर बहस तेज हो गई है।

दीपके पर वर और रांका-सौरभ दास पर पाकिस्तानी फंडिंग का आरोप, दिल्ली क्राइम ब्रांच की पूछताछ शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी।
सीजेपी के नेताओं को विदेशों से मिल रही कथित आर्थिक मदद का विवाद अब जांच एजेंसियों की चौखट तक पहुंच गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा आशुतोष रांका पर पाकिस्तान से और संस्थापक अभिजीत दीपके पर अमेरिका से फंडिंग मिलने के गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ा कदम उठाया है। क्राइम ब्रांच ने आशुतोष रांका और सौरव दास को पूछताछ के लिए तलब किया हैं। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी नए राजनीतिक दल या सामाजिक आंदोलन की विश्वसनीयता उसकी वित्तीय शुचिता और पारदर्शी



संसाधनों पर टिकी होती है। जब भी किसी संगठन के विरोध प्रदर्शनों और अभियानों के पीछे सीमा पार या विदेशी ताकतों के वित्तीय तार जुड़ने की बातें उठती हैं, तो यह सीधे तौर पर देश की आंतरिक सुरक्षा का मसला बन जाता है। कॉकरोच जनता पार्टी और उससे जुड़े चेहरे पिछले कुछ समय से अपने आक्रामक तेवरों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। मगर अब केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा सीधे तौर पर अमेरिका, पाकिस्तान और तथाकथित 'डीप स्टेट' से आर्थिक मदद मिलने के गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद इस पूरे मामले ने एक बड़ा सियासी और राष्ट्रीय मोड़ ले लिया है। जुबानी जंग से आगे बढ़ते हुए अब इस विवाद में पुलिस की एंट्री हो चुकी है, जिसके बाद फंडिंग के पूरे नेटवर्क की जवाबदेही तय करने की कवायद शुरू हो गई है। विदेशी फंडिंग के आरोपों के तूल पकड़ने के बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इस मामले में सक्रिय कार्रवाई शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच ने सीजेपी के सह-संस्थापक आशुतोष रांका और सौरव दास को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब किया।

आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका: मनी लॉन्ड्रिंग केस की अर्जी हाईकोर्ट भेजी

नई दिल्ली,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन के नए मामले में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने उनकी अर्जी इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दी है, जिससे उन्हें तत्काल राहत नहीं मिल सकी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह 16 नवंबर को एक खंडपीठ के समक्ष मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करे। साथ ही, शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से उसी दिन, यानी 16 नवंबर को ही आजम खान की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने को कहा है। सपा नेता खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने ईडी की कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ईडी दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम कर रही है और इसका उद्देश्य आजम को चुनाव के दौरान जेल में रखना है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने शीर्ष अदालत में तर्क दिया कि जब आजम को रिहा किया जाने वाला था, तभी उन्हें जानबूझकर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि मैं (आजम खान) चुनाव के दौरान जेल में रहूं। गौरतलब है कि 78 वर्षीय सपा नेता को जौहर ट्रस्ट से जुड़े धनशोधन मामले के सिलसिले में 1 नवंबर को गाजियाबाद की विशेष अदालत में पेश किया था। ईडी ने आजम को 31 अक्टूबर को तब गिरफ्तार किया था, जब उन्हें कथित दोहरे पैन कार्ड मामले में रामपुर जेल से जमानत पर रिहा किया जा रहा था। यह गिरफ्तारी उनकी रिहाई के तुरंत बाद हुई, जिससे सिब्बल के आरोपों को बल मिलता है।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में गरजे सीएम योगी, बोले- लोकतंत्र पर उपदेश देने वाली कांग्रेस ने ही लगाया था आपातकाल

नई दिल्ली /गाजियाबाद, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गाजियाबाद पहुंचे. राजनगर एक्सटेंशन स्थित दिल्ली 6 मॉल से गोल्डन व्यू रिजॉर्ट तक आयोजित ₹लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ₹ पदयात्रा में मुख्यमंत्री ने हिस्सा लिया. इससे पहले उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर जनसभा को संबोधित किया. पदयात्रा में गाजियाबाद के अलावा आसपास के जिलों से आए जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकताओं एवं समर्थकों की मौजूदगी रही. आयोजन



के दौरान पार्टी कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला. जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस लोकतंत्र के बारे में देश को उपदेश दे रही है. यह वही कांग्रेस है, जिसे 1975 में देश में आपातकाल लागू किया था. आपातकाल जैसी मानसिकता रखने वाली कांग्रेस जब लोकतंत्र की बात करती है तो यह हास्यास्पद स्थिति पैदा करती है. उन्होंने कहा कि भारत का प्रत्येक नागरिक लोकतंत्र के प्रति जागरुक है और लोकतंत्र के रास्ते में बाधा उत्पन्न करने वाली ताकतों को जवाब देने जानता है लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है.

मुख्यमंत्री ने चुनावी नतीजे को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि जब विपक्ष चुनाव जीत जाता है तो जश्न मनाता है लेकिन हारने पर अपनी विफलता स्वीकार करने के बजाय चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठने लगता है. योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी पर तंज करते हुए उनकी तुलना गांव के उस लड़के से की, जो पढ़ाई नहीं करता और बार-बार परीक्षा में फेल होने के नए-नए बहाने बनाता हैं. उन्होंने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि गांव का एक लड़का लगातार परीक्षा में असफल होता था. पहली बार फेल होने पर उसने पिता से कहा उसने कॉपी में सही लिखा था लेकिन मास्टर साहब ने उसकी कॉपी बदल दी. दूसरी बार फेल होने पर उसने कहा की परीक्षा में सिलेबस से बाहर के प्रश्न आए थे. तीसरी बार उसने बहाना बनाया कि परीक्षा देते समय उसके पेन की स्याही खत्म हो गई थी. चौथी बार भी असफल होने पर गांव के लड़के ने पिता से कहा कि उसके सामने बैठा विद्यार्थी इतनी तेजी से लिख रहा था कि उसका ध्यान भटक गया. सीएम योगी ने उदाहरण के जरिए कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि कमोबेश कांग्रेस की यही स्थिति हो गई है. अपने भ्रष्ट आचरण के कारण कांग्रेस जनता का विश्वास खो चुकी है.

पीओके में फिर भड़की हिंसा : रावलकोट में आम लोगों के घर ड्रोन और गोलियां बरसा रही पाकिस्तानी सेना; 3 की मौत

पीओके, एजेंसी।
पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए हैं. विरोध प्रदर्शनों के बीच पाकिस्तानी सेना पर आम नागरिकों और प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने के आरोप लगे हैं. आरोप है कि रावलकोट शहर में गुरुवार सुबह से पाक सेना लोगों के घरों पर गोलीबारी और ड्रोन हमले कर रही है. हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 18 लोग घायल बताए जा रहे हैं. डेली पाकिस्तान की रिपोर्ट के मुताबिक, रावलकोट के उमर फारूक चौक के आसपास गुरुवार सुबह करीब 5 बजे से पाकिस्तानी सैनिकों ने फायरिंग शुरू कर दी. इलाके में ड्रोन हमले किए जाने की भी खबरें हैं. सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कई घरों में आग लगी दिखाई दे रही है. स्थानीय लोग घटनास्थल पर मिले विस्फोटक के टुकड़े (शार्पनेल) भी दिखा रहे हैं.



स्थानीयों को आरोप, जानबूझकर आम लोगों को निशाना बना रही पाक सेना

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पाकिस्तानी सेना जानबूझकर आम नागरिकों के घरों और निहत्थे प्रदर्शनकारियों को निशाना बना रही है. कुछ प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर बच्चों और आम लोगों पर गोलियां चलाने का आरोप भी लगाया है. हिंसा के बीच रावलकोट में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं बंद किए जाने की खबर है. इससे लोगों को एक-दूसरे से संपर्क करने और घटनाओं की जानकारी बाहर पहुंचाने में मुश्किल हो रही है. इलाके में दहशत का माहौल है, लेकिन इसके बावजूद लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लगातार गोलीबारी की आवाजें सुनाई दे रही हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पाकिस्तानी सेना के दमन के खिलाफ पीछे हटने को तैयार नहीं हैं.

सोशल मीडिया यूजर ने क्या बताया?

बुरहान उद्दीन नाम के एक्स यूजर ने हमले का एक वीडियो पोस्ट किया. जिसमें उन्होंने बताया, 5 नवंबर, 2026 को पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर के रावलकोट में ड्रोन हमले किए हैं. सभी मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दी गई हैं. पूरे शहर में डर और अफरा-तफरी का माहौल है; दर्जनों लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं.

क्यों हो रहा विरोध प्रदर्शन?

पीओके में यह आंदोलन जून 2026 से जारी है. शुरूआत में प्रदर्शनकारियों ने सस्ती बिजली, आटा और बुनियादी सुविधाओं की मांग उठाई थी. हालांकि, धीरे-धीरे आंदोलन का दायरा बढ़ता गया. अब प्रदर्शनकारी विधानसभा में उचित प्रतिनिधित्व, स्थानीय संसाधनों पर अधिकार और प्रशासनिक स्वायत्तता की मांग भी कर रहे हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि पाकिस्तान सरकार और सेना उनकी मांगों को सुनने के बजाय आंदोलन को दबाने के लिए बल प्रयोग कर रही है. आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक, जून में आंदोलन शुरू होने के बाद से पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई में ढङ्गड में 153 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है.

पहले भी हो चुकी हैं हिंसक झड़पें

रावलकोट में ताजा हिंसा ऐसे समय हुई है, जब कुछ दिन पहले ही अस्पताल के पास भीषण झड़पें हुई थीं. लगातार हो रही घटनाओं से इलाके में तनाव बढ़ गया है. ढङ्गड में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी लंबे समय से विरोध प्रदर्शन कर रही है. प्रदर्शनकारियों की मांगों और सड़क नाकेबंदी को लेकर प्रशासन के साथ लगातार टकराव की स्थिति बनी हुई है.

देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी : शहनवाज हुसैन

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शहनवाज हुसैन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने पंजाब के संगरूर में आयोजित इंसाफ रैली को लेकर राहुल गांधी की आलोचना कर आरोप लगाया कि वह राज्य के पुराने जख्मों को कुरेदने और लोगों की भावनाओं को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र कर कांग्रेस की घेराबंदी की। बीजेपी नेता हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी पंजाब के लोगों को इंसाफ दिलाने की बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में हुए अत्याचारों का हिसाब अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों की दर्दनाक यादें आज भी सिख समुदाय के लोगों के मन में मौजूद हैं। उस दौरान निर्दोष लोगों को निशाना बनाया गया था और कई परिवारों ने अपनों को खोया था। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि दंगों से जुड़े कई मामलों में अब भी कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि जब भी गांधी परिवार का कोई सदस्य पंजाब जाता है, तब वहां के लोगों को उन भयावह घटनाओं की याद आ जाती है।



हुसैन ने राहुल गांधी पर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। जनता ने उन्हें जनादेश दिया है और भाजपा को भरोसा है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी जीत हासिल करेगी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा रखना चाहिए। चुनाव के जरिए ही सत्ता परिवर्तन होता है और विपक्ष को अपनी बात जनता के सामने रखनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी के बयानों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ बताते हुए कहा कि देश की जनता ऐसे राजनीतिक रवैये को स्वीकार नहीं करेगी।



प्रियदर्शन की 99वीं फिल्म में बाघ शिकारी बनेंगे अक्षय

नई दिल्ली। अक्षय कुमार एक नए कॉमेडी प्रोजेक्ट के लिए अनुभवी फिल्म निर्माता प्रियदर्शन के साथ काम करने जा रहे हैं। यह निर्देशक की 99वीं फीचर फिल्म होगी। रमेश तौरानी द्वारा निर्मित इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म में वे 1970 के दशक की पृष्ठभूमि में एक अनोखे बाघ शिकारी का किरदार निभाएंगे। प्रोजेक्ट की शूटिंग नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने वाली है। रिपोर्ट में बताया गया है कि तीन महीने तक चलने वाली शूटिंग राजस्थान के वन्यजीव इलाकों और मुंबई के एक सेट पर होगी। इसके अलावा, प्रोडक्शन टीम भोपाल में भी शूटिंग के लिए लोकेशन तलाश रही है। फिल्म की कास्ट में एक्टर अन्नू कपूर और राजपाल यादव शामिल हैं।

लाइफ Style

सारा

ऑफ शोल्डर लहंगे में बनीं मलिका

'धुरंधर' में अपने अभिनय से सबको इंप्रेस करने वालीं सारा अर्जुन अब अपनी रैंप वॉक से भी फैंस का दिल जीत रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने लैक्मे फैशन वीक में अपना रनवे डेब्यू किया और अपने अंदाज के लिए फिर तारीफें हासिल कर रही हैं।

'धुरंधर' स्टार सारा अर्जुन पिछले दिनों इस ब्लॉकबस्टर पिल्म को लेकर चर्चा में रहीं, जिसमें उन्होंने एक बार फिर अपनी एक्टिंग स्किल्स साबित कर दीं। बड़े पर्दे पर धूम मचाने के बाद सारा अर्जुन रैंप को भी अपने नाम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने शुक्रवार को लैक्मे फैशन वीक एक्स एफडीसीआई में अपना रनवे डेब्यू किया और अपनी पहली ही रैंप वॉक से अब हर तरफ छाई हैं। सारा अर्जुन लैक्मे फैशन वीक में 'लैक्मे सैलून x अनुश्री रेड्डी' कोलैबोरेशन के लिए शोस्टॉपर बनीं और रैंप पर उतरते ही सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। उनकी वॉक में कॉन्फिडेंस साफ नजर आ रहा था। सारा अर्जुन ने नई दिल्ली के ताज पैलेस में रनवे पर वॉक किया। इस दौरान उन्होंने डिजाइनर के फॉल ब्राइडल कलेक्शन 'माया' का पाउडर-ब्लू ब्राइडल गाउन पहना हुआ था। बारीक सफेद कढ़ाई, स्कल्पटेड पेपलम और मरमेड हेम वाले लहंगे में सारा रैंप पर उतरीं, जो ब्राइडल फैशन की एक ऐसी झलक पेश कर रहा था जो किसी रोमांटिक फेयरी टेल से प्रेरित लग रहा था। सारा अर्जुन ने अपने रनवे डेब्यू को लेकर खुशी जाहिर की और कहा कि उनका डेब्यू ठीक वैसा ही था जैसा उन्होंने सोचा था।



हॉलीवुड मसाला



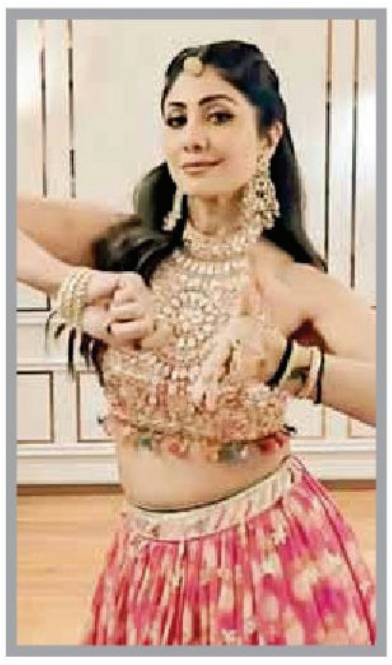
एक दिन पहले रिलीज होगी एवेंजर्स: डूम्सडे

नई दिल्ली। 'एवेंजर्स": डूम्सडे' अमेरिका समेत कई देशों में 18 दिसंबर को रिलीज हो रही है। पर भारत में इसके लिए मेकर्स ने अलग ही प्लानिंग की है। एक रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत में 'एवेंजर्स": डूम्सडे' ग्लोबल रिलीज से एक दिन पहले ही रिलीज कर दी जाएगी. यानी भारतीय दर्शक 'एवेंजर्स": डूम्सडे' को 17 दिसंबर से ही सिनेमाघरों में देख केंगे।'एवेंजर्स": डूम्सडे'भारतीय सिनेमाघरों में गुरुवार, 17 दिसंबर को रिलीज होगी. इससे फिल्म को चार दिनों का वीकेंड मिलेगा।



लाइव कॉन्सर्ट के स्टेज से गिरी सिंगर

नई दिल्ली। लाइव कॉन्सर्ट के दौरान कभी कभी कुछ ऐसे हादसे हो जाते हैं जो कि कलाकारों के लिए बहुत ही चैलेंजिंग हो जाते हैं। चीनी सिंगर सिंगर जॉन झांग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग उनकी विल पावर और डेडिकेशन की खूब तारीफ कर रहे हैं, क्योंकि अगर आम सिचुएशन कोई सात फुट की ऊंचाई से गिरे तो नॉर्मल होने में कम से कम 15 से 20 मिनट तो लेगा ही लेकिन जॉन महज 20 सेकेंड के अंदर अपने पैरों पर खड़ी थीं और स्टेज पर थीं। वीडियो में आप देखेंगे कि जॉन गा रही थीं कि अचानक उनका बैलेंस बिगड़ा और वह नीचे गिर गईं। उनके गिरते ही पूरी टीम उन्हें सम्भालने के लिए पहुंची। जॉन की हिम्मत देखिए कि गिरने के बाद भी उनके चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी। उनकी टीम ने उन्हें सम्भाला, देखा कि वह ठीक हैं या नहीं।



नवरात्रि पर्व के रंग में रंगीं शिल्पा

नई दिल्ली। पूरा देश नवरात्रि के जश्न में डूबी हुआ है। सोशल मीडिया पर गरबा डांस, रंग-बिरंगे पारंपरिक कपड़े और वायरल डांस ट्रेंड खूब छाए हुए हैं। लोग एक साथ मिलकर त्योहार मना रहे हैं, जिसकी खूबसूरत झलकियां देखने को मिल रही हैं। इसके अलावा, इंटरनेट पर त्योहार की खुशी दिखाने वाली कई क्रिएटिव रील्स भी वायरल हो रही हैं। वहीं एक ट्रेंड लोगों का खूब ध्यान खींच रहा है, जिसमें मशहूर गुजराती गरबा गाने की धुन पर कपड़े बदलते हुए मजेदार ट्रांजिशन दिखाए जा रहे हैं। इसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी भी शामिल हो गई हैं, जो ट्रेंड को फॉलो करने में हमेशा आगे रहती हैं। इस ट्रेंड में लोग एक ही गरबा स्टेप को दो बार करते हैं। पहले अपने रोजमर्रा के कपड़ों में और फिर म्यूजिक की बीट बदलते ही वे शानदार ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आते हैं।



दुर्गा पूजा पंडाल में नजर आए रणबीर...

मुंबई। रणबीर कपूर इन दिनों अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। जल्द ही यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस बीच अभिनेता नवरात्रि के दौरान मुंबई के 'नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनीन दुर्गा पूजा' पंडाल पहुंचे। वहां उनकी मुलाकात अपने फिल्ममेकर दोस्त अयान मुखर्जी से हुई। यहां सबसे खास पल वह था जब रणबीर, हर्षदीप कौर के साथ मंच पर आए और अपनी 2013 की हिट फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' का गाना 'कबीरा' गाया। पूजा पंडाल में रणबीर कपूर लाल और सुनहरे रंग के कुर्ते और सफेद पजामे में नजर आए। अभिनेता को देवी दुर्गा का आशीर्वाद लेते देखा गया। इसके बाद उन्होंने हाथ जोड़कर कुछ तस्वीरें खिंचवाईं। साथ ही उन्हें पूजा स्थल पर अयान और अन्य मेहमानों का अभिवादन करते हुए भी देखा गया।

टीवी मसाला

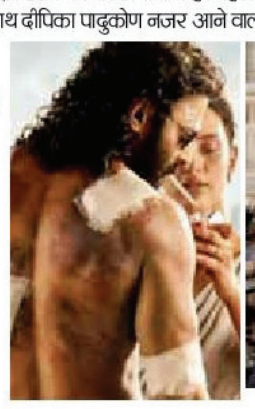


शादी के लिए सालभर विजय के पीछे पड़ी थीं रश्मिका

नई दिल्ली। 'कॉफी विद करण' के दूसरे एपिसोड में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मेहमान बन कर पहुंचने वाले हैं। शो के हाल ही में रिलीज हुए प्रोमो में कपल ने निजी जिंदगी से जुड़े कई खुलासे किये। उन्होंने बताया कि दोनों में से शादी के लिए कौन किसके पीछे पहले पड़ा था। 'कॉफी विद करण' के नवीन सीजन के दूसरे एपिसोड में फैंस के दिलों पर राज करने वाला कपल गेस्ट के रूप में पहुंचा।

स्पिरिट की नई रिलीज डेट जारी रामायण 2 से टकराएगी

नई दिल्ली। प्रभास स्टारर 'स्पिरिट' लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई है। खासतौर पर दीपिका पादुकोण संग निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के विवाद के बाद इस फिल्म की काफी चर्चा में है। पहले इस फिल्म में प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण नजर आने वाली थीं, लेकिन कुछ विवादों के बाद अभिनेत्री इस प्रोजेक्ट से अलग हो गईं और फिल्म में उनकी जगह तृप्ति डिमरी ने ले ली। इस साल की शुरुआत में एक पोस्ट साझा करते हुए मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया था, जिसके अनुसार फिल्म 27 मार्च 2027 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कुछ वजहों से इसकी रिलीज पोस्टपोन कर दी गई और अब मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है, जिसके अनुसार फिल्म 2027 में रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण पार्ट 2' से बॉक्स ऑफिस पर टक्कर लेगी। रविवार, 18 अक्टूबर को संदीप रेड्डी वांगा ने प्रभास स्टारर 'स्पिरिट' के लिए एक नई रिलीज डेट की घोषणा की और फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया। नए पोस्टर में सिर पर हैट पहने प्रभास नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने 'स्पिरिट' की रिलीज डेट 29 अक्टूबर 2027 तय की है, यानी फिल्म दिवाली के मौके पर दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दौरान रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण पार्ट 2' भी रिलीज होने वाली है। यानी बड़े पर्दे पर अब प्रभास / रणबीर कपूर देखने को मिल सकता है। इससे पहले यह फिल्म 5 मार्च 2027 को रिलीज होने वाली थी। 'एनिमल' के डायरेक्टर ने रविवार को फैंस को एक हिंट दिया। उन्होंने बताया कि वे 'स्पिरिट' फिल्म से प्रभास का एक नया लुक और फिल्म की नई रिलीज डेट सामने लाने वाले हैं और उन्होंने ऐसा ही किया।





रेड कार्पेट पर कोचर गाउन से जीता का दिल

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने थोड़ा वक्त निकाल कर 'एनुअल एकेडमी म्यूजियम गाला' में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। रेड कार्पेट पर उन्होंने एक बेहतरीन कॉउचर गाउन पहना था, जिसमें उनका अंदाज बेहद ग्लैमरस और आकर्षक लग रहा था। जहां इस शाम कई बड़े सितारे शानदार परिधानों में नजर आए, वहीं प्रियंका का लुक सबसे अलग था। अभिनेत्री ने शैंपेन-गोल्ड रंग का साटन गाउन पहना था, जिसमें एक खास ऑफ-शोल्डर नेकलाइन थी। यह उनके कॉलरबोन को बहुत खूबसूरती से उभार रही थी। गाउन का मुलायम कपड़ा उनके शरीर पर बहुत ही नजाकत से लिपटा हुआ था। यह उनके फिगर को एक बेहतरीन आकार दे रहा था। गाउन नीचे की तरफ फर्श तक लंबा था और पीछे की ओर एक हल्की 'ट्रेल' भी थी। नेकलाइन पर लगे नाजुक सुनहरे काम और चेन जैसी डिटेलिंग ने गाउन की चमक को और निखार दिया। प्रियंका ने अपने लुक को पूरा करने के लिए गले से सटा हुआ एक चमकदार डायमंड नेकलेस पहना, जो इस सुनहरे रंग के साथ बहुत जंच रहा था। इसके साथ उन्होंने एक शानदार घड़ी और कुछ साधारण अंगूठियां पहनी थीं, ताकि पूरा ध्यान उनके गाउन के अनोखे डिजाइन पर ही रहे। मेकअप और स्टाइल की बात करें तो, प्रियंका ने एक ग्लैमरस और सधा हुआ लुक चुना। उनकी आंखों को हल्का और सुंदर रूप दिया गया था, होंठों पर न्यूड शेड की लिपस्टिक थी और उनका चेहरा एकदम दमक रहा था। उनके गहरे रंग के बाल खुले थे और एक तरफ से पार्ट किए गए थे, जो उनके कंधों पर गिरते हुए गाउन की खूबसूरत नेकलाइन के साथ बहुत अच्छे लग रहे थे। काम की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसे बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।



JHARKHAND EDUCATION CENTER
RANCHI
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com



हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.